हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 27.11.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 125 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

भारतीय संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय संविधान को जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से हमने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु संविधान को अंगीकृत करने की 75वीं वर्षगांठ के वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरूआत करने के लिए संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में ने मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने देशवासियों से अपने आचरण में संवैधानिक आदर्शों को शामिल करने, मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। हमारे दूरदर्शी संविधान निमार्ताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से जुड़े कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। एक नई सोच के साथ हम विश्व समुदाय में भारत को नई पहचान दिला रहे हैं। हमारे संविधान निमार्ताओं ने भारत को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था। आज हमारा देश एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ विश्व बंधु के रूप में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। अगले वर्ष 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। उन्होंने कहा कि एक अर्थ में भारत का संविधान कुछ महानतम लोगों द्वारा लगभग तीन वर्षों के विचार-विमर्श का परिणाम था लेकिन सही अर्थों में यह हमारे लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उस अतुलनीय राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को संविधान में शामिल किया गया। उन आदर्शों को संविधान की प्रस्तावना में संक्षेप में शामिल किया गया है। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता हैं। इन आदर्शों ने सदियों से भारत को परिभाषित किया है। संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित आदर्श एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ मिलकर वे एक ऐसा वातावरण बनाते हैं, जिसमें प्रत्येक नागरिक को फलने-फूलने, समाज में योगदान देने और साथी नागरिकों की मदद करने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संवैधानिक आदर्शों को कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ-साथ सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ताकत मिलती है। हमारे संविधान में प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना, समाज में समरसता को बढ़ावा देना, महिलाओं के सम्मान को सुनिश्चित करना, पर्यावरण की रक्षा करना, वैज्ञानिक सोच विकसित करना, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना और राष्ट्र को उपलब्धियों के नए स्तर पर ले जाना नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में शामिल है।

उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुसार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का मिलकर यह दायित्व है कि वे सामान्य लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए मिलजुल कर काम करें। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों से लोगों की आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं। ऐसे निर्णयों से लोगों के जीवन में सुधार हुआ है और उन्हें विकास के नए अवसर मिल रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग तीन-चौथाई सदी की संवैधानिक यात्रा में राष्ट्र ने उन क्षमताओं को अर्जित करने और सार्थक परंपराओं को विकसित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमने जो सबक सीखे हैं, उन्हें अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 से हर साल 'संविधान दिवस' के समारोहों से हमारे युवाओं में देश के बुनियादी दस्तावेज यानी संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है।

हेमन्त का शपथ ग्रहण समारोह कल, देश के कई दिग्गज नेता होंगे शामिल

हेमन्त ने पीएम मोदी, खड़गे, राहुल सहित अनेक नेताओं से मिलकर दिया आमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कल रांची के मोरहाबादी मैदान में झारखंड के सीएम का शपथ ग्रहण समारोह होने वाला है। इसमें इंडिया गठबंधन के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। वहीं, इसे लेकर मंगलवार को कार्यवाहक सीएम हेमन्त सोरेन ने अपनी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी जानकारी हेमन्त सोरेन ने एक्स पर पीएम मोदी के साथ की तस्वीरें साझा करते हुए दी। इस पोस्ट में हेमन्त ने लिखा है, आज दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें 28 नवंबर को अबुआ सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया।

इसी बीच कार्यवाहक सीएम हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। मिली जानकारी के अनुसार, इस दौरान इस बात पर भी चर्चा की उम्मीद जताई जा रही है कि झारखंड में कांग्रेस कोटे से कितने नेता मंत्री पद की शपथ लेंगे। जानकारी हो कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की हैं। बता दें कि इस दौरान हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की और उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए न्योता दिया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जिला प्रशासन और रांची पुलिस के जरिये मोरहाबादी मैदान में सुरक्षा के साथ-साथ शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। वीवीआइपी और वीआईपी मेहमानों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है।

हेमन्त सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनके समर्थकों का हुजूम राजधानी रांची में उमड़ने वाला है। कई बड़े राजनेता सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत करेंगे। यही वजह है कि रांची पुलिस और जिला प्रशासन के जरिये शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। अनुमान है कि शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 25,000 से ज्यादा लोग राजधानी पहुंचेंगे।

अरविंद केजरिवल ने हेमन्त सोरेन के साथ की प्रेसवार्ता, शपथ ग्रहण समारोह में आने की दी सहमति

नयी दिल्ली : दिल्ली स्थित अरविंद केजरिवाल के आवास में हेमंत सोरेन और अरविंद केजरिवाल ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। जिसमे अरविंद केजरिवाल ने कहा कि हेमंत सोरेन को जिस तरह से जेल में डाला गया, उसके बावजूद उन्होंने बहुत ही मजबूती से चुनाव लड़ा और उसमें जीत हासिल की। हम सभी के लिए हेमंत प्रेरणादायी हैं। आगे कहा, हेमंत और कल्पना सोरेन आज मेरे आवास में आए उनका मैं तहे दिल से धन्यावद देता हूं। 28 नवंबर को उनका शपथ ग्रहण समारोह हैं और उसमें हम सब आयेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं भगवान से दुआ करूंगा कि आने वाले 5 साल उनके लिए बहुत ही शुभ हों। जैसे उन्होंने आब तक झारखंड के लिए विकास के काम किए हैं, वैसे ही आने वाले 5 सालों में भी वे विकास की यात्रा करते रहें। इस मौके पर हेमंत सोरेन ने कहा कि जैसा की आप देख रहे हैं कि हमलोग अभी अरविंद केजरिवाल के आवास पर आए हुए हैं। आप सबको भी मुझे बताने की जरूरत नहीं है क्योंकि परिणाम की खबरें लगभग सब जगह पहुंच चुकी हैं। झारखंड में चुनाव के बाद नई सरकार का गठन होना है। नई सरकार इंडिया गठबंधन की बन रही है। इसी संबंध में मैं दिल्ली के इस दौरे पर हूं।

हेमन्त सोरेन पूरे परिवार के साथ दादा के शहादत दिवस पर आज पहुंचेंगे नेमरा

सोबरन सोरेन के शहादत दिवस पर होगा कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ हेमंत सोरेन का पूरा परिवार खड़ा हुआ। शपथ ग्रहण से पहले हेमन्त सोरेन अपने पूरे परिवार के साथ दादा शाहिद सोबरन सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत ग्राम नेमरा में शहादत दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। बुधवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

जिला प्रशासन के अलावा स्थानीय कार्यकर्ताओं ने भी इस कार्यक्रम को लेकर अपनी तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री अपने साथ पूरे परिवार को लेकर यहां पहुंचने वाले हैं। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपने दादा को याद करेंगे, वहीं पूरा रामगढ़ पैतृक गांव में मुख्यमंत्री को बंपर जीत की बधाई देगा। इस मौके पर उनके जोरदार स्वागत की तैयारी भी चल रही है।

बरलंगा थाना के लुकैयाटांड में 27 नवंबर को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पिता शहीद सोबरन सोरेन का शहादत दिवस मनेगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर शहीद स्थल के पास झामुमो कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिला अध्यक्ष विनोद किस्कू ने कार्यक्रम की सफलता को लेकर रूपरेखा तय किया। उन्होंने कहा कि शहादत दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, दुमका विधायक बसंत सोरेन सहित आधा दर्जन विधायक के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रामगढ़ डीसी चंदन कुमार एवं एसपी अजय कुमार शहीद स्थल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे रूट का निरीक्षण किया है। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कार्यक्रम की सफलता को लेकर अधिकारियों ने अपनी तैयारी कर रखी है।

मुठभेड़ में दो नक्सली गिरफ्तार, हथियार बरामद

लातेहार : एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर सोमवार की रात हुई मुठभेड़ की घटना की विस्तृत जानकारी दी। एसपी ने बताया कि सोमवार की रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हेरहंज थाना क्षेत्र में गत दिनों हाइवा जलाने वाले जेजेएमपी के उग्रवादी मनिका और हेरहंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित सिकित-बन्दुआ गांव के बीच जमे हुए हैं और किसी हिंसक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम गठित की गई और उग्रवादियों के खिलाफ छापेमारी की गई। पुलिस की टीम जैसे ही घटनास्थल की ओर पहुंची वैसे ही उग्रवादियों ने पुलिस को देखकर फायरिंग आरंभ कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग आरंभ की। खुद को कमजोर पड़ता देख उग्रवादी अंधेरा का लाभ उठाकर जंगल की ओर भागने लगे, जिनमें दो उग्रवादियों को पुलिस ने पकड़ लिया जबकि अन्य उग्रवादी भागने में सफल रहे। गिरफ्तार नक्सलियों में बन्दुआ हेरहंज निवासी अजय गंझू और मनिका निवासी उपेन्द्र यादव शामिल हैं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने जंगल में सर्च अभियान चलाया, जिसमें 3 हथियार और 96 गोलियां बरामद की गई। इसके अलावा नक्सली वर्दी, नक्सलियों का धमकी भरा पर्चा समेत अन्य सामान भी बरामद किए गए। एसपी ने बताया कि इस मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों को गोली लगने की भी सूचना है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। जल्द ही इसकी पुष्टि की जाएगी।

एक नजर

चार राज्यों की छह राज्यसभा सीटों पर 20 दिसंबर को उपचुनाव

नयी दिल्ली : चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि चार राज्यों में राज्यसभा की छह रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव 20 दिसंबर को होंगे। अगस्त में वाईएसआरसीपी के सदस्य वेंकटरमण राव मोपीदेवी, बीधा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया के इस्तीफा देने के बाद आंध्र प्रदेश में तीन सीटें खाली हो गई थीं। यादव और कृष्णैया का राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल 21 जून, 2028 को समाप्त होना था, जबकि मोपीदेवी को 21 जून, 2026 को सेवानिवृत्त होना था। ओडिशा में सुजीत कुमार के इस्तीफा देने के बाद एक सीट खाली हो गई थी, जिसके बाद उन्हें बीजू जनता दल ने पार्टी से निकाल दिया था।

जिसकी जितनी भागीदारी है, उसको उतना हक मिले इसके लिए जाति गणना आवश्यक : राहुल गांधी

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने संविधान दिवस के अवसर पर देश में जातीय जनगणना और आनुपातिक आरक्षण के साथ-साथ मतदान प्रणाली में मतपत्र की वापसी को आवश्यक बताते हुए कहा है कि इससे लोगों को अधिकार मिलेंगे और लोकतंत्र मजबूत होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां तालकटोरा स्टेडियम में "संविधान रक्षक अभियान-मेरी जान मेरा अभियान" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सबको उनका अधिकार दिलाकर बहुसंख्यकों को न्याय देने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है और इसके लिए कांग्रेस का संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक संसद में इसे पारित नहीं कराया जाता है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को मजबूत बनाया है और उनकी संपत्ति को कई गुना बढ़ाया है। देश में सबको समान अवसर मिले, जिसकी जितनी भागीदारी है, उसको उतना हक मिले, इसके लिए जाति गणना आवश्यक है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार यह काम शुरू कर चुकी है।

श्री खरगे ने चुनाव प्रणाली को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला किया और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन-(ईवीएम) से नहीं, बल्कि मतपत्र से वोट दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मतपत्रों से मतदान की प्रक्रिया को पुनः लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव मतपत्र के जरिए कराये जाने चाहिए और कांग्रेस इसी प्रक्रिया से पूरे देश में चुनाव कराना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जाति जनगणना की मांग ने श्री मोदी के डर को बढ़ा दिया है। वह जानते हैं कि जाति जनगणना होगी तो लोग अपना हक मांगेंगे और उन्हें जाना पड़ेगा। यह हक संविधान में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को मिला है लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में इसी संविधान को कमजोर करने का काम किया जा रहा है। देश को एक बनाने और मजबूत बनाने के लिए संविधान बनाया गया है और सदियों से कमजोर रही महिलाओं को अधिकार देकर उनको मजबूत बनाया गया है।

उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वे अब अपने कार्यक्रम में बाबा साहेब अम्बेडकर की तस्वीर लगाने लगे हैं। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस के लोगों ने बाबा साहब के काम को जो महत्व दिया है, उसकी वजह से उनका सिर झुका है। वे बाबा साहब की तस्वीर लगाने लगे हैं और कांग्रेस कार्यकताओं के अभियान के कारण उन्होंने बाबा साहब के सामने झुकना शुरू कर दिया है।

बांग्लादेश में हिंदू नेता को जेल भेजने का आदेश, भारत ने जताया कड़ा रुख

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को हिंदू संगठन 'सम्मिलित सनातनी जोत' के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया। भारत ने इस पर 'गहरी चिंता' जतायी और बांग्लादेशी प्राधिकारियों से हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

खबर के अनुसार, चट्टगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम की अदालत ने मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे यह आदेश सुनाया।

समाचार पोर्टल ने बताया कि हिंदू पुजारी को जमानत नहीं मिलने पर उनके अनुयायियों ने अदालत परिसर में नारे लगाने शुरू कर दिए। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को दास को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। पुलिस की जासूसी शाखा के प्रवक्ता रिजाउल करीम ने कहा, दास को (नियमित पुलिस) के अनुरोध के अनुसार हिरासत में लिया गया। हालांकि, आरोपों का ब्योरा दिए बिना गिरफ्तारी की गई।

'सनातनी जागरण जोत' के प्रमुख संयोजक गौरांग दास ब्रह्मचारी के हवाले से कहा कि दास को ढाका से हवाई मार्ग से चट्टगांव जाना था। इससे पहले, 30 अक्टूबर को चट्टगांव के कोतवाली पुलिस थाने में दास समेत 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान चट्टगांव के न्यू मार्केट इलाके में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया था।

एक नजर

संविधान दिवस पर समाहरणालय सभागार में हुआ प्रस्तावना पाठ

हजारीबाग : संविधान दिवस पर समाहरणालय सभागार में मंगलवार को संविधान की प्रस्तावना पठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर सर्वप्रथम संविधान के रचयिता डॉ भीमराव अम्बेडकर को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्य को समाहरणालय के सभी अधिकारियों व कर्मियों के साथ सामूहिक रूप से पढ़ा। इश्तियाक अहमद ने संविधान के तहत प्रदत अधिकारों, कर्तव्यों के संबंध में जानकारी को दोहराया और कहा कि समता मूलक समाज के निर्माण को मूल परिप्रेक्ष्य में रखकर बनाए गए संविधान को हर स्तर पर जानना जरूरी है। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, भू-अर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी व समाहरणालय के सभी अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

हजारीबाग में महिला से 50 हजार ले भागे बदमाश

हजारीबाग : हजारीबाग के इंद्रपुरी चौक में मंगलवार को बाल विकास परियोजना की महिला पर्यवेक्षिका से 50 हजार रुपये की लूट की घटना सामने आई है। बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनके कंधे पर लटकते बैग को छिनकर भाग निकले। बैग बचाने के चक्कर में वो सड़क पर भी गिर गई। उनके चेहरे पर काफी चोट लगी है। मेरु निवासी महिला पर्यवेक्षिका ने कहा कि वह बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से 50 हजार रुपए निकाल कर पैदल ही ऑटो पकड़ने के लिए जा रही थी। जैसे ही वह इंद्रपुरी चौक के पास पहुंची, एक बाइक पर सवार तीन युवक पीछे से आ गए। उन्होंने बैग छीना और तेजी से भाग निकले। बैग में मोबाइल सहित अन्य जरूरी कागजात भी थे। घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

सरिया कॉलेज में संविधान दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

सरिया (गिरिडीह) : मंगलवार को सरिया कॉलेज राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो अरुण कुमार ने कहा विधान दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य भारत के विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक सिद्धांतों से अवगत कराना है तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान निर्माण की गौरवशाली इतिहास रही है। भारत का संविधान अद्भुत, अनोखा, लिखित एवं दुनिया का सबसे विस्तृत संविधान है। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो कार्तिक प्रसाद यादव संविधान निर्माण के इतिहास तथा मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम को संचालन कर रहे राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ आशीष कुमार सिंह ने कहा संविधान भारत की आत्मा है। संविधान निर्माण से जुड़ी हुई इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में संविधान का यह भूमिका होता है। संविधान के निर्माण से जुड़े विषयों पर विस्तार से छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाया गया। इस संगोष्ठी गोष्ठी में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रघुनंदन हजाम, डॉ प्रमोद कुमार,प्रो आसिफ दिवाकर, डॉ श्वेता, प्रो चायरा निशा ईद, प्रो अलका रानी जोजो, प्रो जितेंद्र आदि उपस्थित थे।

नो एंट्री का खुलेआम उल्लंघन, सड़क दुर्घटना में लगातार हो रही हैं मौतें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : भारी वाहनों के खुलेआम नो एंट्री के उलंघन से लोग बेमौत मारे जा रहे हैं और प्रशासन का रवैया नो एंट्री को लेकर बिल्कुल भी सख्त नहीं है। आए दिन अखबारों एवं सोसल मिडिया के माध्यम से भारी वाहनों से सडको पर अनेक प्रकार के दुर्घटनाऔ के बारे में आपने सुना और देखा होगा । बड़कागांव-हजारीबाग के आस पास के पुरे छेत्र में कोलवरी खुलने के बाद भारी वाहनों से सड़कों पर हो रही अनगिनत मोतों से जहां एक ओर जनता डर के साए में जी रही है वहीं प्रशासन इस प्रकार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह नाकाम है। हजारीबाग से लेकर बड़कागांव-टडवा तक के रास्ते में हाईवा एवं बड़े-बड़े ट्रकों के आवागमन से व्यक्तियों का जीना दुर्लभ हो गया है। कई बार अखबारों में नो एंट्री का पालन कराने और इन घटनाओं को रोकने का जिक्र किया गया लेकिन इस पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुआ है । पिछले दिन (25 नवंबर को) ही हजारीबाग के रासुलिगंग के पास दिल्ली पब्लिक स्कूल के नन्हे छात्र एवं उसकी मां को एक भारी वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया था जिसमे माँ बेटे की मौके पर हीं दर्दनाक मौत हो गई थी। शर्मनाक बात यह है की घटना के एक दिन भी नहीं बीतें हैं और नो एंट्री के समय बड़े-बड़े वाहनों का बड़कागांव में आवागमन लगा हुआ है। इस तरह के दर्दनाक घटना के बावजूद अगर नो एंट्री के समय में भारी वाहन घनी आबादी वाले क्षेत्र में खुश रहे हैं इसका बतलब है प्रशासन पूरी तरह से बेपरवाह है। लोगों को अब डर सताने लगा है की बड़कागांव एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है जहां पर प्रखंड के दूर दराज से पढ़ने के लिए हजारों विद्यार्थी लोग कोचिंग स्कूल कॉलेज साइकिल से और पैदल आते जाते रहते हैं कहीं इस प्रकार का घटना ना हो । इसलिए प्रशासन से मांग किया जा रहा है कि नो एंट्री का शक्ति से पालन किया जाए ताकि इस प्रकार के घटना से बचा जा सके और जाम से निजात पाया जा सके।

एनटीपीसी ने मनाया संविधान दिवस किया प्रतियोगिता का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह ने अपने सिकरी परिसर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। जिससे भारत के संविधान और इसके मूल्यों के महत्व को प्रतिष्ठित किया गया। इस कार्यक्रम में संजय कुमार दुबे, जीएम (इन्फ्रा), एनएमएल पकरी बरवाडीह ने विभागाध्यक्षों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई और सभी से देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का आह्वान किया। उत्सव के अंतर्गत संविधान पर आधारित एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें प्रतिभागियों के भारत के संस्थापक दस्तावेज के बारे में ज्ञान का परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों से कर्मचारियों ने उत्साही भागीदारी की। अभिषेक पांडे, सहायक प्रबंधक (माइनिंग), पहले स्थान पर रहे, जबकि रमन, उप प्रबंधक (माइनिंग), ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, और मृणाल आनंद, एळ इटी(एच आर), ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को संजय कुमार दुबे द्वारा सम्मानित किया गया, जिन्होंने उन्हें उनके उत्कृष्ट ज्ञान और प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए बधाई दी। यह सम्मान संगठन की कर्मचारियों के बीच सीखने और जुड़ाव की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक था।

पीड़ित परिवार को न्याय और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है प्राथमिकता : मुन्ना सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

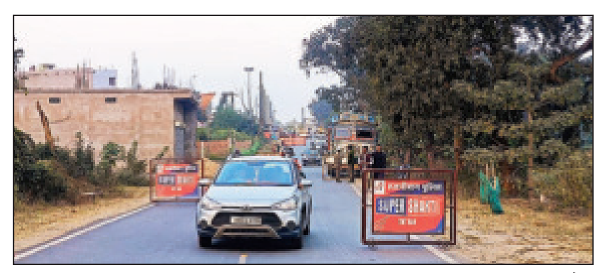

हजारीबाग : शंकरपुर मार्ग पर सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद जिला प्रशासन की ओर त्वरित कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जरूरी कदम उठाने का आश्वासन दिया है। इस मार्ग पर भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू करने, स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेत लगाने, साथ ही पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांगों को प्रशासन ने स्वीकृति देने के साथ ही साथ उसे आज से लागू भी किया गया है। गौरतलब है कि शंकरपुर मार्ग पर हुए इस हादसे में 8 वर्षीय अमन कुमार और उनकी मां लीला देवी की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल था। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा उपायों की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया था। मुन्ना सिंह ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुखद और असहनीय है। पीड़ित परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करना और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने हादसे के बाद शीघ्र कार्रवाई किया है। वहीं आपको बता दें कि हादसे के विरोध में कल स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए और सड़क पर सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं। मुन्ना सिंह ने उनके प्रति सहानुभूति जताते हुए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की थी। राजधानी रांची से बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से प्रशासन इस घटना को गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जबकि उन्होंने आगे कहा कि मैं पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं। जिला प्रशासन के इस सहयोग के लिए मैं आभार प्रकट करता हूं।

प्रखंड के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में मनाया गया संविधान दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में काफी धूमधाम से संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, प्रबुद्धजन, शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ देशवासियों ने भाग लिया। संविधान दिवस के उपलक्ष में कई सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ-साथ आंगो पंचायत अंतर्गत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवगढ़ के शिक्षकों एवं विद्यालय के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। तथा चौक चौराहे में संविधान को पढ़ा गया एवं लोगों को उसके उद्देश्य को पढ़कर सुनाया गया। इस मौके पर सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि हमारा देश भारत का संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं बल्कि एकता समानता और बंधुत्व का आधार स्तंभ है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में संविधान दिवस मनाने की शुरूआत की इससे पूर्व कानून दिवस मनाया जाता था। हम सभी भारतीय जिस संविधान पर गौरव का अनुभव करते हैं उसके निर्माण में डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के कुशल नेतृत्व एवं विचारों की अमिट छाप है। संविधान में एक राष्ट्र के नागरिकों के रूप में हम सबको आबद्ध करने की शक्ति तथा हमारी सामूहिक शक्ती समाहित है। समय की मांग है कि हम सत्यनिष्ठा और समर्पित भाव से इस शक्ति और संविधान में निहित बातों के प्रति जन-जन को परिचित कराने का निरंतर प्रयास करें। बाबा साहब ने संविधान बनाते समय सुनिश्चित किया कि समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे प्रत्येक व्यक्ति भी राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सके और संविधान के रक्षा के लिए भारतीयों के गौरव तथा भारत की एकता इन दो मूल मंत्रों को देश साकार करे।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने बसंती देवी को व्हीलचेयर देकर किया सहयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने शहर के ओकनी क्षेत्र निवासी विजय चंद्र लाल की माता बसंती देवी को व्हीलचेयर देकर सहयोग किया। उल्लेखनीय है कि बसंती देवी पिछले कई महीनों से शारीरिक रूप से असमर्थ थीं और उनके लिए चलना फिरना बेहद कठिन हो गया था। इस स्थिति में विधायक ने उनकी मदद करने का निर्णय लिया और उन्हें व्हीलचेयर प्रदान की, ताकि उनका जीवन कुछ हद तक सरल हो सके। कार्यक्रम विधायक के कार्यालय परिसर में हुआ, जहां विजय चंद्र लाल और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। बसंती देवी को व्हीलचेयर देते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हमारे समाज में बहुत से लोग ऐसी परिस्थितियों में जी रहे होते हैं जिनमें उन्हें हमारी मदद की आवश्यकता होती है। मुझे खुशी है कि मैं बसंती देवी की मदद कर सका और उन्हें इस व्हीलचेयर के माध्यम से कुछ सहारा दे पाया।

मेरे लिए राजनीति सेवा का माध्यम है, और मेरा कार्यालय आप सब के सुझावों और समस्याओं के लिए सदैव खुला रहेगा : प्रदीप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : प्रचंड जीत के बाद नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने कार्यालय में जनता और समर्थकों से मुलाकात की। गुरुवार को कार्यालय पर बधाई देने वालों का तांता नजर आया वहीं दूसरी और समस्याओं को लेकर आने वालों का तांता लगा रहा है, इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर करते हुए विधायक ने सभी का आभार व्यक्त किया और जनता के भरोसे को बनाए रखने का वादा किया। यह जीत मेरा अकेला नहीं है, यह जीत क्षेत्र की जनता की है, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं इस विश्वास को कभी टूटने नहीं दूंगा। जनता की समस्याओं को ध्यान से सुनने के बाद विधायक ने कहा कि क्षेत्र की सड़कें, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में तत्काल सुधार किया जाएगा। उन्होंने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारियों से संपर्क किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के किसान, मजदूर और युवाओं के हित में योजनाओं को तेजी से लागू किया जाएगा। रोजगार सृजन के लिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने और शिक्षा में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। श्री प्रसाद ने जनता जनार्दन से कहा कि मेरा कार्यालय केवल मेरा नहीं, यह क्षेत्र की जनता का कार्यालय है। कोई भी अपनी समस्या या सुझाव लेकर मुझसे मिलने बेझिझक आ सकता है। मैं हर समस्या को गंभीरता से सुनूंगा और उसका समाधान करूंगा। विधायक ने क्षेत्र के सभी वर्गों से अपील की वे विकास कार्यों में उनका साथ दें। उन्होंने कहा यह केवल मेरी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। आइए, मिलकर एक ऐसा हजारीबा बनाएं, जहां हर व्यक्ति को समान अधिकार और अवसर मिले। मौके पर नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह जीत केवल मेरी नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के हर नागरिक की है, जिन्होंने मुझ पर विश्वास कर अपनी आकांक्षाओं को मेरी जिम्मेदारी बनाया है। मैं वादा करता हूं कि आपकी हर समस्या को अपनी समस्या समझकर समाधान करूंगा और क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाऊंगा। मेरे लिए राजनीति सेवा का माध्यम है, और मेरा कार्यालय आपके सुझावों और समस्याओं के लिए सदैव खुला रहेगा। यह क्षेत्र हमारे सपनों का क्षेत्र बने, इसके लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगा। आइए, हम सभी मिलकर एक ऐसा समाज और क्षेत्र बनाएं, जहां हर व्यक्ति को समान अधिकार, अवसर और सम्मान मिले।

संक्षिप्त खबरें

नवनिर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी ने केरेडारी में निकाली आभार यात्रा

केरेडारी : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित हुए भाजपा विधायक रोशनलाल चौधरी ने पूरे विधानसभा क्षेत्र में आभार यात्रा निकाल कर लोगों का आभार जता रहे हैं। वहीं इसी क्रम में आज केरेडारी प्रखंड क्षेत्र का दौरा हुआ जिसमें केरेडारी के राम जानकी मंदिर घुटू , कुठान, सलगा, सयाल, गरी, पेटो, पगार, जोरदाग,से शुरू होकर देर शाम तक खत्म हुआ। जिसमें लोगों ने आपार जनसमर्थन के साथ स्नेह और भव्य तरीके से स्वागत करते हुए आभार जुलूस यात्रा को आकर्षक बनाया। सभी जगह पर सैकड़ो लोगों ने नवनिर्वाचित विधायक रोशनलाल चौधरी का अपने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। लोगों को आभार व्यक्त करते हुए विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा कि पूरे बड़कागांव विधानसभा में केरेडारी प्रखंड क्षेत्र की जनता ने हमें सर्वोपरि सबसे ज्यादा मत का अंतर से विजई बनाने का काम किया है उसे हम कभी भूल नहीं सकता हूं। यहां के लोगों ने जिस आशा और उम्मीद के साथ मुझे इतना भारी मत से विजय बनाने का काम किया है उसे मैं किसी रूप से चूकता नहीं कर सकता हूं परन्तु इस ऋण को मैं अपने विकास कार्यों से चूकता करने का प्रयास करूंगा। इस आभार यात्रा में मुख्य रूप से मौके पर उपस्थित सलगापंचायत के मुखिया पार्वती देवी, पंचायत समिति सदस्य मीना देवी, केंद्रीय सचिव भोला महतो , केरेडारी प्रखंड अध्यक्ष पंकज सहा, कुंवर प्रसाद साहू, राजु राणा,राजेन्द्र महतो, बिनोद कुमार राम, सुरज कुमार दास, रूपलाल महतो, पवन दास प्रेमचन्द महतो, संजय कुमार दास, बिंशुनकांत राम, हजारों साथियों को लेकर गांव में भ्रमण किया।

मां विंध्यवासिनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्रशिक्षुओं को दी गयी विदाई

हजारीबाग : पदमा प्रखंड स्थित माँ विन्ध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजूकेशन में सत्र 2022-24 का वर्तमान सत्र के प्रशिक्षुओं द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया। डॉ. तनुज गुप्ता के समन्वयन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका प्रारंभ संस्था अध्यक्ष डॉ अनूप कुमार मेहता एवं प्राचार्य डॉ चेतलाल प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मंच संचालन प्रशिक्षु श्वेता राज लक्ष्मी तथा सुप्रिया राज ने किया तथा डॉ वीरेंद्र चौरसिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया तथा अनूप कुमार मेहता ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएँ प्रेषित किया। मौके पर उपस्थित प्राध्यापकों में प्रो. जितेंद्र झा, डॉ सुनील कुमार वर्मा, प्रो. अंशु लकड़ा, डॉ प्रियंका कुमारी, प्रो. डॉ नीतू उपाध्याय प्रो राजेश कुमार प्रो. सरिका मेहता प्रो. प्रभात कुमार, प्रो अजीत कुमार कुशवाहा, प्रो. विवेक कुमार, प्रो. राजीव रंजन कुमार प्रो. अविनाश कुमार सुश्री मून कुमारी, संजय राणा, अरविंद कुमार सिन्हा, अशोक कुमार, बबलू कुमार मौजूद थे। वर्तमान सत्र के प्रशिक्षकों ने विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें स्वागत गान, नृत्य के रूप में गणेश वंदना, समूह नृत्य, झूमर, रैंप वॉक, म्यूजिकल तथा भाषण एवं चुटकुलों द्वारा कार्यक्रम को मनमोहन बनाया तथा वर्तमान प्रशिक्षुओं ने उपहार के रूप में डायरी एवं पेन देकर सत्र 2022 – 24 के प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिग्विजय राणा को मि. फेयरवेल अंकित भारती मिस. फेयरवेल, कुमारी दिव्या मिस फेस ऑफ द डे एवं सुजीत मिस्टर फेस ऑफ द डे चुने गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने प्रस्तुत करने वाले प्रशिक्षुओं में प्रेरणा, सारिका, रंजना, गुणवंती, श्वेता, संजना, जीनत तथा प्रीति आदि प्रमुख रहे।

हजारीबाग कांग्रेस कार्यालय में मनाया भारतीय संविधान दिवस

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में 75वां संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने कहा कि कैबिनेट मिशन योजना में भारतीय संविधान के निर्माण के लिए परोक्ष निर्वाचन के आधार पर एक संविधान सभा के निर्माण के सुझाव दिया था। इस योजना के अनुसार चुनाव हुए और संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 09 दिसम्बर, 1946 को डॉ. सच्चिदानंद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इसके बाद 11 दिसम्बर, 1946 को हुई सभा की बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को इसका स्थाई अध्यक्ष चुना गया। बीएन राव को इसका संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया।संविधान के प्रारूप पर विचार करने के लिए प्रारूप समिति बनाई गई, जिसके सभापति डॉ. भीमराव आम्बेडकर थे। संविधान के निर्माण में 02 वर्ष 11 माह तथा 17 दिन का समय लगा और 26 नवम्बर, 1949 को इसे अंतिम रूप से स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 को भारत में लागू कर दिया गया। कार्यक्रम के पश्चात डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित डॉ. भीमराव आम्बेडकर के प्रतिमा पर तथा नया समाहरणालय चौक स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनहे श्रद्धासुमन अर्पित की गई। इस दौरान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान वरिष्ठ कांग्रेसी अकिल अहमद, राजू चौरसिया, नरेश गुप्ता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, डॉ. प्रकाश कुमार महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बेबी देवी सहित कई उपस्थित थे।

रामगढ़ डीसी की मौजूदगी में संविधान के प्रस्तावना का हुआ पठन

रामगढ़ : जिले में मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभाकक्ष में डीसी चंदन कुमार के नेतृत्व में डीडीसी रोबिन टोप्पो, एसी कुमारी गीतांजलि सहित जिले के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने संविधान के प्रस्तावना का पठन किया। इसके साथ जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी बीरेंद्र प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलको ने टाउन हॉल में, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर, डीपीएम जेएसएलपीएस रीता सिंह सहित जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यालय में उनके कार्यालय प्रधान की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का गठन किया गया।

एक नजर

वीरेंद्र राम, उनकी पत्नी और भाई की डिस्चार्ज पिटीशन खारिज

रांची : पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने टेंडर कमीशन घोटाला मामले में आरोपित निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम, उनकी पत्नी राजकुमारी देवी और भाई आलोक रंजन के डिस्चार्ज पिटीशन को मंगलवार को खारिज कर दिया है। मामले में गत 22 नवंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। मामले में अब आरोपितों पर आरोप गठित होना है। लिहाजा इससे पूर्व खुद पर लगे आरोप को मुक्त कराने के लिए आरोपित ने 12 नवम्बर को डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल किया था। उल्लेखनीय है कि 21 फरवरी, 2023 को वीरेंद्र राम और उनके सहयोगियों के 24 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी। 22 फरवरी, 2023 को पूछताछ के बाद ईडी ने वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। 21 महीने जेल में रहने के बाद पिछले दिनों जेल से वीरेंद्र राम जमानत पर बाहर आए है। सुप्रीम कोर्ट से उसे जमानत मिली है। वीरेंद्र राम के ठिकाने पर हुई छापेमारी में 30 लाख कैश के साथ 1.50 करोड़ की आभूषण बरामद हुए थे।

अनूप कुमार ने संभाला सेल सुरक्षा संगठन के ईडी का पदभार

रांची : अनूप कुमार ने मंगलवार को रांची के डोरंडा स्थित इस्पात भवन में सेल सुरक्षा संगठन (एसएसओ) के कार्यपालक निदेशक (ईडी) का पदभार संभाला। संट जेवियर्स कॉलेज और बीआईटी सिंदरी के पूर्व छात्र अनूप कुमार 1991 में आईएसपी, बर्नपुर स्टील प्लांट में सेल में शामिल हुए। 2022 में अनूप सेल आईएसपी में कार्मिक प्रमुख बने और बाद में चासनाला में ईडी (कोलियरीज और सीसीएसओ डिवीजन) बने। बर्नपुर, बोकारो और चासनाला में सेल में उनका योगदान बहुत बड़ा रहा है। उन्होंने लौह बनाने से शुरुआत की और 20 वर्षों तक बर्नपुर के ब्लास्ट फर्नेस में काम किया। बाद में उन्होंने रोलिंग मिलों में योगदान दिया और भारतीय नौसेना के लिए एक विशेष इस्पात उत्पाद बल्ब बार तैयार किया। बोकारो में उन्होंने बोकारो हवाई अड्डे के व्यापक नवीनीकरण कर भारत सरकार के प्रतिष्ठित कार्यक्रम उड़ान-II को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उच्च कैलोरी मान के लिए प्रोपेन संयंत्र का अतिरिक्त व्यय रोककर पर्याप्त लागत नियंत्रण लागू किया। कार्मिक प्रमुख के रूप में उन्होंने संविदा कर्मियों के लिए एक नई बीमा योजना शुरू की, जिसे अन्य निजी क्षेत्र की कंपनियों ने अपनाया। सेल रांची इकाई के कर्मचारियों ने उन्हें उनके नए कार्यभार में उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

संविधान भारत की आत्मा और भारत का गौरव है : डॉ रवींद्र राय

रांची : भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय ने कहा कि संविधान सभी देशवासियों को समान अधिकार एवं समान अवसर देता है। संविधान दिवस पर उन्होंने कहा कि संविधान सभी को मौलिक अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराम आंबेडकर ने संविधान को देश की आत्मा बताई थी। भारतीय संविधान ने एक नये भारत के निर्माण की आधारशिला रखी है। आज हमारा देश एक विकसित, सशक्त और स्वाभिमानी भारत के निर्माण के मजबूत संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। 'संविधान दिवस' के इस पवित्र अवसर पर मैं बाबा साहेब अंबेडकर समेत उन सभी महान विभूतियों को नमन करता हूं, जिन्होंने भारतीय संविधान की रचना में अपना योगदान दिया है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि बाबा अंबेडकर साहब ने कहा था, हमारा संविधान एक ऐसा दस्तावेज होना चाहिए, जो न केवल हमारी देश की स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करें बल्कि देश के लोगों को एक साथ लाने में मदद करें।

उपायुक्त व डीजीपी ने संविधान के प्रति निष्ठा और कर्तव्य परायणता की दिलाई शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संविधान दिवस पर आज समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में भारत के संविधान के प्रति निष्ठा और कर्तव्य परायणता की सामूहिक शपथ ली गई। उपायुक्त, रांची वरुण रंजन ने पदाधिकारियों और कर्मचारियों को भारत के संविधान के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई। विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों एवं समाहरणालय कर्मियों ने उपायुक्त के साथ संविधान की प्रस्तावना का पठन किया। उपायुक्त ने पदाधिकारियों व कर्मियों को भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को न्याय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करनेवाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ संकल्प होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने की शपथ दिलाई।

संविधान दिवस पर रांची के धुर्वा स्थित पुलिस मुख्यालय में भारत के संविधान की प्रस्तावना का शपथ ग्रहण कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। इस दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने उपस्थित वरीय पुलिस पदाधिकारियों, कनीय पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को भारतीय संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलायी।

इस मौके पर आरके मल्लिक, संजय आनन्दराव लाटकर, सुमन गुप्ता, अमोल विनुकान्त होमकर, प्रभात कुमार, पंकज कम्बोज, अन्नेपु विजयालक्ष्मी, कार्तिक एस, अश्विनी कुमार सिन्हा, नौशाद आलम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में झारखंड की जीत पर मिली बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2024 में तेलंगाना की टीम को झारखंड टीम ने 11-00 गोलों से हराया है। इस जीत पर पूरी टीम को हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, महासचिव विजय शंकर सिंह और सीइओ रजनीश कुमार सहित अन्य ने बधाई दी है। 26 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक सिकंदराबाद, तेलंगाना में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मंगलवार को तेलंगाना और झारखंड के बीच मैच हुआ। इसमें झारखंड ने 11-00 गोल से इस मैच में शानदार जीत हासिल की। इस मैच में गोल करने वाले खिलाड़ियों में जमुना कुमारी (5 गोल, 14वें, 34वें, 49वें 49 वें एवं 59वें मिनट में), सुकमनी मुंडू (1 गोल, 19वें मिनट में), श्रुति कुमारी (2 गोल, 28वें एवं 40वें मिनट में) अनुप्रिया सोरेंग (1 गोल, 56वें मिनट में) एवं लेवनी हेमरोम (1 गोल, 58वें मिनट में) शामिल रहे। इस मैच में झारखंड की जमुना कुमारी को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला।

भारतीय संविधान के बारे में जानना और आस्था रखना सभी के लिए आवश्यक : कुलपति

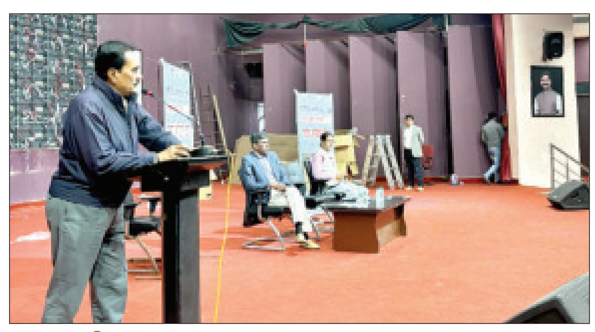

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारतीय संविधान दिवस के 75वें वर्षगांठ पर मंगलवार को संगोष्ठी सह प्रस्तावना शपथ कार्यक्रम आर्यभट्ट सभागार में आयोजित की गयी।

मौके पर कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय संविधान के बारे जानना और आस्था रखना सभी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान में 395 अनुच्छेद, 25 भाग, 12 अनुसूचियां हैं एवं एक लाख पैतालिस हजार शब्द हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हस्तलिखित है। इसमें संप्रभुता, समाजवाद, लोकनिर्पेक्षता, लोकतंत्र और गणतंत्र आदि उद्देश्य शामिल हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित एनएसएस के स्वयंसेवकों से भारतीय संविधान का स्वयं अध्ययन करने और दूसरों को भी इससे अवगत कराने की अपील की। कुलपति ने उपस्थित प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का शपथ कराया।

इस अवसर पर आरयू के एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को डॉ बीके सिन्हा, डॉ आनन्द कुमार ठाकुर, डॉ कुमुद कला मेहता, डॉ भारती द्विवेदी, डॉ हैप्पी भाटिया, डॉ चंचल लकड़ा, डॉ सीमा केशरी, एन एस एस के टीम लीडर्स आस्था दीप, श्रेयसी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के टीम लीडर अतुल कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने किया।

संविधान दिवस के दिन सुप्रियो भट्टाचार्य ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा

देश में मनु संहिता लागू करने की हो रही कोशिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंगलवार को संविधान दिवस के मौके पर जेएमएम के राष्ट्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पीसी कर कहा कि संविधान हमारे देश के लोकतंत्र का मूल धर्म है। इसका जो स्वरूप है, उसे अंगीकार करते हुए संघीय व्यवस्था में हम विश्वास रखते हैं। इसमें राज्यों को अपनी पहचान कायम रखने का अधिकार है। इसी तरह केंद्र के अपने अधिकार हैं। कहा कि एक तीसरा अधिकार है जो दोनों को अधिकृत करता है। कहा कि संविधान के इस स्वरूप में कई संस्थाओं को काम करने का दिशा निर्देश है। भारतीय संसद प्रधान व्यवस्था है। इसमें न्यायपालिका की अलग व्यवस्था की गयी है। निर्वाचन आयोग, महालेखाकार सहित बहुत सारी संस्थाएं हैं जिनका गठन संविधान के तहत किया गया है।

सुप्रियो ने आगे कहा कि आज जिस प्रकार इन संवैधानिक संस्थाओं पर हमले हो रहे हैं, वो चिंताजनक हैं। कहा कि कल जब संसद शुरू हुआ तो पक्ष विपक्ष दोनों के अधिकार और दिशा निर्देश के तहत बाते हुई। लेकिन केंद्र सरकार के लिए ये चुभने वाली बात साबित हुई है। पीएम ने विपक्ष को कहा कि ये जनता के द्वारा नकारे हुए हैं। यानी आप बहुमत में नहीं हैं। आपके खिलाफ जो लोग हैं वो भी स्वीकारे हुए लोग हैं। मतदाता के द्वारा स्वीकारे हुए जनप्रतिनिधि हैं।

इंस्पेक्टर राजेश सिन्हा का हार्ट अटैक से निधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कोविड संक्रमण काल में लोगों की सेवा कर अपनी पहचान बनाने वाले पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिन्हा का निधन हो गया है। पारिवारिक सदस्यों के अनुसार, इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिन्हा की हार्ट अटैक की वजह से जमशेदपुर के अस्पताल में मौत हो गई।

राजेश कुमार सिन्हा को उनकी मूंछों की वजह से भी लोग उन्हें रांची का सिंघम कहते थे। कोविड संक्रमण के समय जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा उस समय राजेश सिन्हा रांची के डेली मार्केट थाना के प्रभारी थे। पूरे लॉकडाउन के दौरान हर उस जरूरतमंद की राजेश सिन्हा ने मदद की थी, जिन्हें खाना और दवाई की जरूरत थी। रांची में पोस्टिंग के दौरान राजेश कुमार सिन्हा डेली मार्केट, सुखदेव नगर और सदर पश्चिम के प्रभार में अपना योगदान दिया था। 1994 बैच के सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिन्हा प्रमोशन पाकर इंस्पेक्टर बने थे। अभी उनके नौकरी के चार साल बची हुई थी। चुनाव से पहले रांची से उनका तबादला धनबाद हुआ था। धनबाद में वह साइबर क्राइम ब्रांच में थे। मतगणना खत्म होने के बाद वह छुट्टी पर जमशेदपुर गए थे, जहां मंगलवार को उन्हें हार्ट अटैक आया। इसके बाद जल्दबाजी में उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अक्षय राम ने कहा कि चुनाव के दौरान राजेश धनबाद में उनके साथ ड्यूटी कर रहे थे। आज उनके नहीं होने की जानकारी मिली है। पूरा पुलिस महकमा और 1994 बैच के सभी पुलिस अफसर उनके परिवार के साथ हैं। उनके निधन पर कई पुलिस पदाधिकारियों ने शोक जताया है।

सीआरएम की टीम ने अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (सीआरएम) के तहत राज्य में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की टीम झारखंड दौरे पर है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक डॉ इंद्रानिल दास और अवर सचिव मलय कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम साहेबगंज और पूर्वी सिंहभूम जिले में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करेगी।

फिल्ड विजिट से पूर्व मंगलवार को नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिलों से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अनिमा किस्कू ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। टीम ने मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, समुदाय उत्प्रेरण, 108 एवं 104, आईईसी, मलेरिया, कुष्ठ, यक्ष्मा, आईडीएसपी, मानव संसाधन, वित्त सहित अन्य कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक डॉ इंद्रानिल ने बताया कि झारखंड में स्वास्थ्य कार्यक्रम बेहतर ढंग से कार्यान्वित किए जा रहे हैं, जिससे राज्य का स्वास्थ्य सूचकांक बेहतर हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र के अलग-अलग विशेषज्ञ हमारे साथ तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, जिसमें झारखंड में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी लेंगे। हम समुदाय में जाकर ग्रामीणों से, स्वास्थ्य सहिया से, अस्पताल में मरीजों से मुलाकात करेंगे। स्वास्थ्य संस्थानों के आधारभूत संरचना कर्मचारियों की कार्यशैली इत्यादि की जानकारी लेंगे। अभी हम उपरोक्त जिलों के किन-किन स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्थानों का हम दौरा करेंगे, इसकी जानकारी साझा नहीं की गयी है। निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ चन्द्रकिशोर शाही ने सीआरएम टीम को बताया कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग क्यूरेटिव और प्रिवेंटिव दोनों मेजर पर काम कर रहा है। राज्य में मेंटोरिंग योजना के तहत मेडिकल कॉलेज, जिला के सदर अस्पतालों का मार्गदर्शन करता है और स्वास्थ्य व्यवस्था के गुणात्मक सुधार के लिए सहयोग करता है। राज्य के अच्छे सरकारी अस्पतालों में विजिट कराकर वहां के नवाचारों को दिखाया जाता है। इसी तरह मुख्यमंत्री अस्पताल रख-रखाव योजना के तहत छोटे-मोटे कार्यों के लिए, अस्पताल प्रबंधन को वित्तीय शक्ति प्रदान की गयी है, और उन्हें वित्त उपलब्ध कराया गया है। हम मल्टी स्टोरी अस्पताल बनाने की कार्ययोजना पर भी काम कर रहे हैं।

प्रजेंटेशन के बाद टीम ने दवाओं की आपूर्ति, मोबाईल मेडिकल यूनिट, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, स्नेक बाईट, टेली मानस सहित अन्य पर सवाल जवाब किए। सीआरएम टीम की तरफ से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अवर सचिव मलय कुमार हलधर, डॉ पीजे श्रीनिवास, डॉ सुधीरा, डॉ सिन्धु मैरी जेकाब, डॉ प्रियंका, डॉ मृत्युंजय सहित अन्य अधिकारी एवं परामर्शी मौजूद थे। बैठक के बाद सीआरएम टीम साहेबगंज और पूर्वी सिंहभूम जिले के लिए रवाना हुई।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने संविधान रक्षक अभियान की शुरुआत की

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को रांची के पुराना हाई कोर्ट स्थित अम्बेडकर चौक में 'संविधान रक्षक अभियान' की शुरूआत हुई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण की। यह अभियान 26 नवंबर से 26 जनवरी, 2025 तक चलेगा। इस मौके पर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया कोषांगों का गठन, शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर

रांची : मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह को लेकर, उपायुक्त रांची, वरुण रंजन ने कोषांगों का गठन कर पदाधिकारी एवं सहयोगी पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सभी आवश्यक तैयारी ससमय पूरा करने का निर्देश भी दिया गया। इस बैठक में जिला के तमाम आला अधिकारी व पदाधिकारी उपस्थित थे। 28 नवम्बर को होने वाले कार्यक्रम की व्यापकता को देखते हुए कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू रूप से आयोजन के लिए समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित सभागार में आवश्यक बैठक हुई।

श्रीअद्वैत स्वरूप संन्यास आश्रम का सत्संग 29 से

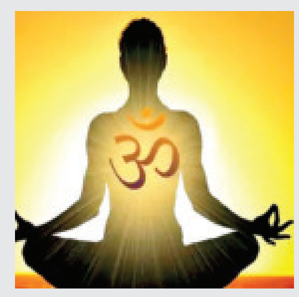

रांची : श्रीअद्वैत स्वरूप संन्यास आश्रम का तीन दिवसीय वार्षिक परम ज्ञान सत्संग 29 नवंबर से शुरू हो रहा है। इसका आयोजन मेकन इस्पात क्लब हॉल में रांची संगत की ओर से किया जा रहा है। पहले दिन शाम छह बजे ईश्वर और सद्गुरु की आराधना से सत्संग की शुरुआत होगी। रांची संगत शाखा के अनिल कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि महामंडलेश्वर साध्वी निर्भयानंदपुरी निर्मल बहन सहित कई साधु-संत अनुयायियों को आशीर्वचन देंगे। दूसरे दिन भी शाम छह से रात आठ बजे तक भजन और प्रवचन होगा। अंतिम दिन रविवार को मेकन नर्सरी में सत्संग, भजन और भंडारा होगा। कार्यक्रम सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक चलेगा।

सदर अस्पताल रांची के रक्त अधिकोष ने सम्मान समारोह का किया आयोजन

रांची : रक्त अधिकोष सदर अस्पताल, रांची ने मंगलवार को सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक संजय लाटकर शामिल हुए। उन्होंने रक्तदान महादान के अनेकों फायदे बताए। उन्होंने कहा कि सभी संस्था को ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में ब्लड की आवश्यकता पड़ सकती है। लाटकर ने कहा कि रक्त बैंक का स्टाफ यह सुनिश्चित करता है कि आपका रक्तदान एक अच्छा अनुभव हो, ताकि आप बार-बार रक्तदान करने वाले व्यक्ति बन सकें। ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अपने जीवन में 25-100 से ज्यादा बार रक्तदान किया है। योग्य दाता की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उसकी जीवनशैली स्वस्थ होनी चाहिए। शरीर का वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम से अधिक होना चाहिए। उन्होंने 81 संस्थानों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ बिमलेश सिंह, डॉक्टर एस प्रसाद डॉक्टर अखिलेश झा, डॉक्टर स्टीफन खेश, डॉक्टर, दो रंजु सिन्हा एमओआईसी ब्लड बैंक, डीपीएम प्रवीण सिंह, दो ईशानी एमओआईसी बुड़मू आदि मौजूद रहे।

युवेंट्स 2024 : एनयूएसआरएल रांची में संस्कृति और प्रतिभा का भव्य उत्सव

रांची : नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची के सांस्कृतिक क्लबद्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव युवेंट्स 2024 का आज समापन हो गया। यह तीसरा संस्करण था जो 24 से 26 नवंबर 2024 तक भव्यता के साथ यूनिवर्सिटी कैंपस कांके में संपन्न हुआ। इस वर्ष उत्सव ने एक नई उपलब्धि हासिल की 15 से अधिक कॉलेजों की भागीदारी के साथ, युवेंट्स 2024 ने प्रतिस्पर्धा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक अद्भुत मंच प्रस्तुत किया। तीन दिवसीय इस आयोजन ने संगीत, नृत्य, नाटक, कला और चित्रकला का शानदार मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसने छात्रों, शिक्षकों और आगंतुकों को सांस्कृतिक एकता का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शानदार उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों की ऊर्जा और उत्साह ने माहौल को गर्मजोशी से सराबोर कर दिया शाम को हार्मनी बैंड द्वारा एक शानदार बैंड परफॉर्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरा दिन रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन करते हुए ऊर्जा से भरपूर रहा। सोलो सिंगिंग, पेंटिंग, बेस्ट फ्रॉम वेस्ट, पोस्टर मेकिंग और कविता लेखन जैसी प्रतियोगिताओं ने प्रतिभागियों की कलात्मकता और नवाचार को उजागर किया।

एक नजर

बालू के अवैध खनन को लेकर विभाग ने दो ट्रैक्टर किया जब्त

बोकारो : बोकारो उपायुक्त के निदेशानुसार पिंडराजोरा थानांतर्गत सोनाबाद क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया गया जिसमें अवैध रूप से स्टोन चिप्स का प्रेषण करते हुए 1 ट्रैक्टर को पकड़ा गया जिसे पिण्डराजोड़ा थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी। इसी क्रम में सेक्टर 12 थानान्तर्गत सेक्टर 12 सी के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर को पकड़ा गया जिसे सेक्टर 12 थाना को सुपुर्द किया गया। उक्त अभियान में खान निरीक्षक, सीताराम टुडू, एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

सीओ ने क्रशर प्लांट एवं पत्थर खदान का किया निरीक्षण

साहिबगंज: तालझारी अंचल क्षेत्र के सकरीगली गदवा पहाड़ में मंगलवार को तालझारी सीओ राम सुमन प्रसाद ने क्रेशर प्लांट एवं पत्थर खदानों का निरीक्षण किया। सीईओ राम सुमन प्रसाद ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मदन कांत, संजय यादव सहित और तीन क्रेशर प्लांट एवं खदानों का निरीक्षण किया और मौके पर सभी के कागजातों की जांच पड़ताल की। सभी कागजात सही पाए गए। वहीं उन्होंने बताया कि इसी दौरान सकरीगली में बने बंदरगाह का भी अवलोकन किया एवं बंदरगाह बनने से पूर्व वहां बसे लोगों को सकरीगली पाडरकोला में बसाए गांव का भी निरीक्षण किया गया।

जिला क्रिकेट अंडर - 16 टूर्नामेंट में असगार्जियन ने 5 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को संत जेवियर स्कूल बी बनाम असगार्जियन्स के बीच मैच खेला गया। असगार्जियन ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। संत जेवियर स्कूल बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.2 ओवर में 113 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सूरज राज ने 25 व दिव्यांशु 16 रनों की पारी खेली। असगार्जियन के गेंदबाज ध्रुव राज ने 4, अभिज्ञान व अभिषेक ने 2-2 विकेट लिए। असगार्जियन ने 13.2 ओवर में 5 विकेट पर 114 रन बना कर 5 विकेट से मैच जीत लिया। अभिषेक ने 21, कुश ने 40 व प्रिंस ने 18 रनों की पारी खेली। संत जेवियर बी के गेंदबाज सूरज राज ने 2 विकेट लिए। असगार्जियन के खिलाड़ी ध्रुव राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया।

समरसता का प्रतीक स्नेह-मिलन : साध्वी झा

बोकारो : आधुनिक समाज में जहां एक ओर समाज क्या परिवार भी अलग-थलग होकर टूटने बिखडने की कगार पर है, वहीं दूसरी ओर संकल्प सृजन के क्रिया-कलाप व संस्कार समाज के विभिन्न वर्गों के मध्य सेतु का काम करते हुए समरस समाज का निर्माण करने में सफल है। समरसता का एक सुंदर उदाहरण व प्रतीक है स्नेह- मिलन। उक्त बातें डॉ० साध्वी झा, महासचिव, संकल्प सृजन, झारखंड प्रदेश ने 26 नवंबर को बोकारो के सोनाटॉंड स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित स्नेह- मिलन समारोह के दौरान बतौर मूख्य वक्ता कहे। अतिथियों द्वारा दीप मंत्र उच्चारण के साथ भारत माता चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। केंद्र संरक्षिका उषा सिन्हां अपने अपने सुपौत्र कुमार प्रत्युष प्रीयम की 5वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर शिशु सृजन वाटिका के बच्चों के बीच फल, मिठाई, पठन-पाठन सामग्री, खिलौने भेंट करते हुए बच्चों को पढने-लिखने और चरित्रवान बनने की ओर प्रेरित किया।

संविधान के प्रति निष्ठा रखना हम सब का कर्तव्य : प्रधान जिला जज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भारतीय संविधान की शक्ति उसके उद्देश्य उसमे वर्णित सामाजिक, आर्थिक न्याय की परिकल्पना समझने का इससे अच्छा अवसर कोई नहीं हो सकता ऐसे तो हम रोज संविधान के प्रावधानों के तहत ही काम करते हैं। परंतु वर्ष में एक दिन ऐसा भी होता है जिसमें हम अपने संविधान के प्रति निष्ठा प्रकट करने के लिए एक जगह एकत्रित होते इसी कारण आज हम लोगों ने संविधान की शपथ ली है और उसके प्रस्तावना को पढा है। उक्त बातें मंगलवार को धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने संविधान दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में धनबाद के तमाम न्यायिक पदाधिकारी, विधिक स्वयंसेवक, सिविल कोर्ट कर्मचारी, बार एसोसिएशन के अधिवक्ता और उपस्थित अधिकारियों ने संविधान के प्रस्तावना को न्यायाधीशों के संग पढा और संविधान में अपनी निष्ठा प्रकट की। न्यायाधीश तिवारी ने सभी से संविधान के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने की अपील की।वहीं बार एसोसिएशन में भी अधिवक्ताओं ने संविधान की शपथ ली और प्रस्तावना को पढा। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने कहा कि संविधान दिवस के अवसर विभिन्न स्कूलों मे जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है जिसके तहत स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता, पेंटिंग आयोजित की जाएगी जिसमें बच्चे मौलिक अधिकारों के संबंध में अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश टी हसन, लेबर जज प्रेमलता त्रिपाठी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, स्वयंभू, एसएन मिश्रा, प्रभाकर सिंह, पारस कुमार सिन्हा, संजय कुमार सिंह कुलदीप मान, राकेश कुमार, नीरज कुमार विश्वकर्मा, साकेत कुमार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, अवर न्यायाधीश निताशा बारला, एस ए नायर, ऐंजोलिना जोन, सत्यभामा, एम जेड तारा, सिविल जज श्वेता कुमारी, निर्भय प्रकाश, संतोषनी मुर्मू, रजिस्ट्रार आई जेड खान, धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहाय, महासचिव जितेंद्र कुमार समेत एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल नीरज गोयल, सुदीप कुमार, नाजिर अनिल कुमार, अमित तिर्की, संजय रक्षित, सतिश कुमार, कुमार अरविंद, अनूप सहाय, शाकिब, रणधीर कुमार, समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

ईस्ट बसुरिया में फंदे से लटका मिला महिला का शव, पति गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

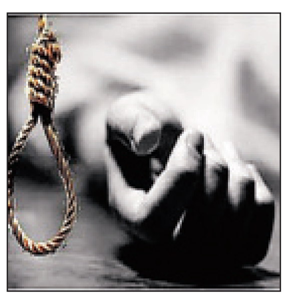

धनबाद : ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र की रंगुनी बस्ती में पूरण दत्ता की पत्नी शिल्पी कुमारी का शव कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे पंखा से लटका मिला। घटना की सूचना पाकर शिल्पी कुमारी का भाई गोड्डा निवासी प्रीतम कुमार सोमवार को रंगुनी बस्ती पहुंचा और घटना की जानकारी ली। प्रीतम कुमार ने आरोप लगाया कि बहनोई पूरण दत्ता ने ही उसकी बहन की हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया। पुलिस ने आरोपी पति पूरण दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। मृतका शिल्पी कुमारी के भाई प्रीतम कुमार ने बताया कि दस दिन पहले ही वह बहन को छोड़ने के लिए रंगुनी बस्ती आया था। तब उसके पूरण दत्ता ने उसे काट कर फेंकने की धमकी दी थी। ईस्ट बसुरिया पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। बताया गया कि मृतका शिल्पी कुमार के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा सात साल का है, जबकि बेटी ढाई साल की है। ईस्ट बसुरिया ओपी प्रभारी रूपेश कुमार दुबे ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा।

पुलिस को बड़ी चुनौती, विभिन्न इलाकों में चोरों ने चोरी की घटनाओं को दिया अंजाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

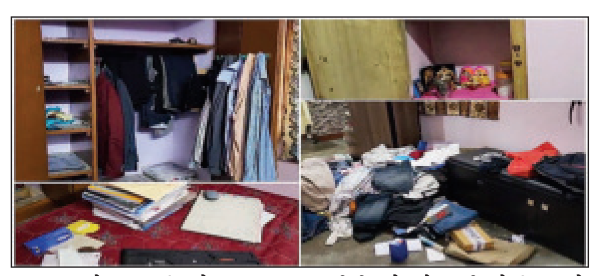

बोकारो : चुनाव प्रक्रिया संपन्न होते-होते बोकारो पुलिस को चोरों से चुनौती मिलनी शुरू हो गई। पिछले 6 दिनों में चंदनकियारी, चास के बाद चोरों ने सोमवार की रात को सेक्टर 4 एफ में एक क्वार्टर ताजा घटना को अंजाम दिया। मंगलवार सुबह जब बीएसएल अधिकारी गरुण जयसवाल अपनी ड्यूटी ऑफ कर सेक्टर 4 तथा एफ स्थित अपने आवास (4080) पहुंचे, तो क्वार्टर का ताला टूटा हुआ पाया। तरुण जयसवाल के अनुसार सोने के जेवरात, नगदी समेत करीब साढ़े तीन लाख का सामान चोरी चली गई। चोर ग्रिल व दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसे थे। जहां अलमीरा का लॉक तोड़कर, उसमें रखे लगभग साढ़े तीन लाख रुपए मूल्य का सोना चांदी का गहना व नगद लेकर फरार हो गए। बीएसएल अधिकारी गरुण जयसवाल ने बताया कि सोमवार रात करीब 9:20 बजे बोकारो इस्पात संयंत्र में रात्रि पाली ड्यूटी के लिए क्वार्टर से निकले। मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे घर लौटा। घर की ओर बढ़ा तो ग्रिल में लगा ताला कटा हुआ दिखा। दरवाजे से भी ताला गायब था। अंदर जाकर देखा तो अलमारी व गोदरेज का लॉक टूटा हुआ पाया। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने बोकारो इस्पात संयंत्र ऑफिसर्स एसोसिएशन अध्यक्ष को इसकी सूचना दी। इससे पूर्व शुक्रवार को चास थाना क्षेत्र अंतर्गत वंशीडीह मोड़ के समीप से दिनदहाड़े स्वर्ण दुकानदार का करीब 20 लाख का ज्वेलरी लेकर चंपत हो गया। घटना को दिन के 11 बजे अंजाम दिया गया। इस बीच दो अपराधी बाइक से आकर आए। देखते ही देखते अपराधी आंखों से ओझल हो गये दोनों अपराधियों की तस्वीर दिनेश ज्वेलरी शॉप के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस जिले की सीमा को सील कर अपराधियों की धर-पकड़ में जुट गई है। लेकिन तब तक पुलिस को सफलता नहीं मिली।

संविधान देश के मौलिक कानून, सिद्धांतों और शासन के ढांचे का प्रतीक है : शम्भु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संविधान दिवस के अवसर पर सेल एससी - एसटी इम्पलाइज फेडरेशन ने शम्भु कुमार बोकारो यूनिट ने अध्यक्ष सह फेडरेशन केन्द्रीय कमिटी सदस्य की अध्यक्षता में संविधान पर कार्यक्रम का आयोजन जयपाल नगर स्थित आसस विद्यालय, बोकारो स्टील सिटी में फेडरेशन के सदस्यो एवं विद्यालय के छात्रो के साथ किया। संचालन राकेश कुमार उपकोषाध्यक्ष ने किया । कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब डॉक्ट भीम राव अंबेडकर एवं जयपाल सिंह मुंडा, संविधान सभा के सदस्य के तैलीय चित्रो पर पुष्पांजली किया गया तत्पश्चात संविधान का प्रस्तावना पढ़ा गया। शम्भु कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान देश के मौलिक कानून के रूप में हमारे मूल्यों, सिद्धांतों और शासन के ढांचे का प्रतीक है। यह भारत की सर्वोच्च विधि के रूप में भूमिका निभाता है, तथा राज्यों के कामकाज का भी मार्गदर्शन करता है। संविधान के द्वारा नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को भी सुनिश्चित किया जाता है। बतौर मुख्य अतिथि कुन्दन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, नगर प्रशासन ने कहा कि संविधान ही ऐसा है ग्रंथ है जो समता और संप्रभुता की बात करती है। विशिष्ट अतिथि डॉक्ट बिभूति भूषण करुणामय, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी, बोकारो जेनरल अस्पताल, डॉक्ट आर के गौतम, संयुक्त निदेशक बीजीएच, योगो पूर्ति समाजसेवी ने भी संविधान पर वक्तव्य दिया। उन्होने कहा कि भारत का संविधान सभी वर्ग के हितों का संरक्षण और सभी भारतीयों के कल्याण की उदात्त भावना से लिखी गई है।

बोकारो जिला राजद ने नवनिर्वाचित विधायकों का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर आए राष्ट्रीय जनता दल के विधायक गण का स्वागत अभिनंदन रांची प्रदेश कार्यालय में फूल गुलदस्ता देकर बोकारो जिला राजद के जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव के नेतृत्व में किया गया। जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव अबकी बार राष्ट्रीय जनता दल से सभी निष्ठावान समर्पित नेता जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं हम सभी राजद के कार्यकताओं को उम्मीद है कि इस बार के सरकार गठन में राष्ट्रीय जनता दल को उचित प्रतिनिधित्व एवं मान सम्मान मिलेगा और झारखंड का चौमुखी विकास होगा। स्वागत करने वालों में प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी महानगर अध्यक्ष रामजीत यादव युवा राजद प्रदेश महासचिव जितेंद्र नारायण यादव जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष विष्णु भगवान युवा नेता उमेश तिवारी बेरमो प्रखंड अध्यक्ष नरेश यादव शैलेश पाठक आदि मिलकर सभी को शुभकामना दिया।

राष्ट्रीय तीरंदाजी चैम्पियनशिप ट्रायल के लिए आठ सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों का किया गया चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला तीरंदाजी संघ ने इस वर्ष की एनटीपीसी सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए जिले से सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों को चुनने के लिए हाल ही में सीनियर जिला ट्रायल आयोजित किया। जिला ट्रायल में चयनित शीर्ष प्रतिभाएं अब 1 और 2 दिसंबर, 2024 को रांची में राज्य ट्रायल में भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि रांची राज्य ट्रायल में बोकारो का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए शीर्ष 7 तीरंदाजों को ई एस एल तीरंदाजी अकादमी में कोचिंग मिलती है। बोकारो जिला तीरंदाजी संघ ने हाल ही में ई एस एल स्टील लिमिटेड के सियालजोरी प्लांट परिसर के अंदर स्थित वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी में सीनियर डिस्ट्रिक्ट ट्रायल्स का उद्देश्य जिले के सभी तीरंदाजों को एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना और आगामी राज्य ट्रायल्स में बोकारो जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं की पहचान करना था। भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की भागीदारी के लिए जिले की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को चुनने के लिए ट्रायल्स आयोजित किए गए थे और इसमें सेल-बोकारो तीरंदाजी अकादमी, चंदनकियारी डे बोर्डिंग सेंटर, अंजेला तीरंदाजी अकादमी और वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी जैसी तीरंदाजी अकादमियों के 25 से अधिक प्रतिभाशाली तीरंदाजों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इसके अलावा कुछ व्यक्तिगत प्रतियोगियों ने भी ट्रायल्स के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन किया। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल ने बोकारो जिले में तीरंदाजों की बढ़ती क्षमता को प्रतिबिंबित किया और इन प्रतिभागियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया क्योंकि उन्होंने असाधारण सटीकता और कौशल का प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान भाग लेने वाले तीरंदाजों के बीच सौहार्द, खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखी गई। वेदांत ईएसएल तीरंदाजी अकादमी में आयोजित और बोकारो जिला तीरंदाजी संघ द्वारा संचालित सीनियर जिला ट्रायल में रांची में राज्य ट्रायल में बोकारो जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए 4 लड़कों और 4 लड़कियों का चयन किया गया। लड़कों की टीम में वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी से राहुल महतो, कुलदीप महतो और चितरंजन टुडू और अंजेला तीरंदाजी केंद्र से अमित सिंह शामिल हैं। जबकि लड़कियों की टीम में कृतिका कुमारी, प्रिया कुमारी, गंगा कुमारी और बानी मुंडा शामिल हैं। जिनमें से सभी वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

संविधान दिवस पर संकल्प एजुकेशन फाउंडेशन ने पाठ्य सामग्री का किया वितरण

धनबाद : संकल्प एजुकेशन फाउंडेशन के द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय मध्य विद्यालय महावीर अंगारपथरा के छात्र-छात्राओं के बीच शिक्षण सामग्री किताब कॉपी कलम का वितरण किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षा ही परिवर्तन का वाहक होता है। शिक्षा के बिना योग्यता नहीं आती। शिक्षा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। शिक्षक न केवल बच्चों की शैक्षिक योग्यता को निखारते हैं बल्कि उन्हें करियर से संबंधित निर्णय लेने में भी मदद करते हैं। बच्चों को सही जानकारी देकर उन्हें अपने फैसले समझदारी से लेने के लिए प्रेरित करते हैं। एक अच्छे शिक्षक की तरह माता-पिता भी बच्चों को शुरू से ही सही मार्गदर्शन दें, सही समय पर किया गया प्रयास बच्चों के सपने को उड़ान देने में सफलता की ओर ले जाने में मदद करता है। मौके पर शिक्षक वासुदेव कुमार दास, कृष्ण कुमार सिंहा, मंगेश कुमार शर्मा, राजेश कुमार सिंह, संगीता कुमारी, प्रदीप पासवान, लखन भैया, दीपक कुमार साव आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

45 छात्रों की एक टीम उत्तराखंड के सात दिवसीय शैक्षिक यात्रा पर जाने के लिए तैयार

धनबाद : झारखंड के विभिन्न जिलों के 45 छात्रों का एक दल 28 नवंबर, 2023 से उत्तराखंड की सात दिवसीय सांस्कृतिक और शैक्षिक यात्रा पर जाने के लिए तैयार है। यह पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत आयोजित युवा संगम (चरण श) का हिस्सा है, जो भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य राष्ट्र के युवाओं के बीच संपर्क को बढ़ावा देना है। इस यात्रा को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के स्कोलोमिन क्लब में एक समारोह के दौरान झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, जहां छात्रों के साथ छह समन्वयक होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य प्रतिभागियों को उत्तराखंड का एक अद्भुत अनुभव प्रदान करना है, जिसे देवभूमि या देवताओं की भूमि के रूप में भी जाना जाता है, जो इसके लुभावने परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। यात्रा कार्यक्रम में भगवानपुर, सिडकुल, हरिद्वार, ऋषिकेश, पतंजलि गांव, कोटद्वार, लैंसडाउन और देहरादून जैसे प्रमुख स्थानों का दौरा शामिल है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मैथेमेटिक्स और कम्प्यूटिंग विभाग के प्रो. संजीव साहू और युवा संगम (चरण 5) के लिए झारखंड राज्य समन्वयक ने कहा टीम 28 नवंबर को ट्रेन से धनबाद से प्रस्थान करेगी, 29 नवंबर को आईआईटी रुड़की पहुंचेगी, जहां वे 30 नवंबर को भगवानपुर और सिडकुल की औद्योगिक यात्रा में भाग लेंगे। 1 दिसंबर को, छात्र हरिद्वार और ऋषिकेश के आध्यात्मिक स्थानों का पता लगाएंगे, जिसमें पतंजलि गांव की यात्रा भी शामिल है, जहां वे विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ जुड़ेंगे पतंजलि गांव में एसएचजी सदस्यों को पारंपरिक और हर्बल दवाओं के साथ-साथ योग का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक समझ और सहयोग को और बढ़ाना है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद को युवा संगम के तहत इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व है, जिसमें चयनित प्रतिभागियों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र शामिल हैं, साथ ही साथ झारखंड के विभिन्न जिलों के एनसीसी, एनएसएस, खेल और कला में शामिल ऑफ-कैंपस युवा शामिल हैं, जिनमें देवघर, दुमका, गोड्डा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, गुमला, खूंटी, रांची, गढ़वा, पलामू, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला खरसावां और जामतारा शामिल हैं।

75वें संविधान दिवस पर बोकारो कोर्ट में भव्य समारोह का हुआ आयोजन

बोकारो: मंगलवार को बोकारो कोर्ट परिसर में बोकारो के वरीय अधिवक्ता एम एल ओझा ने संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर जी के तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। अपने संबोधन में अधिवक्ता ओझा ने कहा कि आज के दिन है 26 नवंबर 1949 को भारत में संविधान अंगीकार किया गया था। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ता रणजीत गिरि ने वहा उपस्थित अधिवक्तावो को संविधान के मूल प्रस्तावना का पाठ करवाया। गिरि ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत में संविधान को लागू हुए 75 वर्ष हो गए उसके उपलक्ष्य में हम सभी एक वर्ष तक संविधान के प्रति जागरूकता के लिए जन जागरण अभियान चलाने का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा ताकि संविधान के बारे में लोग अपने अधिकार को जाने। अधिवक्ता अतुल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर बीरेंद्र प्रसाद महतो, रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, विष्णु चरण महाराज, राणा प्रताप शर्मा, अरूप चक्रवर्ती, काली पद मांझी, गुरु चरण रजवार, मो हरीश, श्रीमती वीणा रानी, भुवनेश्वर प्रसाद, शंकर कुमार महतो, प्रफुल्ल कुमार सिंह, दीपिका सिंह,रीना कुमारी, दीप्ति सिंह, मो हसनैन आलम, वंशिका सहाय, विकास प्रजापति, अंकित ओझा, राज श्री, संजीत कुमार सिंह, संदीप कुमार सिंह, संदीप पूर्ति, रवि कुमार, अशोक कुमार यादव, निखिल कुमार दे, समेत सैकड़ो अधिवक्ता शामिल थे।

चैनपुर प्रखंड में संविधान दिवस का हुआ आयोजन

चैनपुर: चैनपुर प्रखंड कार्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा की अध्यक्षता में प्रखंड सभागार में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में प्रखंड एवं अंचल कर्मी उपस्थित होकर संविधान के उद्देशिका के प्रति अपने निष्ठा और समर्पण की शपथ ली। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने कहा कि संविधान हमारे देश का मूलभूत कानून है, जो हमें हमारे अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में बताता है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि संविधान दिवस का उद्देश्य हमारे देश के संविधान के महत्व को समझना और उसका पालन करना है। उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए और उसके अनुसार काम करना चाहिए। इस अवसर पर प्रखंड और अंचल कर्मियों ने संविधान दिवस का शपथ लिया। उन्होंने कहा कि वे संविधान के अनुसार काम करेंगे और अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि संविधान दिवस का आयोजन हमें अपने देश के संविधान के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए और उसके अनुसार काम करना चाहिए। इस आयोजन में प्रखंड और अंचल कर्मियों ने भाग लिया और संविधान दिवस का शपथ लिया। यह आयोजन हमें अपने देश के संविधान के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। मौके पर बीपीआरओ संदीप टेटे, बानेश्वर भगत, संदीप उरांव सहित कई लोग उपस्थित थे।

एक नजर

मुरी पुलिस ने शरारती तत्व को भेजा जेल

मुरी : मंगलवार के दिन मुरी पुलिस ने एक शरारती तत्व बूढ़ेश्वर महतो उर्फ बुचा महतो को जेल भेजा। उक्त व्यक्ति के द्वारा झारखण्ड मोड़ पर स्थापित किया गए झारखण्ड के प्रतिष्ठित महापुरुष स्व0 निर्मल महतो के प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ किया गया और साथ ही राजनीतिक पार्टी के झंडा के साथ अनैतिक कार्य किया गया जिससे कारण क्षेत्र के अंतर्गत धार्मिक एवं सामाजिक भावना को ठेस पहुंचने का प्रयास भी किया गया। जिससे विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की प्रबल संभावना बढ़ गई थी। मुरी पुलिस प्रशासन द्वारा त्वरित करवाई करते हुए उक्त उपद्रवी को न्यायिक हिरासत मे भेजा गया एवं पुलिस प्रशासन द्वारा बताया गया कि अगर किसी व्यक्ति के द्वारा समाज एवं क्षेत्र के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया जाता है तो अविलम्ब उसके ऊपर कानूनी करवाई की जाएगी।

एसबीयू में मनाया गया संविधान दिवस

रांची : संविधान दिवस के अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने भारतीय संविधान की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारा संविधान न केवल विश्व का सबसे लंबा संविधान है, अपितु इसमें हमारे देश का सामाजिक और आर्थिक न्याय का ध्येय समानता और स्वतंत्रता के साथ जुड़ा हुआ नजर आता है। संविधान की प्रस्तावना का जिक्र करते हुए उन्होंने इसके आवश्यक अंग बुनियादी कर्तव्यों और अधिकारों की भी चर्चा की। माननीय प्रभारी कुलपति एस. बी. डांडीन ने संविधान पर आधारित कानून के पालन पर जोर दिया।

लोकतंत्र के रक्षकों पर हमला कर रहे झामुमो-कांग्रेस के गुंडे : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी आज बरहेट (साहेबगंज) के दौरे पर थे। उन्होंने बरहेट के भाजपा प्रत्याशी गामालियन हेंब्रम के समर्थन में वोट करने वाले ईमाम मिर्जा सहित अन्य से मुलाकात की तथा उनके घर पर झामुमो व कांग्रेस के गुंडों के द्वारा हुए पथराव की जानकारी ली। मरांडी ने घटना की तीव्र भर्त्सना करते हुए कहा कि आज संविधान दिवस है। भारत का संविधान लोकतंत्र का सुरक्षा कवच है लेकिन कांग्रेस और झामुमो सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र के रखवालों पर हमला कर रहे। इमाम मिर्जा के घर पर सिर्फ इसलिए पथराव किया गया क्योंकि, उसने भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट किया। कहा कि आंखों को बंद करने से खतरा नहीं जाएगा, अरे वो देखना पड़ेगा जो देखा नहीं जाएगा। झारखंड लव-जिहाद लैंड-जिहाद के बाद अब पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है। हाल यह है कि पत्थर चलाए जा रहे हैं। लाठी मारी जा रही है। घर तोड़े जा रहे हैं। वोट देने के आधार पर जनता को पीटा जा रहा है। मरांडी ने कहा कि ऐसी ही घटना ग्राम मोहम्मदपुर, जिला साहिबगंज में सामने आई है, जहां ईमाम मिर्जा को सिर्फ इसलिए पीटा गया, धमकाया गया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। क्योंकि, उसने अपना विश्वास भारतीय जनता पार्टी पर जताया था, वोट कमल के फूल पर दिया था। परिणाम आते ही जेएमएम पार्टी के गुंडे भाजपा समर्थित कार्यकताओं और वोटरों को पीट रहे हैं। गांव से बेदखल करने की धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके हाथ में मुख्यमंत्री से लेकर थाना प्रभारी सभी हैं। इसलिए उनके कुकृत्यों के लिए कोई उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज के लिए बेड की व्यवस्था को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : मंगलवार को को एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) पार्टी के बैनर तले, सौ बेड वाला अनुमंडलीय अस्पताल चांडिल को अभिलंब चालू करने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था करने की मांग को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल की अनुपस्थिति में बड़ा बाबू कृष्ण पैतण्डी को एक ज्ञापन सोपा गया। मौके पर पार्टी के अनुमंडल सचिव अनंत कुमार महतो ने कहा की कि हमारे चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में सरकारी स्वास्थ्य सेवा की स्थिति बहुत ही दयनीय है। लगभग चार लाख आबादी वाले इस क्षेत्र के आम जनमानस को चिकित्सा हेतु बंगाल तथा दूसरे जिले जमशेदपुर रांची आदि बड़े शहरों में जाना पड़ता है। जो काफी दूर होने के कारण जमशेदपुर , रांची जाते समय रास्ते में ही कई गर्भवती माताओं व रोगियों की रास्ते में ही मौत हो जाती है। इस क्षेत्र के आबादी काफी गरीब होने के कारण पैसों के अभाव के कारण दूसरे शहरों में इलाज करना संभव नहीं हो पता। जिससे रोगियों की असमय मृत्यु हो जाती है। यहां के गरीब जनताओं को इलाज हेतु बाहर जाने के कारण अपनी जमीन को बेचना पड़ रहा है। इसीलिए हम मांग करते हैं कि अभिलंब 100 बेड वाला अनुमंडलीय अस्पताल को चालू किया जाए तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांडिल में मरीज के लिए बेड की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम में उपस्थित साथीः आशुदेव महतो, रघुनाथ महतो, भुजंग मछुआ, धीरेन गोड़, हराधन महतो आदि।

तालझारी थाना परिसर में संविधान दिवस मनाया गया

साहिबगंज : जिला अंतर्गत तालझारी थाना में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर तालझारी थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने सभी पदाधिकारियों व जवानों के साथ संविधान की शपथ ली। इस दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए गए संविधान के तहत ही हमलोग भी पुलिस की नौकरी में कानून के तहत काम करते हैं। अगर हम ही संविधान का उल्लंघन करेंगे तो संविधान का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। हम सभी संविधान के अंतर्गत आने वाले सभी काम को बखूबी करते हैं।

खूंटी में पहली प्रेमिका की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जरियागढ़ थाना क्षेत्र के भगवान पांज टोंगरी में 24 नवंबर को एक युवती के मिले नरकंकाल की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने उसके प्रेमी जरियागढ़ थाना क्षेत्र के जोजोदाग गांव निवासी नरेश भेंगरा को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। तोरपा के एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि युवती नरेश भेंगरा के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही थी। मूल रूप से वह रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र के मालगो टंगरा टोली गांव की रहने वाली थी। नरेश का ननिहाल भी उसी गांव में था। ननिहाल आने जाने के दौरान युवती और नरेश में प्रेम हो गया। कुछ दिनों के बाद युवती भी जोजोदाग आकर नरेश के साथ लिव इन रिलेशन में रहने लगी। लगभग डेढ़ साल साथ रहने के बाद युवती काम करने के लिए तामिलनाडु के त्रिपुर चली गई और नरेश बेगलुरू में काम करने लगा। इसी दौरान नरेश का प्रेम संबध एक अन्य युवती के साथ हो गया और दोनों से एक पुत्र भी हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि पहली प्रेमिका को मामले की जानकारी मिली तो वह बेगलुरू आ गई और छह नवंबर को नरेश गांगी उसे लेकर हटिया स्टेशन आ गया। वहां से आठ नवंबर की शाम को नरेश उसको लेकर जोजोदाग के लिए निकला लेकिन वह गांव के पास ही भगवान पांज टोंगरी पर ले गया। बाद में युवती ने कहा कि वह जब दूसरी लड़की के साथ रह रहा है, तो उसे अपने गांव मालगो पहुंचा दे और जो पैसे उसने दिये हैं, उसे लौटा दे। इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और लड़की के दुपट्टे से नरेश ने उसका गला घोंटकर मार डाला। बाद में उसने टांगी और अन्य हथियार से शव के कई टुकड़े कर डाले और शरीर के टुकड़े को दफना दिया और गांव के पास तालाब में नहा धोकर घर चला गया।

विधानसभा में भाजपा को वोट देने के बाद प्रताड़ित हो रहे लालटू शेख

भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी उनके घर पहुंच न्याय का दिलाया भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पतना प्रखंड अंतर्गत यूं तो लोकतंत्र में मतदान करना आम जनता का संवैधानिक अधिकार है, ऐसे में किस पार्टी को वोट किया गया ना तो यह किसी को पूछने का अधिकार है और अगर कोई जवाब ना दे तो यह उसकी निजता भी है। लेकिन यदि किसी पार्टी विशेष को वोट देने पर यदि पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट, दबंगई तथा उसे जान से मारने की धमकी दी जाए तो ऐसे में समझा जा सकता है कि कानून व्यवस्था क्या कर रही है? चुनाव के दौरान किस पार्टी को मतदान करना है किसे नहीं यह प्रत्येक नागरिक का व्यक्तिगत अधिकार है, ऐसा ही कुछ मामला पतना प्रखंड अंतर्गत मोहब्बत पुर का है, जहां के निवासी लालटू शेख ने बीते विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना मतदान किया था। जिस कारण से स्थानीय महबूब शेख, मजरुल शेख, मुस्तफा शेख, आशिक शेख, शमीम शेख समेत कुछ अन्य व्यक्तियों ने लालटू शेख के साथ मानसिक प्रताड़ना शुरू कर दी और उन्हें धमकी देते हुए कहा कि चुंकि तुमने भारतीय जनता पार्टी को वोट किया है इसीलिए तुम्हें गांव से बाहर कर दिया जायेगा।

व्यवहार न्यायालय में संविधान दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संविधान दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार ने आज व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से करेंगे और संविधान कि प्रस्तावना कि मूल भावना का पालन करेगें। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम धीरज कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय बिरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार, सीनीयर सिविल जज राजेश श्रीवास्तव, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, लोक अभियोजक आनंद चौबे चीफ लीगल एड डिफेन्स कौसिल अरविन्द गोयल और उनकी टीम न्यायालय कर्मी, पारा लीगल वॉलिंटियर्स आदि थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि इस अवसर पर प्रत्येक प्रखंडों और विद्यालयों में पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा बच्चों एवं आम जनमानस को भी संविधान की प्रस्तावना को दोहराया गया। लीगल एड डिफेन्स कौंसिल सह न्याय रक्षक अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव और ज्योति कुमारी द्वारा पीएम युपीजी सरकारी हाई स्कूल नगरपालिका, नया टोला, पुरानी साहेबगंज के विधार्थियों को भी संविधान कि प्रस्त्वाना को दोहराया एवं बताया गया तथा निबंध, चित्रांकन, स्लोगन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज प्रतियोगिता के विजेता ग्रुप ए के विजेता कोमल कुमारी, नेहा कुमारी, अनीता कुमारी, द्वितीय पुरस्कार मेघा कुमारी तृतीय पुरस्कार संजना कुमारी को प्रदान किया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

ई–टेन्डर रेफरेंस नं0–प0नि0वि0 / सिमडेगा / 12 / 2024–25 दिनांक–26.11.2024

1.	कार्य का नाम	सिमडेगा–सेवई–किनकेल–कुरडेग–कुटुनाकच्छार छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ के कि.मी. 2,3,4,5,6,51,52,53,54,55,62 एवं 63 वें को छोड़कर कि.मी. 0.00 से 63.20 में साधारण मरम्मति कार्य।
2.	प्राक्कलित राशि (रूपया में)	155.00 लाख (एक करोड़ पचपन लाख) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	04.12.2024 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से।
5	ऑनलाईन निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	10.12.2024 को दोपहर 12.00 बजे तक।
6.	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	11.12.2024 को अपराह्न 12.30 बजे तक।
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा–835223
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	82358–16924
9.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

नोट :– 1. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
2. विशेष जानकारी के लिये http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी जवाबदेही आपकी होगी।
5. पथ प्रमण्डल, सिमडेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 एवं 2023–24 गैर–योजना मद अंतर्गत अपूर्ण कार्य करने वाले संवेदकों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी"।

कार्यपालक अभियंता
PR 340396 Simdega(24-25)#D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल सिमडेगा

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, रामगढ़ Annexure 1

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0 निविदा संख्या–**WRD/MID/RAMGARH F2 - 12/2024-25** 2nd Call

दिनांक–26.11.2024

1	योजना का नाम	DMFT न्यास परिषद् से अनुमोदन के द्वारा स्वीकृत योजनाएँ
2	विज्ञापन दाता का नाम	कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।
3	ई0 निविदा वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि	28.11.2024 2:00 बजे अपराह्न
4	ई0 निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	04.12.2024 5:00 बजे अपराह्न
5	ई0 निविदा खुलने की तिथि एवं समय	06.12.2024 2:00 बजे अपराह्न
6	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0/ई–मेल	कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़। मो0–06553–231173 eemidramgarh24408@gmail.com

क्र0	प्रखण्ड	पंचायत/ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
12/12	Gola	Saragdih	Construction of Boudary wall at High School, Dimra, Saragdih, Gola	2772300	5000	06 (छ) माह

नोट– केवल ई0 निविदा ही स्वीकार की जायेगी
प्रकाशित निविदा के प्राक्कलित राशि में घट बढ़ सकती है।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट–Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़
PR 340452 (Minor Irrigation)24-25*D

कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी

आम सूचना
राष्ट्रीय लोक अदालत संबंधित आवश्यक सूचना
दिनांक 14–12–2024
स्थान:– व्यवहार न्यायालय परिसर, खूंटी
समय–10:30 बजे
निःशुल्क, सुलभ एवं त्वरित न्याय के लिए

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, खूंटी के प्रागंण में दिनांक– 14–12–2024 को समय 10:30 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त अवसर पर निम्नलिखित मामलों की निपटारा सुलह–समझौता के आधार पर समाप्त किया जाएगा।

1. सभी प्रकार के दिवानी मामले	10. वाहन दुर्घटना से संबंधित मामले
2.. सुलहनीय अपराधिक मामले	11. बिजली विभाग से संबंधित मामले
3. बैंक सर्टिफिकेट केस	12. वन विभाग से संबंधित मामले
4. वैवाहिक पारिवारिक मामले	13. माप तौल विभाग से संबंधित मामले
5. श्रम संबंधित मामले	14. चेक बाउन्स से संबंधित मामले
6. भू – अधिग्रहण से संबंधित मामले	15. विवाद पूर्व निस्तारण योग्य मामले
7. राजस्व संबंधित मामले	16. दूरभाष संबंधित मामले
8. खनन संबंधित मामले	17. सेवा संबंधित मामले
9. परिवारिक विवाद	18 अन्य सुलहनीय मामले

राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तर्गत प्री कोन्सीलिएशन सीटींग 29.09.2024 से 13.12.2024 तक व्यवहार न्यायलय खूंटी में किया जा रहा है। उक्त प्री कोन्सीलिएशन सीटींग में उपस्थित होकर प्रतिदिन 11:00 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक पक्षकार अपने वादों का निपटारा सुलह–समझौता के आधार पर समाप्त करा सकते हैं एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के अन्तिम दिन 14.12.2024 को भी व्यवहार न्यायालय खूंटी में उपस्थित होकर अपने वादों का निष्पादन करा सकते हैं।

इस संबंध में किसी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु आप किसी भी कार्य दिवस को 11:00 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे अपराह्न तक व्यवहार न्यायालय, खूंटी में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी के कार्यालय में आकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी अथवा उनके दूरभाष सं0 8789697778 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अमन कुमार, पुलिस अधीक्षक,खूंटी–सह सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी
लोकेश मिश्रा, उपायुक्त,खूंटी–सह उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी
रसिकेश कुमार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूंटी

निवेदक
श्रीमति राजश्री अपर्ना कुजूर
सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी
PR 340403 Law(24-25).D

Government of Jharkhand
Department of School Education and Literacy
(Jharkhand Education Project Council, Ranchi)
JSCA Stadium Road, Sector- III, Dhurwa, Ranchi-834004
Phone: 0651-2444501, E-Mail: jepcranchi1@gmail.com

e-Procurement Notice – 2nd Call

JEPC invites Separate Technical & Financial Bids through e-procurement method from eligible and interested contractors registered in appropriate class for Strengthening and Infrastructure Development of District Institute of Education and Training (DIET) located in Seraikela-Kharsawan District of Kolhan Division of Jharkhand. Interested and eligible bidders are requested to submit their proposal latest by 2:00 PM on 11.12.2024.

The details of tender documents can be seen and applied through website https://jharkhandtendenders.gov.in only. Tender notification & Tender document can also be seen (read only purpose) from departmental website https://jepc.jharkhand.gov.in.

Ref. No.: JEPC/CIV/03/716/2022/4417
Ranchi, Date : 26 .11.2024

Sd/-
(Shashi Ranjan)
State Project Director
Jharkhand Education Project Council
PR 340410 Jharkhand Education Project Council (24-25)_D

Government of Jharkhand
Department of School Education and Literacy
(Jharkhand Education Project Council, Ranchi)
JSCA Stadium Road, Sector- III, Dhurwa, Ranchi-834004
Phone: 0651-2444501, E-Mail: jepcranchi1@gmail.com

e-Procurement Notice – 3rd Call

JEPC invites Separate Technical & Financial Bids through e-procurement method from eligible and interested contractors registered in appropriate class for Construction of Boundary Wall in 02 Existing Schools located in Giridih District of North Chotanagpur Division of Jharkhand. Interested and eligible bidders are requested to submit their proposal latest by 2:00 PM on 10.12.2024.

The details of tender documents can be seen and applied through website https://jharkhandtendenders.gov.in only. Tender notification & Tender document can also be seen (read only purpose) from departmental website https://jepc.jharkhand.gov.in

Sd/-
(Shashi Ranjan)
State Project Director
Jharkhand Education Project Council
Ref. No.: JEPC/CIV/03/725/2022/Part II/ 4414 Ranchi, Date: 26 .11.2024
PR.NO.340421 Jharkhand Education Project Council(24-25):D

कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा।

अति अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–05 / 2024–25
(Second Call)

वित्तीय वर्ष 2023–24 में 15वें वित्त आयोग आबद्ध / अनाबद्ध निधि के अंतर्गत प्राप्त आवंटन के तहत् स्वीकृत क्रमांक–07 में वर्णित कार्य के लिए झारखण्ड सरकार के समुचित श्रेणी में निविदा की शर्त–1 के अनुसार जिला परिषद कोडरमा में निबंधित संवेदकों से F_2 प्रपत्र पर मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. विज्ञापनदाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद्, कोडरमा।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–04.12.2024 (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक)
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक–06.12.2024 (अपराह्न 03:00 बजे तक)
4. निविदा खुलने की तिथि :– दिनांक–06.12.2024 (अपराह्न 04:00 बजे)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– जिला परिषद् कार्यालय, जि0ग्रा0वि0शा0भवन, कोडरमा।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– जि0ग्रा0वि0शा0सभागार, कोडरमा।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप संख्या	एक्टिविटि क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	89680267	प्रखण्ड कोडरमा के कोलगरमा आर0ई0ओ0 रोड से वासुदेव सिंह घर तक पी0सी0सी0 सड़क निर्माण	338700.00	7000.00	750.00	03 माह
02	89679781	प्रखण्ड डोमचांच के कुन्डीधनवार चोण्डी आर0ई0ओ0 रोड चोण्डी तक पी0सी0सी0 सड़क निर्माण	638600.00	13000.00	1250.00	03 माह
03	89679636	प्रखण्ड डोमचांच कुण्डीधनवार नीमाडीह मदन सिंह होटल के पास चबूतरा निर्माण	508700.00	10500.00	1250.00	03 माह
04	88394735	प्रखण्ड डोमचांच के बच्छेडीह लकड़ाही तालाब में धुलाई घाट निर्माण	531100.00	11000.00	1250.00	03 माह
05	88394369	प्रखण्ड कोडरमा के बेकोबार उत्तरी के ग्राम बिच्छीपहरी शिवमंदिर से रीतलाल राणा के घर तक नाली निर्माण	785800.00	16000.00	1250.00	03 माह
11	88389470	प्रखण्ड डोमचांच के पंचायत मधुबन के ग्राम सिमरिया में संतोष यादव घर से मिथिलेश मेहता के घर तक 500 फीट नाली निर्माण	960000.00	20000.00	1250.00	03 माह
12	88389430	प्रखण्ड मरकच्चो के ग्राम पंचायत कादोडीह के ग्राम गगरेसिंघा में उमेश यादव के घर से युनुस मियां के घर तक आर0सी0सी0 नाली निर्माण ढक्कन सहित 500 फीट	1133800.00	23000.00	2500.00	03 माह
14	88389114	प्रखण्ड सतगावां के पंचायत कटैया के ग्राम कटैया में ब्रहमदेव यादव के घर से राजेन्द्र यादव के घर तक नाली का निर्माण	327600.00	7000.00	750.00	03 माह
15	88385101	प्रखण्ड सतगावां के पंचायत खुट्टा के ग्राम गाजेडीह में जवाहर महतो के घर से गांगो चौधरी के घर तक नाली निर्माण	533500.00	11000.00	1250.00	03 माह
16	88389230	प्रखण्ड चंदवारा के 10+2 उच्च विद्यालय जयपुर कांको में शौचालय निर्माण	750000.00	16000.00	1250.00	03 माह

निविदा की शर्ते www.koderma.nic.in एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखें।

जिला अभियंता, जिला परिषद्, कोडरमा।
PR 340336 (Panchayati Raj) 24-25 (D)

भाजपा के हिंदुत्व पर भारी पड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड

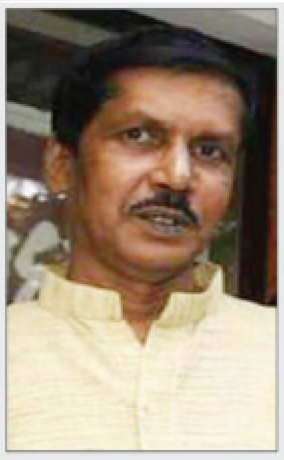

कुमार कृष्णन

इस चुनाव में हाल के वर्षों में राजनीति व पूंजीपतियों के नये उभरे समीकरण के चलते इस क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। इस बार भाजपा पूरे जोश के साथ झारखंड का चुनाव जीतने के लिये वैसी ही आमादा दिखी, जैसी वह छत्तीसगढ़ और ओडिशा में थी जहां उसने जीत दर्ज करने के लिये सारे पैंतरे लगाये और सफलता पायी थी। झारखंड में आदिवासी वोट निर्णायक होते हैं। झारखंड में एक तिहाई से ज्यादा (28) अनुसूचित जनजाति सीटें हैं। आबादी का 26 फीसदी हिस्सा आदिवासी है। 21सीटों में आदिवासियों की आबादी कम से कम एक लाख है। इन सीटों पर झामुमो की अच्छी पकड़ है। भाजपा इसे तोड़ने में सफल नहीं रही।

वनाच्छादित, खनिज संपदा से भरपूर और आदिवासी बहुल झारखंड के अब तक के राजनीतिक इतिहास में यह पहला मौका है, जब जनता ने लगातार दूसरी बार किसी दल को सत्तासीन होने का जनादेश दिया है। यहां इंडिया गठबंधन ने 81 सीटों में से 56 सीटें जीतीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 24 सीटों पर सिमट गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सबसे अधिक सीटें (34) हासिल कीं, जबकि कांग्रेस ने 16, राष्ट्रीय जनता दल ने 4 और सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीतीं। वहीं, दूसरी तरफ तीन सीट के नुकसान के साथ भाजपा ने 21, दो के नुकसान के साथ एजेएसयू ने एक सीट हासिल की। पहली बार एक सीट जेडीयू के खाते में गई। इनके अन्य सहयोगियों को भी दो सीटों का नुकसान हुआ, उन्हें केवल एक सीट मिली। वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2019 में झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को 30, भाजपा को 25, कांग्रेस को 16, जेवीएम को तीन तथा एजेएसयू को दो और आरजेडी को एक सीट मिली थी। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन सरकार बनाने का दावा पेश कर चुके हैं। 28 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

इस चुनाव में हाल के वर्षों में राजनीति व पूंजीपतियों के नये उभरे समीकरण के चलते इस क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। इस बार भाजपा पूरे जोश के साथ झारखंड का चुनाव जीतने के लिये वैसी ही आमादा दिखी, जैसी वह छत्तीसगढ़ और ओडिशा में थी जहां उसने जीत दर्ज करने के लिये सारे पैंतरे लगाये और सफलता पायी थी। झारखंड में आदिवासी वोट निर्णायक होते हैं। झारखंड में एक तिहाई से ज्यादा (28) अनुसूचित जनजाति सीटें हैं। आबादी का 26 फीसदी हिस्सा आदिवासी है। 21सीटों में आदिवासियों की आबादी कम से कम एक लाख है। इन सीटों पर झामुमो की अच्छी पकड़ है। भाजपा इसे तोड़ने में सफल नहीं रही। इस बार झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह, अमित शाह ने 16, योगी आदित्यनाथ ने 14 सभाएं कीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने तो झारखंड में ही डेरा डाल रखा था।

भाजपा के कई धुरंधर नेताओं ने झारखंड में धुआंधार प्रचार किया। संथाल परगना क्षेत्र में घुसपैठ को लेकर भाजपा काफी आक्रामक रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तो यहां तक कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनाइए, घुसपैठियों को उल्टा लटका देंगे। उन्होंने घुसपैठियों को ही झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस का वोट बैंक बताया। जमशेदपुर में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वोट और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने चंपई सोरेन और सीता सोरेन के अपमान को आदिवासियों का अपमान बताया।

भाजपा ने ₹बंटोगे तो कटोगे₹ का नारा देकर घुसपैठ की चर्चा करते हुए हिंदुत्व कार्ड खेला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए नारे बंटोगे तो कटोगे को भाजपा के नेताओं ने इस चुनाव में खूब उछाला। यह नारा बीजेपी के लिए नुकसानदेह ही साबित हुआ। वहीं, इंडिया गठबंधन की तरफ से राहुल गांधी की छह सभाओं के अलावा लगभग पूरा जोर हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने ही लगाया। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने स्टार प्रचारक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, उन्होंनें पचीस दिनों तक यहां कैंप कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में धुआँधार प्रचार किया, तो हेमंत सोरेन ने पूरी ईमानदारी से गठबंधन धर्म का पालन किया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी योजनाओं की चर्चा के साथ आदिवासी कार्ड खेला। झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड भाजपा के हिंदुत्व कार्ड पर भारी पड़ गया। आदिवासियों का भरोसा गुरुजी शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन पर ही रहा। झारखंड में हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति भी काफी प्रभावी रहा। हेमंत सोरेन अपने चुनाव प्रचार के दौरान लगातार यह संदेश देने की कोशिश करते रहे कि आदिवासी चेहरे को कुचलने के लिए किस तरह उन्हें गलत तरीके से जेल में डाला गया। इसमें वे कामयाब भी रहे। कई विधानसभा सीट पर 40 प्रतिशत से अधिक आदिवासी मतदाता हैं। वे एकजुट होकर उनके पक्ष में खड़े हो गए।

हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन सामने आईं और जहां-जहां गईं, वहां उन्होंने पति के साथ ज्यादती की बात समझाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान मंईयां सम्मान योजना की राशि दो हजार से बढ़ाकर प्रतिमाह 2, 500 रुपये करने की चर्चा भी उन्होंने खूब की। कल्पना ने सरना धर्म कोड की भी बात की और यह भी कहा कि बीजेपी ने नेता बाहर के हैं, वे हमारी भाषा-संस्कृति तक नहीं जानते। ये भला हमारे लिए क्या नीतियां बनाएंगे। अपने सहज व सरल अंदाज से खासकर महिलाओं से संवाद करने में वे सफल रहीं। वे गांडेय सीट से चुनी गई हैं। महिलाओं की कल्याणकारी योजनाओं का भी असर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पक्ष में गया। बेरोजगार महिलाओं के लिए मासिक सहायता, स्कूली लड़कियों को मुफ्त साइकिल, अकेली महिलाओं को नकद सहायता जैसी योजनाओं ने आदिवासी और कमजोर वर्ग की महिलाओं को झारखंड मुक्ति मोर्चा के पाले में लाने का काम तो किया ही, इसके साथ मंईयां सम्मान योजना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं को सालाना 12, 000 रुपये देने वाली इस योजना तथा सर्वजन पेंशन योजना ने हेमंत के पक्ष में संजीवनी का काम किया। फिलहाल झारखंड की करीब पचास लाख से अधिक महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत 2, 000 रुपये प्रतिमाह की मदद दी जा रही है। चुनाव के पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस राशि को बढ़ाकर 2, 500 रुपये कर दिया था। जबकि, गोगो दीदी योजना के तहत भाजपा ने 2, 100 रुपये प्रतिमाह देने का वायदा किया था। बिजली बिल माफ करना भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए फायदेमंद साबित हुआ। सरकार बनने पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने का भी वादा किया गया।

आदिवासियों की भाजपा से नाराजगी की कई वजहें रहीं। पहली यह कि वे जानते हैं कि भाजपा की नजरें यहां की खनिज-सम्पन्न जमीनों और जंगलों पर हैं जिन्हें वह अपने कारोबारी मित्रों को देना चाहती है। फिर, जब यहां भाजपा शासन था और रघुबर दास मुख्यमंत्री थे, उस दौरान 2016 में छोटा नागपुर किरायेदारी अधिनियम और संथाल परगना अधिनियम में बदलाव की कोशिशें की गयीं जिनका सीधा नुकसान आदिवासियों को होने वाला था। सितंबर 2012 में बनी झारखंड सरकार की ऊर्जा नीति अक्टूबर 2016 में बदल दी गई।

इसके प्रावधानों में मामूली संशोधन किए गए और रघुबर दास की कैबिनेट ने उस पर मुहर लगा दी। इससे पहले झारखंड की भाजपा सरकार ने कोई सर्वे नहीं कराया और न किसी विशेषज्ञ कमेटी ने उसे ऐसा करने की सलाह दी। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड विकास मोर्चा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रघुबर दास की सरकार ने अपनी ऊर्जा नीति एक समूह को फायदा पहुंचाने के लिए बदल दी। ₹सरकार ने कई स्तरों पर गड़बड़ी की, न केवल ऊर्जा नीति बदली बल्कि जमीन की कीमत के निर्धारण, जनसुनवाई और पर्यावरण सुनवाई में भी फर्जीवाड़ा किया गया। एनटीपीसी, डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) और नेशनल ग्रिड से तो सरकार बिजली खरीदती ही है। अदाणी समूह के झारखंड से बाहर स्थित प्लांट से 400 मेगावॉट बिजली खरीदने से भी सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ेगा। ये भाजपा के नकारात्मक पक्ष थे।

चुनाव में आदिवासियों के वोट लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह समेत सारी भाजपा उन्हें यह कहकर डराती रही कि कांग्रेस-झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार आई तो उनकी जमीनें ह्यघुसपैठियेह्न हड़प लेंगे। यह डर झारखंड के साथ पश्चिम बंगाल के आदिवासियों को भी दिखाया जाता रहा। भाजपा के अनुसार ये बांग्लादेशी घुसपैठिये होंगे। उसका दावा है कि भाजपा की सरकार बनी तो आदिवासियों की जमीनों को हड़पने से रोकने के लिये कानून लाया जायेगा; जबकि आदिवासी जानते हैं कि उपरोक्त उल्लिखित दोनों अधिनियम इस मामले में पर्याप्त सक्षम है इसलिये इन इलाकों में भाजपा की सभाएं भी फीकी रहीं।

घुसपैठ का डर दिखाकर भाजपा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का पुराना खेला कर रही थी ताकि हिन्दू-मुस्लिम कार्ड खेला जा सके, तो वहीं वह आदिवासियों को हिन्दू बतलाकर उसे वैमनस्य के खेल में एक पार्टी बना रही है। अमित शाह ने सरायकेला विधानसभा के आदित्यपुर की सभा में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा -कांग्रेस की सरकार आदिवासियों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने जा रही है। ह्न उनके अनुसार भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। चंपई सोरेन के प्रति सम्मान दिखाकर आदिवासियों के वोट पाने का भी प्रयास भाजपा ने किया तभी तो शाह कह रहे थे कि ह्यझारखंड मुक्ति मोर्चा ने चंपई सोरेन का अपमान किया है।

यहां ध्रुवीकरण की कोशिशों के साथ साथ अब केन्द्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी भी हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता गणेश चौधरी पर आयकर का जो छापा पड़ा बकौल कल्पना सोरेन ह्यचंपई सोरेन के इशारे पर हो रहा है। ह्न रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह में ये छापे मारे गये जिसका मकसद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े लोगों को डराना था। सोरेन सरकार में मंत्री मिथिलेश ठाकुर, उनके भाई विनय और सचिव हरेन्द्र सिंह के ठिकानों पर अक्टूबर के मध्य में ही ईडी द्वारा छापेमारी हुई थी। इसके बावजूद हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति लहर रही जिन्हें जेल में डालना यहां के लोगों के लिये ह्यझारखंडी अस्मिता पर हमलाह्न था। स्पष्टतः भाजपा एक तरफ आदिवासियों को मुस्लिमों का डर दिखाकर वोट लेना चाहती थी, तो वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं को छापों से डराकर चुनाव जीतने के हथकंडे अपनाए, जो नाकाम रहे।

जिस संथाल परगना क्षेत्र के लिए बंटोगे तो कटोगे का नारा गढ़ा गया, वहां की 18 सीट में से केवल एक जरमुंडी सीट बीजेपी जीत पाई। हिंदू वोटरों को एकजुट करने के लिए दिए गए इस नारे ने मुस्लिमों का ध्रुवीकरण कर दिया और उन्होंने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान कर दिया।

ह्यमाटी पुत्रों की पार्टीह्न वाली छवि के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का इस पर बोलबाला है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर बने इस प्रदेश का प्रारम्भिक इतिहास राजनैतिक अस्थिरता तथा व्यापक भ्रष्टाचार का रहा लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री के रूप में न केवल स्थिरता दी बल्कि जमीनी स्तर पर भी जमकर काम किया। आदिवासियों के उत्थान हेतु वे बतौर मुख्यमंत्री बेहद सक्रिय रहे। राज्य के सर्वांगीण विकास के अलावा वे जल, जंगल व जमीन पर स्थानीयों के हकों की लड़ाई लड़ते रहे। इसलिये वे भाजपा की आंखों में खटकते रहे। उन्होंने इस राज्य में भाजपा का ह्यऑपरेशन लोटसह्न नाकाम कर दिया। कथित जमीन घोटाले में जब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से छापे डलवाकर कई माह तक जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया था, तब उनकी जगह पर बिठाये गये चंपई सोरेन के जरिये भाजपा ने सरकार गिराने की कोशिश की। जेल से बाहर आने पर जब उन्होंने अपना पद वापस सम्हाला तो चंपई सोरेन ने अपने कथित अपमान से नाराज होकर दल छोड़ दिया। फिर वे भाजपा में चले गये जहां हेमंत की भाभी सीता सोरेन पहले से आ चुकी थीं। इनके जरिये सरकार गिराने की भाजपायी कोशिशें भी नाकाम रहीं।

हेमंत सोरेन की यह जीत आदिवासीयत की एक बहुत बड़ी जीत है। उनके खिलाफ इडी, सीबीआई, मोदी, शाह, शिवराज, हेमंता, योगी सहित न जाने कितने दिग्गज नेता लगे थे। अब इस बड़ी जीत को हेमंत सोरेन को भरपूर सम्मान देना होगा, जनता की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना होगा और भाजपा को इस हार को विनम्रता से स्वीकार करना होगा।

संपादकीय

उकसावे की राजनीति

पश्चिमी उप्र के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा और तीन लोगों की मौत वाकई चिंता की बात है। पुलिस के आंसू गैस के गोले छोड़ने व लाठी चार्ज के बावजूद उग्र भीड़.ने कई गाड़ियों को फूंक डाला तथा पुलिस बल पर पथराव किया। इसमें पुलिस वालों समेत तकरीबन बीस लोग घायल भी हो गए। ज्ञात है कि स्थानीय अदालत के आदेश के बाद जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का काम शुरू किया गया था। स्थानीय मंदिर के महंत का दावा है कि जिस जगह जामा मस्जिद है, वहां पहले हरिहर मंदिर था। उसी याचिका पर अदालत ने वीड़ियो व फोटोग्राफी समेत रिपोर्ट जमा कराने का आदेश दिया था। पथराव के आरोप में दो महिलाओं समेत पंद्रह लोगों को हिरासत में लिया गया। मामले में याचिकाकर्ता के वकील ही वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद मामले में भी वकील हैं। इससे समझा जा सकता है, इन लोगों की मंशा लंबी कानूनी लड़ाई की है। हालांकि इन लोगों का दावा है कि सर्वे का काम पूरा हो चुका है। दूसरे, सर्वे के दौरान मस्जिद कमेटी के सदस्यों समेत उनके वकील भी मौजूद थे। घटना से पहली रात में सारा सर्वे शांतिपूर्ण निपट चुका था। स्थानीय अधिकारियों को अंदेशा है, भीड़.किसी उकसावे के बाद जमा हुई। यह मस्जिद कब बनी, इसे लेकर भी विवाद है। इतिहासकारों के अनुसार इसकी मरम्मत का काम बाबर द्वारा कराया गया था। क्योंकि इसकी निर्माण शैली मुगलकालीन नहीं है। संभावनाएं हैं कि यह तुगलक काल में बनी हो। फिलहाल यह संरक्षित इमारत पुरातत्व सर्वे की निगरानी में है पर यह विवादित स्थल है। कुछ समय पहले हिन्दू समुदाय यहां जबरन पूजा करने भी जा चुका है, परंतु पहली बार मामला अदालत में ले जाने को राजनीतिक विवाद बनाकर सुर्खियां समेटने का काम अधिक लगता है। मस्जिद के सामने की तरफ हिन्दू तो पिछवाड़े. मुसलमानों की बस्ती है। जहां हमेशा नियमित नमाज पढ़ी जाती रही है। मामूली विवाद बने रहने के बावजूद कभी इस तरह का कोई तनाव नहीं हुआ। अयोध्या में विवादित स्थान पर मंदिर बनने के बाद से राजनीतिक लाभ के लोभ में इसे फॉमूले के तौर पर प्रयोग किए जाने की मंशा अधिक लग रही है। राज्य सरकार या विपक्ष को यह शोभा नहीं देता। शांति-व्यवस्था बनाए रखने और सभी नागरिकों को सुरक्षा देने का जिम्मा निभाने में उसे कोताही नहीं बरतनी चाहिए। इस तरह के धार्मिक विवादों से देश की छवि बिगड़ती है।

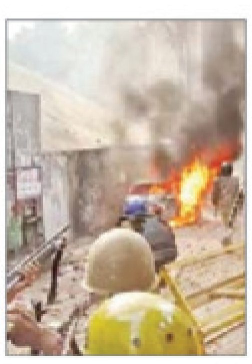

सूक्ति

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

जो कर्म छोड़ता है वह गिरता है, कर्म करते हुए भी जो उसका फल छोड़ता है वह चढ़ता है। - महात्मा गांधी

पाकिस्तान में इमरान के लिए प्रदर्शन और राजनीतिक संकट

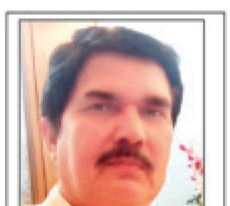

डॉ हिदायत अहमद खान

पाकिस्तान में राजनीतिक संकट खड़ा हो जाना आश्चर्यजनक बात नहीं है। फिलहाल दुनियां में जिस तरह की उथल-पुथल मची हुई है, उस स्थिति में पाकिस्तानी आवाम का सड़कों पर उतर आना वाकई चिंता की बात है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहा किए जाने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन अपने चरम पर है। हिंसक प्रदर्शन के बीच करीब 6 लोगों की मौत होने की भी खबर है। यह प्रदर्शन देश ही नहीं बल्कि पड़ोसी मुल्कों समेत अमेरिका तक को सोचने पर मजबूर कर रहा है। पड़ोसी देश इसलिए चिंतित होते हैं क्योंकि पाकिस्तान में हिंसा होने के बाद सीमा पर घुसपैठ जारी हो जाती है। इससे निपटने के लिए सीमा पर अलर्ट रहना होता है। बहरहाल पाकिस्तान में इमरान समर्थक बड़ी संख्या में सड़क पर उतर कर सरकार के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) कार्यकताओं ने आंदोलन को असरकारी बनाने के लिए इस्लामाबाद कूच किया, इससे हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आई हैं। इमरान की पत्नी बुशरा बीबी पहले ही ऐलान कर चुकी हैं कि पति की रिहाई तक इस्लामाबाद में जमी रहेंगी। इससे जनता और सरकार में टकराव की स्थिति बनती जा रही है। इसके चलते शहबाज सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर इस्लामाबाद को रेड जोन घोषित कर प्रदर्शनकारियों को हद में रहने का संदेश दे दिया है। रेड जोन एरिया में प्रधानमंत्री आवास, संसद और दूतावास समेत महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों को शामिल किया गया है। पाकिस्तानी सेना की तैनाती कर दी गई है और सरकार ने आदेश जारी किया है कि अगर किसी प्रदर्शनकारी को रेड जोन के अंदर देखा गया तो उसे गोली मार दी जाएगी। खास बात यह है कि मौजूदा प्रदर्शन के दौरान करीब 30,000 से ज्यादा इमरान समर्थक राजधानी में मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के हिंसक होने की वजह से कई स्थानों पर झड़पें भी हुई हैं, और इसमें जहां करीब आधा दर्जन लोगों के मारे जाने की खबर है तो वहीं एक पुलिसकर्मी की मौत की भी खबर आई है। ऐसे में कब स्थिति विस्फोटक हो जाए कहा नहीं जा सकता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले साल से ही रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने जेल के अंदर से ही 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन के लिए करो या मरो का आह्वान किया था। इसी के साथ ही इमरान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सरकार ने संविधान का उल्लंघन किया है। उन्होंने 26वें संशोधन को तानाशाही शासन को बढ़ावा देने वाला बताया। इस समय इमरान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से कुछ में उन्हें दोषी भी ठहरा दिया गया है, जबकि कुछ मामलों में सुनवाई जारी है। ऐसे में जारी विरोध प्रदर्शनों का पाकिस्तान के सियासी हलके में खासा असर देखने को मिल रहा है। फिलहाल प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य इमरान की रिहाई है, लेकिन कब यह वर्तमान सरकार को सत्ता से हटाने वाला बन जाए कहा नहीं जा सकता है। यही वजह है कि पंजाब और इस्लामाबाद में पुलिस ने पीटीआई के 3500 से ज्यादा नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई का प्रदर्शन पर उल्टा ही असर पड़ा है। यही वजह है कि गिरफ्तारियों के बावजूद, प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखे हुए हैं। प्रभावी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए अब अमेरिका ने भी पाकिस्तान सरकार को नसीहत देनी शुरू कर दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में प्रदर्शन करने वालों के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। बात साफ है कि जब प्रदर्शन शांतिमय ढंग से हो रहा है तो उन पर जोर-जबरदस्ती करने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि सरकार को चाहिए कि वह प्रदर्शनकारियों से बात-चीत के रास्ते खोले, जैसा कि अमेरिका ने पाकिस्तान से अपील की है।

मुद्दा : प्रदूषण से चाहिए मुक्ति

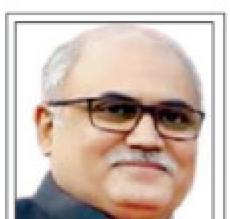

रजनीश कपूर

जब भी कभी हम विदेशों की सड़कें और राजमार्गों पर फर्राटे से दौड़तीं गाड़ियों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सड़कों के हाल बेहाल है। राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षों में सड़कों व राजमार्गों के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं। दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में मृत्यु हुई थी तो सड़क नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सड़क का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं? क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सड़क सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सड़क दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सड़क नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सड़क व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी। वे जागरूक होंगे और नियम तोड़ने से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सड़क और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सड़कों पर और राजमार्गों पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगजाहिर है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईंधन भी कम खर्च होता है।

सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ियों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है। ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, 'मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढ़कर एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

लखनऊ में लव जिहाद, नाबालिग से रेप

पहले वाराणसी, फिर सूरत लेकर गया, चारबाग में छोड़कर भागा

लखनऊ । 13 साल की बच्ची को अपने प्यार में फंसाकर घर से भगा ले जाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी किशोरी को वाराणसी ले जाकर एक होटल में रुका, जहां उसके साथ रेप किया। उसके बाद सूरत ले गया। पुलिस की दबिश बढ़ी तो चारबाग स्टेशन छोड़कर भागने की फिराक में था। इससे पहले पुलिस ने दबोच लिया। नाका पुलिस परिजनों की शिकायत के बाद से उसकी तलाश कर रही थी। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी बच्ची को लेकर सूरत चला गया था। पुलिस की टीम ने सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर उसको पकड़ा। नाका इंस्पेक्टर वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी आमिर 18 नवंबर को कक्षा आठ में पढ़ने वाली किशोरी को भगा ले गया। परिजनों का आरोप था कि आरोपी स्कूल से आते-जाते बेटी का पीछा करता था। उसने धर्म और जाति छिपाकर बेटी को अपनी बातों में फंसाकर घटना को अंजाम दिया। आमिर ने पुलिस पूछताछ में बताया

कि वह किशोरी को लखनऊ से पहले वाराणसी ले गया। जहां एक होटल में रहा। यहां किशोरी के साथ रेप किया और विरोध पर धमकाता था। उसके बाद उसको लेकर सूरत चल गया। दूसरी तरफ आरोपी के फोन की सर्विलांस की मदद से सूरत लोकेशन मिलने पर एक टीम भेजी गई थी। इसी बीच आमिर 24 नवंबर को युवती को लखनऊ छोड़ने आया था। पुलिस के डर से चारबाग से पहले ही ट्रेन से उतर गया। बाद में टीम ने उसकी तलाश और तेज कर दी। 26 नवंबर को उसको ऐशबाग रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि आरोपी युवक अपने पिता के साथ सिलेंडर डिलीवरी का काम करता था। इस दौरान बच्ची के सम्पर्क में आ गया था। इसके बाद से उसको फॉलो कर रहा था। लव जिहाद विरोधी विधेयक में धर्म परिवर्तन और बहला-फुसलाकर शादी करने पर उम्रकैद की सजा का प्रावधान है। धर्म परिवर्तन के लिए कोई भी व्यक्ति किसी को जान या संपत्ति का भय दिखाता है, बल का प्रयोग करता, शादी का दबाव बनाता है तो उसे भी आजीवन कारावास और जुमार्ने की सजा भुगतनी होगी।

किसान सभा ने की फामूर्ला सी 2+50 प्रतिशत पर एमएसपी कानून बनाने की मांग

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश किसान सभा की जिला इकाई के पदाधिकारी जिला मुख्यालय रविन्द्र नगर धुस पहुंचे और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कुशीनगर की अनुपस्थिति में उपजिलाधिकारी को सौंपकर फसलों के लिए फामूर्ला सी 2+50 प्रतिशत पर एमएसपी कानून बनाने की मांग की। मंगलवार को किसान सभा के जिलाध्यक्ष कामरेड मोहन गोंड़ व माकपा जिला सचिव कामरेड अयोध्या लाल श्रीवास्तव के नेतृत्व में किसान जिला मुख्यालय पहुंचे। कामरेड

श्रीवास्तव ने कहा कि एनडीए की तीसरी सरकार की नीतियों से किसानों व मेहनत कश लोगों को संकट का सामना करना पड़ रहा है। अपने दिए 11 सूत्रीय ज्ञापन में सभा ने मांग किया कि अनाज का लाभकारी मूल्य दिलाया जाय। किसानों का कर्ज माफ करने, तीनों कृषि कानून वापसी के समझौते को लागू करने, नीलगाय व आवारा पशुओं से बचाव व बर्बाद फसलों का मुआवजा देने, फसल अवशेष नष्ट करने का निःशुल्क वकारगर उपाय करने, बकाया गन्ना मूल्य भुगतान व गन्ना मूल्य 500 रुपये करने, खाद, बिज की कालाबाजारी रोकने, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने, नहरों की सफाई व हेड से टेल तक पानी देने, सरकारी संपत्ति का निजीकरण रोकने, साम्प्रदायिक शक्तियों पर रोक लगाने की मांग की गयी। इस अवसर पर शमसुद्दीन अंसारी, इन्द्रीश, कैलाश गिरी, राम प्रसाद गोंड़, सुभाष गोंड़, भुआली, कमालुद्दीन, सुरेश सिंह पटेल मौजूद रहे।

लखनऊ में गन्ना लदे ट्रक ने छात्र को कुचला

लखनऊ । बीकेटी में मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। गन्ना लदे ट्रक ने छात्र को कुचल दिया। ट्रक का पहिया सिर पर चढ़ने से छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। छात्र दोपहर में साइकिल से घर जा रहा था। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने रोड जाम कर दिया। कई थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंची है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेना चाहा तो ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। भाजपा विधायक योगेश शुक्ला भी ग्रामीणों को समझाने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सरकार द्वारा मदद का आश्वासन दिया और समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

शिव गुरु महोत्सव में दिया भगवान शिव का संदेश

गोरखपुर । फर्टिलाइजर ग्राउंड में मंगलवार को शिव शिष्य परिवार द्वारा आयोजित शिव गुरु महोत्सव में रांची से पहुंची दीदी बरखा आनंद ने शिव के संदेश के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर में किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। दीदी बरखा आनंद ने कहा, हम 2017 में भी गोरखपुर आए थे। तब और अब के गोरखपुर में काफी बदलाव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शहर ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनंद ने शिव के गुरु स्वरूप की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा, ह्रशिव केवल नाम के नहीं, काम के भी गुरु हैं। उनके औढरदानी स्वरूप से धन और संतान जैसे लाभ पाने की परंपरा है, लेकिन उनके गुरु स्वरूप से ज्ञान क्यों न प्राप्त किया जाए? ज्ञान के अभाव में किसी भी संपत्ति का उपयोग घातक हो सकता है। दीदी ने बताया कि शिव का शिष्य बनने के लिए किसी विशेष विधि, दीक्षा, या औपचारिकता की आवश्यकता नहीं है। केवल यह विचार करना कि शिव मेरे गुरु हैं ही शिष्यत्व की शुरूआत करता है। शिव शिष्य साहब श्री हरीन्द्रानन्द जी ने 1974 में शिव को अपना गुरु माना और 1980 के दशक तक यह विचार देश के विभिन्न हिस्सों में फैल गया। दीदी नीलम आनंद और साहब श्री हरीन्द्रानन्द ने जाति, धर्म, या समुदाय से परे मानव मात्र को शिव के गुरु स्वरूप से जोड़ने का आह्वान किया। महोत्सव में आसपास के इलाकों से हजारों लोग शामिल हुए। सभी ने शिव के गुरु स्वरूप को समझा और अपनाने का संकल्प लिया। दीदी बरखा के साथ अन्य वक्ताओं ने भी शिव के विचारों पर अपने विचार साझा किए।

बौद्ध संग्रहालय में संविधान दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ।मंगलवार को अज्ञेय स्मृति सभागार कुशीनगर में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य बक्ता विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र बीपीजी डॉ उमाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि संविधान हम भारतीयों के लिए प्रेरणादायक और स्वतंत्र भारत का आधुनिक धर्म ग्रंथ है जो भारत के प्रत्येक नागरिक का मार्गदर्शक है।

संविधान को देश के हर नागरिक ने अंगीकृत किया है इसलिए संविधान के वास्तविक संरक्षक हम भारतीय हैं। संविधान जहां एक ओर नागरिकों को सशक्त करता है। वहीं दूसरी ओर नागरिक भी अपने आचरण और व्यवहार से संविधान का संवर्द्धन और संरक्षण करते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अंतराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष भदंत डॉ0 नंदरत्न ने कहा कि संविधान दिवस केवल शासन और राजनीतिक दलों का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निमार्ताओं के योगदान के प्रति आभार के उत्सव के रूप में इसे मनाया जाए। अध्यक्षता बुद्ध इंटर कालेज कुशीनगर के प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय ने की। संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली गयी और समापन राष्ट्रगान से हुआ। सबका स्वागत एवं आभार संग्रहालय वरिष्ठ सहायक तेज प्रताप शुक्ला ने किया। संचालन पर्यटन सूचना अधिकारी डॉ प्राणरंजन ने किया। उक्त अवसर पर तरुण शुक्ला, धीरेंद्र मिश्रा, नसीरुद्दीन बेग, बिकास, चंदन उपस्थित रहे।

लखनऊ में दुल्हन के भाई-बहन को पीटा

लखनऊ । नशे में धुत बारातियों ने जमकर हंगामा कर दिया। लड़की के भाई और बहन की जमकर पिटाई कर दी। बारात बिना निकाह के ही लौट गई। लड़की के भाई दूल्हा पक्ष के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

मोहनलालगंज के निगोहां के भद्दी शीर्ष गांव में रायबरेली के बछरावां से बारात सोमवार दोपहर 2 बजे पहुंची। बारात का कार्यक्रम दुल्हन

आफरीन बनो के घर के बाहर रोड पर ही था। दूल्हे का बहनोई इरशाद और दूल्हे का भाई इरफान नशे में धुत होकर डीजे पर नाचने के लिए शोर मचाने लगे। दोनों के शोर मचाने पर दुल्हन के भाई शहजाद ने विरोध किया और समझाने की कोशिश की। इसपर दूल्हे के भाई और बहनोई ने दुल्हन के भाई और बहन गुलफ्शा बनो और चचेरी बहन अफसार जहां को गली देते हुए मारपीट करने लगे। बारात में शामिल महिलाओं और पुरुषों ने एक-दूसरे पर हमला बोल दिया। इस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया और शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। जिसके बाद बिना निकाह के ही बारात लौटा गई।

शव लेकर जा रही कार ट्रेलर में घुसी, 4 गंभीर

बस्ती । अयोध्या-गोरखपुर हाईवे पर मंगलवार को कार और ट्रेलर के बीच भीषण टक्कर हो गई। यह हादसा कप्तानगंज थाना क्षेत्र के गढ़हा गांव के पास हुआ, जब तेज गति से जा रहे एक ट्रेलर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसके चलते पीछे चल रही कार अनियंत्रित हो गई और ट्रेलर में घुस गई, जिससे कार में सवार चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कप्तानगंज

पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला। एंबुलेंस द्वारा सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया और गंभीर हालत को देखते हुए राजेंद्र लोध और कार चालक जयेश पाटिल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान सिद्धार्थनगर जिले के लोटन थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव निवासी राजेंद्र लोध, उनके दो पुत्र रामधनी और सुखराम, और कार चालक जयेश पाटिल (कल्याण भिवंडी, मुंबई) के रूप में हुई है। राजेंद्र लोध ने बताया कि वे 24 नवंबर को अपने दिवंगत बेटे का शव लेकर मुंबई से सिद्धार्थनगर के बिशुनपुर गांव जा रहे थे, लेकिन हाईवे पर ट्रेलर के अचानक ब्रेक लगाने से यह हादसा हो गया। कानून व्यवस्था इंस्पेक्टर राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि दुर्घटना में घायलों का उपचार किया जा रहा है और सभी की स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

डॉ आम्बेडकर को किया याद

बस्ती। जिले में संविधान दिवस पर सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां संविधान के निर्माण में डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका को प्रमुखता से बताया गया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र पांडेय ज्ञानू ने कहा, भारत में संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाया कि वह पुलिस और संवैधानिक संस्थाओं का सहारा लेकर संविधान की हत्या करने पर आमादा है।

पांडेय ने यह भी कहा कि आज डॉ. आंबेडकर की आत्मा रो रही है, क्योंकि देश सुरक्षित हाथों में नहीं है और संवैधानिक परंपराएं टूट रही हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता मोहम्मद रफीक खां, गंगा प्रसाद मिश्रा, लालजीत पहलवान, किसान कांग्रेस के अमित सिंह और अन्य नेता उपस्थित रहे।

बुद्धा पीजीः पुरातन छात्र हमारे गौरवः प्राचार्य

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर की पुरातन छात्र परिषद की एक बैठक मंगलवार को महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में संपन्न हुई।परिषद के संयोजक प्रो. विभ्राट चंद कौशिक ने सभी विभागाध्यक्षों से आगामी पुरा छात्र सम्मेलन के संबंध में सुझाव आमंत्रित किया तथा फरवरी

महीने के तृतीय सप्ताह में आयोजन का प्रस्ताव दिया , जिस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों से आग्रह किया कि आगामी 10 दिसंबर तक सभी अपने विभाग के पुरातन छात्रों की लिस्ट प्रदान कर दें, जिससे आयोजन की एक सुनिश्चित रूपरेखा तैयार की जा सके। बैठक में पुरा छात्रों के साथ अवकाश प्राप्त आचार्यों एवं पूर्व प्राचार्यों को भी आमंत्रित करने का सुझाव आया, जिस पर विचार करने की सहमति बनी। पूर्व की भांति इस सत्र में भी पुरा छात्र सम्मेलन को भव्य तरीके से आयोजित करने को लेकर सभी विभागाध्यक्षों ने पुरा छात्र परिषद को अपना सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि पुरातन छात्र हमारे गौरव हैं। उन्हें महाविद्यालय से जोड़ कर, सम्मानित करके हम अपने विद्यार्थियों को भी जीवन में बेहतर करने के लिए संदेश दे सकते हैं। उन्होंने पुरा छात्र परिषद को आयोजन की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। बैठक में प्रो. ब्रजेश कुमार सिंह, प्रो. हरिशंकर पांडेय, प्रो. रामभूषण मिश्र, प्रो. ज्ञान प्रकाश मंगलम, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. मनीष जायसवाल, डॉ. निरंकार राम त्रिपाठी,डॉ. आशुतोष तिवारी, डॉ. धनंजय ओझा, कृष्ण कुमार जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

कुशीनगर विधानसभा के पांच दर्जन गांवों के बदलेगें बिजली तार व पोल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विधायक कुशीनगर पीएन पाठक ने अधिक्षण अभियंता बिधुत वितरण खण्ड कसया कुशीनगर को एक पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र के पांच दर्जन से अधिक गांवों की जर्जर बिजली पोल और तार बदलने की मांग की है । बता दें कि विधायक श्री पाठक से क्षेत्रीय लोगों द्वारा विद्युत समस्या को लेकर लिखित मांग किया था जिसको संज्ञान में लेते हुए विधायक श्री पाठक ने अधिक्षण अभियंता कसया को पत्र लिखा है। विधायक श्री पाठक की पहल से बिजली की समस्या दूर होगी। विधायक श्री पाठक ने कहा कि पूरे विधान सभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य शिक्षा को सुदृढ़ किया जाएगा।

मिशन शक्तिः सुरक्षा, आत्मनिर्भरता को लेकर किया जागरूक

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के जौरा बाजार स्थित इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति योजना के तहत छात्राओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता को लेकर जागरूक किया गया। चौरा थाना के प्रभारी निरीक्षक विद्याधर कुशवाहा ने कहा कि आप सभी निर्भीक होकर विद्यालय आएं-जाएं। आपके साथ कोई समस्या हो तो तुरंत वूमेन हेल्पलाइन या 112 नंबर पर कॉल करें। आप निश्चिंत रहें, हम आपके साथ एक संरक्षक की तरह हर समय खड़े रहेंगे।प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने कहा कि मिशन शक्ति छात्राओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। छात्राओं की शिक्षा सुरक्षा और व्यक्तित्व विकास हम सभी का दायित्व है। इस मौके पर प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय, विजय उपाध्याय, धर्मेंद्र सिंह, सुनील दत्त तिवारी, अंशुमान चतुर्वेदी, इरशाद, संतोष गुप्ता, मथुरा तिवारी, अशोक तिवारी, अखिलेश मिश्रा, रविशंकर सिंह, महेंद्र यादव, प्रभात ,सुमन द्विवेदी, सिंपल उपाध्याय, अनुराधा सिंह, एसआई वरुण सांस्कृतायन, और कांस्टेबल विकास प्रजापति व विनय यादव मौजूद रहे।

कानपुर में गंगा पर बना पुल ढहा, 147 साल पहले बना था

कानपुर । मंगलवार सुबह गंगा पर बने पुराने गंगा का पुल का बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया। पुल के दसवें नंबर की कोठी का बड़ा हिस्सा भरभरा कर गंगा नदी में समा गया। हालांकि पुल जर्जर होने के चलते पहले ही बंद कर दिया गया था। इसलिए किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हो सकी। बता दें कि लगभग 147 वर्ष पहले अंग्रेजों के शासन में बनवाए गए पुराने गंगापुल की कई कोठियों में बीते साल बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई थी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने तत्कालीन जिलाधिकारी को पुल की कोठियों में दरारों की जांच करने के बाद रिपोर्ट दी थी कि अब यह पुल वाहनों के आवागमन के योग्य नहीं बचा है। काफी जर्जर हालत में पहुंच चुका था। जिस पर कानपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी आलोक तिवारी ने इसे बंद करा दिया था। 5 अप्रैल 2021 को इस पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। पुल के शुक्लागंज छोर और कानपुर छोर पर 5-5 फीट ऊंची पक्की दीवारें बनवा दी गई थी। काफी समय तक साइकिल सवार व पैदल राहगीर पैदल पुल से आवागमन करते रहे। पुल की कोठी का बड़ा हिस्सा गिरने के बाद पैदल पुल से भी आवागमन बंद कर दिया गया है। इंजीनियरिंग का साफ नियम है कि लोहे का मेन्टीनेंस हर साल होना चाहिए अन्यथा यह धीरे-धीरे जंग की वजह से मजबूती खोने लगता है। पुल पर 27 फुलगेज पिलर ब्रिक्स बनाए गए थे। ब्रिक्स की जिंदगी 100 साल मानी जाती है। पड़ताल में सामने आया कि पुल की रोड बनाने का काम 2013 में पीडब्ल्यूडी ने किया था इसके बाद कभी देखा तक नहीं। इस पुल से रोजाना करीब 22 हजार चौपहिया-दोपहिया समेत 1.25 लाख लोग रोज गुजते थे। पुल से 12 मीटर चौड़ाई और लंबाई टेल से टेल तक 1.38 किलोमीटर के करीब थी। कानपुर और शुक्लागंज को जोड़ने के लिए ये अहम ब्रिज था। अंग्रेजों ने कानपुर को उन्नाव-लखनऊ से जोड़ने के लिए 1875 में पुल का निर्माण कराया था। निर्माण ईस्ट इंडिया के इंजीनियरों ने कराया था। इससे बनाने में सात साल चार महीने लगे थे। मैस्कर घाट पर प्लांट लगाया गया था। अंग्रेजों ने यातायात के लिए पुल का निर्माण कराया था जबकि इसी पुल के करीब ही ट्रेनों के संचालन के लिए 1910 में रेलवे ब्रिज बनवाया था।

गोरखपुर में सड़क किनारे मिली बच्ची

गोरखपुर । सड़क किनारे एक नवजात बच्ची मिली है। उसके मां-बाप उसे पीपीगंज-जसवाल मार्ग पर कानापार गांव के पास लावारिस हालत में छोड़ गए थे। उसके रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो देखा कि नवजात कपड़ों में लिपटी हुई थी और ठंड से कांप रही थी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सुबह करीब चार बजे सूचना मिलते ही हल्का इंचार्ज अजीत यादव और महिला कांस्टेबल नीमा यादव मौके पर पहुंचे। नवजात बच्ची को गंभीर हालत में देखकर उसे तुरंत थाने लाया गया। इसके बाद चाइल्ड केयर सेंटर को सूचित किया गया। केयरटेकर निधि त्रिपाठी की मदद से बच्ची को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। कड़ाके की ठंड में इस मासूम को सुनसान सड़क किनारे फेंकना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बच्ची का जिंदा बच जाना किसी चमत्कार से कम नहीं। डॉक्टरों के मुताबिक बच्ची को ठंड लगने से कुछ परेशानी हुई थी, लेकिन अब उसकी हालत स्थिर है। पुलिस इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है। नवजात को इस हालत में छोड़ने वाली महिला और उसके परिजनों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि नवजात के साथ हुई इस अमानवीय हरकत के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी गई है। इस पूरे प्रकरण में हल्का इंचार्ज अजीत यादव, महिला कांस्टेबल नीमा यादव और चाइल्ड केयर सेंटर की केयरटेकर निधि त्रिपाठी ने समय पर कार्रवाई करते हुए बच्ची की जान बचाई।

दिसंबर में 10 कंपनियों की आईपीओ लाने की योजना

नई दिल्ली ।

अगले महिने दिसंबर में कम से कम 10 कंपनियां अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है ताकि इसके जरिए 20,000 करोड़ रुपये जुटाये जा सके। ऐसी कंपनियों में विशाल मेगा मार्ट और इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

अगले कुछ महीनों में 30 से अधिक आईपीओ आने की संभावना है, जिससे बाजार में और अधिक हलचल हो सकती है और निवेशकों को नए अवसर मिल सकते हैं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, दिसंबर में इन आईपीओ का मार्केट में बड़ा असर हो सकता है, जिनमें विभिन्न क्षेत्र और आकार की कंपनियां शामिल होंगी। विशाल मेगा मार्ट, जो एक सुपरमार्केट चेन है, 8,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसका आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक समायत सर्विसेज एलएलपी द्वारा बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। वहीं, ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली डायमंड ग्रेडिंग कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड भी 4,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली है, जिसमें 1,250 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र से संबंधित अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज, साई लाइफ साइंसेज, पारस हेल्थकेयर और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स जैसे निवेश बैंक भी अपनी आईपीओ पेशकश करेंगे।

इन कंपनियों का लक्ष्य विस्तार योजनाओं के लिए धन जुटाना, कर्ज चुकाना और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करना है। इन आईपीओ में नए शेयरों के निर्गम और ओएफएस दोनों शामिल होंगे, जो बाजार में निवेशकों के लिए अवसर प्रदान करेंगे। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में आईपीओ से निवेशकों को औसतन 27 प्रतिशत का लाभ हुआ है, और वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक 236 आईपीओ लाए गए हैं। इस साल, हुंदै मोटर इंडिया, स्विगी, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, बजाज हाउसिंग फाइनेंस और ओला इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों ने अपने आईपीओ से लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं।

टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 ने तैयार की अपनी योजनाएं

- टीसीएचएफ 2 ने 2023-24 में स्वास्थ्य क्षेत्र के 17 लाख लाभार्थियों को सहायता पहुंचाई

नई दिल्ली ।

टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 (टीसीएचएफ) वर्तमान में अपनी योजनाओं को मजबूती दे रहा है जिसे 13 करोड़ डॉलर फंड के शेष हिस्से के साथ निवेश करने के माध्यम से साबित किया गया है। टीसीएचएफ 2 ने साल 2023-24 में स्वास्थ्य क्षेत्र के 17 लाख लाभार्थियों को सहायता पहुंचाई और 41 नई नौकरियां के अवसर प्रदान किए हैं। टीसीएचएफ 2 के एक अधिकारी ने बताया कि फंड अब अपनी योजनाएं पुख्ता कर रहा है ताकि फंड 3 के लिए तैयार हो सके। उन्होंने टीसीएचएफ 2 के सह-निवेशकों के साथ निवेश योजनाएं तैयार करने का वादा किया है। उन्होंने बताया कि टीसीएचएफ 1 के सफल विनिवेशान के बाद टीसीएचएफ 2 ने भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं के आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए सफलता प्राप्त कर लिए हैं। फंड ने अपने निवेशों से औसतन दो से ढाई गुना रिटर्न कमाया है। टीसीएचएफ 2 ने अब तक 9 कंपनियों में निवेश किया है जिसमें लाइनक्स लैबोरेटरीज, साकार हेल्थकेयर, ऑर्बिक्युलर फार्मास्युटिकल्स टेक्नोलॉजिज, अतुल्य हेल्थकेयर, एंडरसन डायग्नोस्टिक्स, डीपटेक, एपेक्स किडनी केयर, मुंबई ऑन्कोकेयर सेंटर और नोबल प्लस फार्मेसी ऐंड स्किन केयर शामिल हैं। टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 के सफलतापूर्वक निवेश की स्टोरी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव की सीधी दिशा में कदम बढ़ाया है।

रॉयल एनफील्ड की गोअन क्लासिक 350 लांच

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई गोअन क्लासिक 350 को लॉन्च कर दिया है। बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.35 लाख रुपये रखी गई है, जबकि डुअल-टोन पेंट ऑप्शन की कीमत 2.38 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, चेन्नई) है। यह बाइक 350 सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की मजबूत उपस्थिति को और सशक्त बनाने के लिए पेश की गई है। गोअन क्लासिक 350, रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसमें कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसका टैंक, साइड बॉक्स, फेंडर और हेडलाइट हाउसिंग क्लासिक 350 से मेल खाते हैं, लेकिन इसमें एलईडी हेडलाइट्स, गोल टेललैंप और एप-हैंगर हैंडलबार जैसे नए और आकर्षक फीचर्स जोड़े गए हैं। इसकी सीट ऊंचाई 750 मिमी है, जो इसे छोटे कद के राइडर्स के लिए भी आरामदायक बनाती है। इसमें 19-इंच फ्रंट और 16-इंच रियर स्पोक व्हील्स दिए गए हैं, साथ ही दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक और डुअल-चैनल एबीएस की सुविधा है। बाइक में रेगुलर टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर डुअल शॉक एब्जॉर्बर दिए गए हैं। इसके अलावा, यह सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एडजस्टेबल लीवर और रॉयल एनफील्ड का ट्रिपर नेविगेशन सिस्टम जैसी सुविधाओं से लैस है। रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 को चार आकर्षक रंगों–रेव रेड, ट्रिप टील, शैक ब्लैक और पर्पल हेज में पेश किया है। इसकी सीधी टक्कर जावा पेराक से होगी, जो एक बॉबर स्टाइल मोटरसाइकिल है।

इसके अलावा, यह बाइक जावा और येज्दी की अन्य मोटरसाइकिलों, रॉयल एनफील्ड के अन्य मॉडल्स और होंडा सीबी रेंज से भी प्रतिस्पर्धा करेगी। गोअन क्लासिक 350 में रॉयल एनफील्ड का जे-सीरीज इंजन दिया गया है, जो 20 बीएचपी से थोड़ा ज्यादा पावर और 27 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। क्रूजिंग के दीवानों के लिए यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस प्रदान करती है, और इसकी सिंगल-सीटर लुक और आकर्षक पेंट स्कीम इसे और भी खास बनाते हैं।

वित्त मंत्रालय की मासिक समीक्षा में रबी फसल के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान

फसल उत्पादन में वृद्धि उच्च एमएसपी, अनुकूल मानसून और पर्याप्त जलाशय स्तर के कारण संभव

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने अपनी नवीनतम मासिक समीक्षा में आने वाले महीनों में रबी फसल की बुवाई और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान जताया है। मंत्रालय ने बताया कि यह वृद्धि उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), अनुकूल मानसून और पर्याप्त जलाशय स्तर के कारण संभव है। इस समीक्षा के अनुसार रबी सीजन को इस साल की शुरुआत में अच्छी खरीफ फसल द्वारा स्थापित मजबूत नींव से लाभ होने की संभावना है। मंत्रालय का मानना है कि इस बंपर फसल से घरेलू खुदरा मुद्रास्फीति को कम करने में भी मदद मिल सकती है। मंत्रालय ने कहा कि 6 नवंबर 2024 तक, धान की खरीद 161.0 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जिससे चल रहे केएमएस खरीद कार्यों से 14.79 लाख किसानों को लाभ हुआ। बढ़े हुए एमएसपी के साथ रिकॉर्ड खरीफ खाद्यान्न उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा। रबी की फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए ठंडी और शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है, जबकि खरीफ में उत्पादित फसलों के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि रबी की बुवाई और उत्पादन में अनुकूल मानसून, पर्याप्त जलाशय स्तर और उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य की वजह से वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही खाद्य मुद्रास्फीति में कमी की उम्मीद भी है, जिसे अक्टूबर में खाद्य मूल्य दबाव के कारण देखा गया था। मंत्रालय ने बताया कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ स्थिरता आने वाले महीनों में उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान एफएमसीजी की बिक्री मात्रा में सुधार होने के साथ-साथ, ग्रामीण क्षेत्र में ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत है। मंत्रालय के अनुसार रबी सीजन में व्यापक आर्थिक स्थिरता को समर्थन करने के लिए तैयार है, जिससे कृषि विकास को बढ़ावा मिल सकता है और आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के दबाव से भी राहत मिल सकती है।

डिजिटल पेमेंट तकनीक में वर्ल्ड लीडर के रूप में उभर रहा भारत

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण भारत डिजिटल पेमेंट तकनीक में वर्ल्ड लीडर के रूप में उभर रहा है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट में दी गई। यूपीआई के द्वारा अक्टूबर में 16.6 अरब लेनदेन हुए हैं। साथ ही इस दौरान इंस्टेंट डेबिट रिवर्सल 86 प्रतिशत रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 77 प्रतिशत था। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा है कि भारत का यूपीआई एक ओपन-एंडेड सिस्टम है। इसमें एक सिंगल आवेदन के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति या फिर व्यक्ति से व्यापारी के बीच आसानी से लेनदेन किए जा सकते हैं। पात्रा के अनुसार, डिजिटल क्रेडिट परिदृश्य में इनोवेशन जैसे अकाउंट एग्रीगेटर्स, ओसीईएन और ओएनडीसी पर वित्तीय सेवाओं ने भी उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दिया है। ओएनडीसी मार्च 2024 तक 720 से ज्यादा शहरों में काम कर रहा है। इसके पास 49.72 मिलियन ऑर्डर हैं। ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) एमएसएमई के करीब 52.2 ट्रिलियन रुपये के अनुमानित क्रेडिट गैप को बैंकों और क्लाइंट्स से जोड़कर पूरा करता है, जिससे फंडिंग लागत में 2.5 प्रतिशत तक की कमी आती है। पात्रा ने लिखा, टीआरईडीएस के माध्यम से फाइनेंस चालानों का मूल्य 23 गुना से अधिक बढ़ गया है। भारत में ग्रामीण आबादी का करीब 40 प्रतिशत और 20-30 वर्ष आयु वर्ग की कुल आबादी का 78 प्रतिशत लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिनमें से करीब एक तिहाई परिवार उपभोग्य सामग्रियों और सेवाओं की ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।

सोना 1,630 गिरकर 75,451 पर आया

नई दिल्ली। सोने के भाव में मंगलवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,630 रुपए कम होकर 75,451 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 77,081 रुपए प्रति दस ग्राम थी। वहीं, चांदी के दाम में भी गिरावट रही। ये 1,345 रुपए गिरकर 88,100 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 89,445 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

फिच ने अदाणी ग्रुप की चार कंपनियों का आउटलुक घटाया, स्टॉक्स में आई आठ फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली । अमेरिका द्वारा अदाणी ग्रुप पर लगे रिश्वत के आरोप के बाद रेटिंग एजेंसी फिच ने समूह की चार कंपनियां का आउटलुक निगेटिव कर दिया है। जबकि तीन कंपनियों को रेटिंग वॉच नेगेटिव में रखा है। जिसके चलते मंगलवार को अदाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई पर कारोबार के दौरान ग्रुप के शेयर आठ फीसदी तक गिर गए। जबकि ग्रुप ने शेयरों में सोमवार को कुछ रिकवरी हुई थी। बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी, एसीसी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी विल्मर और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट्स 2 फीसदी से 8 फीसदी तक नीचे रहे। इसके अलावा अदाणी ग्रीन एनर्जी (8 प्रतिशत गिरकर 893 रुपये पर) और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (5 प्रतिशत गिरकर 593.15 रुपये पर) के शेयर अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए। पिछले एक हफ्ते में इन कंपनियों की बाजार कीमत में क्रमशः 37 फीसदी और 32 फीसदी की गिरावट आई है। एसएंडपी ग्लोबल ने अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी ग्रीन एनर्जी की सहायक कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी रिस्ट्रिक्टेड ग्रुप 2 (को लेकर अपने आउटलुक में बदलाव किया है। एजीईएल पर आरोपों के छींटे लगे हैं, लेकिन अमेरिकी में चल रही कार्यवाही में इसका नाम सीधे नहीं लिया गया है।

हुंडई मोटर को मिला कर प्राधिकरण से टैक्स नोटिस

मुंबई । हुंडई मोटर इंडिया को महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से पांच करोड़ रुपए से अधिक का कर नोटिस मिला है। यह नोटिस कथित अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट दावे को लकर मिला है। इनपुट टैक्स क्रेडिट या आईटीसी वह कर है जो व्यवसाय द्वारा किसी खरीद तथा बिक्री पर चुकाया जाता है। हुंडई मोटर इंडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अतिरिक्त आईटीसी का दावा मानदंडों के अनुसार और कंपनी द्वारा भुगतान किए गए आरसीएम कर के अनुरूप नहीं है। इसमें कहा गया है कि कारण बताओ नोटिस में उल्लिखित कुल मांग राशि में कर 2.741 करोड़ रुपये और ब्याज 2.279 करोड़ रुपये है। एचएमआईएल ने कहा कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायाधिकरण के समक्ष कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल करेगी।

जेनएआई स्टार्टअप में निवेश दूसरी तिमाही में छह गुना उछला

नई दिल्ली ।

नैसकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में भारत की जेनएआई फंडिंग तिमाही आधार पर छह गुना बढ़ी है। भारत ने वैश्विक जनरेटिव एआई की दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है। नैसकॉम की रिपोर्ट कहती है कि भारतीय जेनएआई स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 5.1 करोड़ डॉलर जुटाए जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में जुटाए गए 80 लाख डॉलर से अधिक हैं। टेक इंडस्ट्री एक्टिविटी के अनुसार दूसरी तिमाही के दौरान फंडिंग की गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और रिकॉर्ड स्तर पर फंडिंग के 20 राउंड हुए जो पहली तिमाही की सुस्ती के बाद मजबूत सुधार को दर्शाता है। कुल फंडिंग में पिछले साल के मुकाबले 3.4 गुना इजाफा हुआ तथा एंटरप्राइज एप्लिकेशन और एजेंटिक एआई में निवेश ने इसकी अगुआई की। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में जेनएआई फंडिंग का 90 प्रतिशत से अधिक भाग तीन स्टार्टअप नूरिक्स एआई, डैशटून और मिहप को मिला। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में फंडिंग राउंड में तीन गुना तक वृद्धि हुई। सभी दौर में शुरुआती चरण वाले निवेशों का हिस्सा 77 प्रतिशत रहा जिसमें ऐंजल और सीड फंडिंग शामिल है। इस तिमाही में जेनएआई स्टार्टअप कंपनियों के लिए फंडिंग के दौर सीरीज ए राउंड में 1.5 करोड़ डॉलर और सीड राउंड में 1.25 करोड़ डॉलर से कम रहे, जिसका मुख्य कारण कृत्रिम और सर्वम जैसे मॉडल के निवेशों का न होना रहा, जो पिछली दो तिमाहियों में हावी रहे थे। नैसकॉम की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य रणनीति अधिकारी संगीता गुप्ता ने कहा, जेनरेटिव एआई परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं को नया आकार दे रहा है और नई क्षमताओं को जन्म दे रहा है। प्रदाता रणनीतियों का नए सिरे से आकलन कर रहे हैं और प्रौद्योगिकी एवं प्रतिभा में निवेश बढ़ा रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले रुख के बीच ही अदाणी ग्रुप के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी बाजार की तेजी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में यह उतार-चढ़ाव के बाद 105.79 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 80,004.06 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई निफ्टी 27.40 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 27.40 अंकों की गिरावट के साथ 24,194.50 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर शुरूआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। इसके अलावा टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, मारुति, टीसीएस के शेयर प्रमुख रूप से बढ़त पर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर अल्ट्रा सीमेंट के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी है। साथ ही सनफार्मा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस सोमवार को 9,947.55 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह आंकड़ा 20 सितंबर के बाद सबसे अधिक है। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। कारोबार के दौरान दोनों प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयरों में वृद्धि से बाजार में तेजी आई। सेंसेक्स पिछले बंद भाव के मुकाबले 300 से ज्यादा अंक ऊपर आकर 80,415.47 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह लगभग 1000 अंक उछलकर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 24,343.30 अंक पर खुला जबकि सोमवार को यह 24,221.90 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर शुरूआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा उपर आया। इसके अलावा टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, मारुति, टीसीएस के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे।

एनसीएच अब उपभोक्ताओं की शिकायतों को जल्द निपटाने एआई का करेगा इस्तेमाल

नई दिल्ली।

नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन (एनसीएच) अब उपभोक्ताओं की शिकायतों को प्रभावी और जल्द हल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। एनसीएच ने अपनी शिकायत प्रणाली में सुधार के तहत एआई आधारित नई सुविधाओं को शामिल किया गया है, जिनमें स्पीच रिकग्निशन और बहुभाषी चैटबॉट्स शामिल हैं। इस तकनीकी बदलाव के साथ उपभोक्ताओं को अब अपनी शिकायतें दर्ज करने के लिए स्थानीय भाषाओं में वॉयस इनपुट देने की सुविधा मिलेगी। यह एक बड़ा कदम है जो उपभोक्ताओं को आसानी से और सुलभ तरीके से शिकायत दर्ज करने का मौका देगा।

इस नए सुधार को एनसीएच 2.0 का नाम दिया गया है, जिसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को और ज्यादा सहज, कुशल और समावेशी बनाना है। वर्तमान में, एनसीएच 17 भाषाओं में संचालित होती है, और अब यह नई तकनीक उपभोक्ताओं के लिए एक व्यापक और अनुकूल अनुभव देगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि कि एनसीएच ने अपनी शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक हजार से ज्यादा कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 2017 में यह संख्या केवल 263 थी, जो अब बढ़कर 1,009 हो गई है। ये कंपनियां ई-कॉमर्स, यात्रा, शिक्षा, एफएमसीजी, खुदरा, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैली हैं। इन कंपनियों से जुड़ी शिकायतों को सीधे उनके पास ट्रांसफर किया जाता है, जिससे समाधान की प्रक्रिया में तेजी आती है।

एनसीएच की सेवा को कई माध्यमों से एक्सेस किया जा सकता है, जैसे टोल-फ्री नंबर 1915, व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल, और एक डेडिकेटेड मोबाइल ऐप। इसके अलावा, शिकायतों को एक केंद्रीकृत आईटी-सक्षम प्रणाली, इनग्राम पोर्टल पर भी दर्ज किया जा सकता है। पिछले कुछ सालों में उपभोक्ता हेल्पलाइन का इस्तेमाल बढ़ा है। जनवरी 2015 में मासिक कॉल 14,795 थी, जो अब जनवरी 2024 में बढ़कर 1,41,817 हो गई है।

इसी तरह शिकायत पंजीकरण की संख्या में भी तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उन कंपनियों की पहचान की है जिनके खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें आई हैं। इन कंपनियों में डेल्हिवरी लिमिटेड, डोमिनोज पिज्जा, थॉमसन इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन शिकायतों पर चर्चा करने अगले सप्ताह बैठक आयोजित की जा रही है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 84.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.22 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 9,947 करोड़ रुपये के शेयर खरीद 40 सत्रों से जारी शुद्ध बिकवाली का सिलसिला तोड़ा, जिसकी वजह से रुपए को मजबूत समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.27 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 84.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ 107.11 पर देखा गया।

इस वर्ष जापान और चीन ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स की 61.9 बिलियन डॉलर बिक्री की

- इससे पहले दूसरी तिमाही में जापान ने 40.5 बिलियन डॉलर के ट्रेजरी बेचे थे

वाशिंगटन । अप्रैल से जून 2024 तक की तीसरी तिमाही में जापान ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स (अमेरिकी खजाने) में विशाल 61.9 बिलियन डॉलर की बिक्री की है, जो अब तक की सबसे बड़ी बिक्री है। इससे पहले दूसरी तिमाही में जापान ने 40.5 बिलियन डॉलर के ट्रेजरी बेचे थे। जापान की यह लगातार दूसरी तिमाही है जब उन्होंने अमेरिकी खजाने में भारी बिक्री की है। वही चीन ने भी इसी तिमाही में अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स को 51.3 बिलियन डॉलर का डंप किया, जो अब तक की दूसरी सबसे बड़ी बिक्री है। चीन ने पिछले 7 तिमाहियों में से 6 में ट्रेजरी बेची हैं, जिससे उनकी ट्रेजरी बॉन्ड्स में कुल हिस्सेदारी अब 800 अरब डॉलर से कम हो गई है। इन दोनों देशों जापान और चीन ने अमेरिकी सरकारी ऋण के सबसे बड़े धारक होने के बावजूद अमेरिकी खजाने में इतनी बड़ी बिक्री की है। इससे दिखता है कि विदेशी निवेशकों की रुचि घट रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति में बदलाव आए हैं।

बेतिया राज की 15000 एकड़ जमीन सरकारी हुई

विधानसभा में पास हुआ बिल, आरक्षण के मुद्दे पर तेजस्वी और दोनों डिप्टी सी.एम हुए आमने-सामने

बेतिया । शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बेतिया राज की 15000 एकड़ जमीन अधिग्रहण करने वाले बिल को सदन में रखा गया। ध्वनि मत से ये बिल पास हो गया है। अब ये जमीन सरकार की हो गई है। अब इस जमीन पर सरकारी संस्थान का निर्माण होगा। यहां हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज बनेंगे। फिलहाल राज्य सरकार बेतिया राज की संपत्ति की देखरेख करती है। एडीएम रैंक के अधिकारी मैनेजर के तौर पर नियुक्त किए जाते हैं। जानकारी के मुताबिक, बेतिया राज की जमीन बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी के अलावा उत्तरप्रदेश में भी है। विधानसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।सदन में आरक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। इस हंगामे के बीच विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन से बाहर तेजस्वी से आरक्षण को लेकर नीतीश के स्टैंड पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'सब संगत का असर है। हम लोग उन्हें ठीक करते हैं वो वापस वैसे ही हो जाते हैं।' सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सदन में 65 फीसदी का आरक्षण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि 'महागठबंधन की सरकार में आरक्षण 65 फीसदी आरक्षण दिया गया। भाजपा के लोगों ने कोर्ट जाकर इसे निरस्त करवा दिया। यह संदेह सी.एम नीतीश कुमार, विजय चौधरी और मुझे पहले से था।' आरक्षण को लेकर सदन में सम्राट चौधरी और तेजस्वी आमने-सामने हो गए। सम्राट चौधरी ने कहा कि 'आपकी सरकार में आरक्षण का फैसला नहीं लिया गया। नीतीश जी की सरकार थी।' इस पर तेजस्वी यादव ने कहा- 'अभी आप जैसे हैं, उस वक्त हम वैसे ही थे।' सम्राट बोले- आपके माता-पिता 15 साल कुर्सी पर थे सम्राट चौधरी ने सदन के अंदर लालू यादव के शासनकाल पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 'आप गलतफहमी मत फैलाइए। आपके माता-पिता 15 साल कुर्सी पर थे। कितने आरक्षण दिए। मुखिया का आरक्षण दीजिए। 15 साल में एक

व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया। किसी ओबीसी ईबीसी को आरक्षण नहीं दिया। आज सभी वर्ग में आरक्षण है। आप बेफिक्र रहिए। डबल इंजन की सरकार चल रही है।' बिहार में हर ब्रांड की शराब मिल रही है- तेजस्वी सदन में आज शराबबंदी का मुद्दा गूंजा। विपक्ष के सवाल के जवाब में सरकार ने कहा कि 'जहरीली शराब से 156 मौतें हुई हैं।' इसके बाद तेजस्वी यादव खड़े हुए उन्होंने कहा कि '156 मौतें तो 3 महीने में हुई हैं।' तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 'बिहार में हर ब्रांड की शराब मिल रही है। पुलिस वाले ट्रकों को पहुंचा रहे हैं। गरीब लोगों पर कार्रवाई हो रही है। बड़े लोगों को छोड़ दिया जाता है।' सरकार ने सदन के अंदर कहा कि '2016 से अब तक बिहार में 156 लोगों की शराब से मौत हुई है। 1998 से 2015 तक बिहार में 108 लोगों को मौत हुई थी।'सी.एम के जिले में बढ़ते लिंगानुपात का मुद्दा भी उठा खजौली एमएलए अरुण शंकर प्रसाद ने बिहार में महिला लिंगानुपात ,भ्रूण हत्या से जुड़ा सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि सी.एम के जिले नालंदा में लिंगानुपात सबसे ज्यादा क्यों बढ़ा है।' समाज कल्याण विभाग मंत्री मदन सहनी ने जवाब में कहा है कि 'आंकड़े सही है।

प्रभात फेरी के दौरान ऑटो ने छात्र को मारी टक्कर

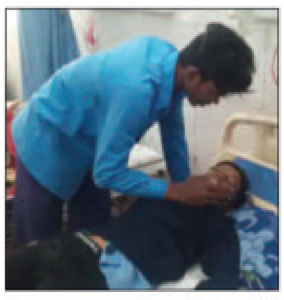

बक्सर में नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर जागरूकता फैलाने के लिए मंगलवार को आयोजित प्रभात फेरी के दौरान एक अनियंत्रित ऑटो ने लेन में चल रहे छात्र को टक्कर मार दी। जिसमें 12 वर्षीय छात्र घायल हो गया। घटना पीपरपांती रोड पर घटी। घायल बच्चे को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। उमेश राय गजाधर गंज निवासी प्रदीप कुमार राय का पुत्र है। इस हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस तरह की घटनाओं को रोकने और सुरक्षा प्रबंधों को सुदृढ़ करने की मांग की है। प्रभात फेरी का आयोजन जिला प्रशासन, शिक्षक समूहों और छात्रों की भागीदारी से किया गया था। इसका उद्देश्य नशीले पदार्थों और जहरीली शराब के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता फैलाना था। यह रैली सुबह किला मैदान से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए फिर किला मैदान पर समाप्त हुई। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सौरभ आलोक ने बताया कि प्रभात फेरी के लिए पहले से ही रूट निर्धारित किया गया था। लेकिन ऑटो चालक का प्रवेश कैसे हुआ, यह जांच का विषय है।घायल छात्र के परिजनों ने प्रशासन से दोषी ऑटो चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने प्रशासनिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। इस तरह के आयोजनों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है।

1.10 करोड़ का क्रिकेटर बनाने में जमीन तक बेचनी पड़ी

समस्तीपुर। के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 1.10 करोड़ में खरीदा है। रणजी ट्रॉफी में अपना कमाल दिखा चुके 13 वर्षीय क्रिकेटर अब आईपीएल मैच में भी दम दिखाने के लिए तैयार हैं। वैभव ने पांच वर्ष की उम्र में टेनिस बॉल से सफर शुरू किया और रणजी ट्रॉफी में धमाल दिखाने के बाद आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) तक का सफर पूरा किया है। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी अच्छे क्रिकेटर हैं। परिस्थितियों के कारण वे आगे नहीं जा सके। जिसके बाद उन्होंने अपने बेटे को ही आगे बढ़ाने की ठान ली और उनके कोच बन गए। बेटे को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए काफी पैसे खर्च किए और परेशानी झेली। कर्ज चुकाने के लिए जमीन भी बेचनी पड़ी। 4 साल तक लगातार सप्ताह में 3 दिन संजीव अपने बेटे वैभव को लेकर स्कूटर

से पटना जाते थे, वहां वैभव एक एकेडमी में पैक्टिस करते थे। ताजपुर से पटना की दूरी करीब 70 किमी है। ये दूरी तय करने में ढाई घंटे लगते थे। सुबह 8 बजे निकलने के बाद दोनों पिता-बेटे रात में लौटते थे। इस चक्कर में पिता संजीव की ज्वेलरी की दुकान तक बंद हो गई। वैभव सूर्यवंशी के पिता संजीव सूर्यवंशी ने कहा कि आर्थिक समस्या आई तो जमीन बेच दी। बेटे की हर जरूरत को पूरा किया। मेरी इच्छा है कि वैभव भारत के लिए खेले। एशिया कप में सलेक्शन हुआ अब आईपीएल में भी हो गया। काफी खुश हूं। हमलोगों के समय में सुविधा का अभाव था, पैसों की किल्लत थी। उस समय लोग सोचते थे कि पढ़ने-लिखने से लोग बढ़ते हैं। वैभव जब बच्चा था तो पूरे राज्य का भ्रमण करना पड़ता था। उसके पीछे मैं लगा रहता था। बहुत खर्च किया। बच्चा भी इस चीज को समझा और कड़ी मेहनत की।वैभव सूर्यवंशी के चाचा राजीव सूर्यवंशी ने बताया कि बचपन से ही वैभव में खेल के प्रति जुनून है। 3 साल की उम्र में ही बैट लेकर खेलता था। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी भी क्रिकेटर रहे हैं। वह सुखदेव टूनार्मेंट तक खेले हैं। बेटे को राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनाने के लिए ठान लिया था। अपनी स्कूटर से उसे अभ्यास कराने के लिए पटना तक ले गए।वैभव की दादी उषा सिंह ने कहा कि वैभव बचपन से ही नटखट था। मैं चाहती थी कि मेरा पोता आईपीएस बने, लेकिन बचपन से ही उसमें खेल का जुनून था। खेल के लिए वो ठाकुरबाड़ी में भाग लेने जाता था। कई बार उसे मना किया, पर मेरे बेटे संजीव ने कहा कि खेलने दो। जिसके बाद मैंने उसे डांटना छोड़ दिया। आज पोते की सफलता पर बड़ी खुशी हो रही। गांव के बच्चों को खेलने के लिए बुलाते थे ग्रामीण संजय नायक ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को क्रिकेटर बनाने में उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने काफी त्याग किया है।

पटना में 20 हजार जीविका दीदियों का प्रदर्शन

महिला संवाद के लिए मुख्यमंत्री के पास 225 करोड़, हमारे मानदेय भुगतान पर 2028 तक रोक

पटना। राजधानी पटना में मंगलवार को जीविका दीदियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मानदेय भुगतान और कर्ज माफी की मांग को लेकर पूरे बिहार से करीब 20 हजार जीविका दीदियों का महाजुटान गर्दनीबाग धरना स्थल पर हुआ। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिलिंग ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव रणविजय ने बताया कि 'नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा पर करीब 225 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। लेकिन 1.5 लाख जीविका दीदियों के भुगतान के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। मानदेय भुगतान पर 2028 तक रोक लगा दी गई है। पूरा भार 46 हजार करोड़ के कर्ज में डूबी जीविका दीदियों पर डाल दिया गया है।' रणविजय ने बताया कि 'सोमवार देर रात कार्यक्रम की तैयारी के दौरान पुलिस ने एक्टू के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार को उठा लिया। रात के 11 बजे गर्दनीबाग थाने पर माले के विधायक और टछउ उन्हें छुड़ाने के लिए पहुंचे थे, लेकिन प्रशासन ने प्रदीप कुमार को नहीं छोड़ा। सरकार हमारी आवाज को दबा नहीं सकती है। हमारा आंदोलन जारी रहेगा।' जीविका दीदियों का एकदिवसीय धरना आज समाप्त होने तक किसी से कोई आश्वासन नहीं मिला। आज किसी से मुलाकात नहीं हुई है। बीते तीन महीने से सभी हड़ताल पर हैं।वहीं, प्रदर्शन में शामिल रागिनी कुमारी ने बताया कि '10 वर्षों से काम कर रहे हैं। आज तक हम लोगों को आईडी कार्ड नहीं मिला है। वेतन भुगतान पर भी रोक लगा दी गई है। समूह से कई जीविका दीदियों ने लोन लिया है। बाद में उनकी मौत हो गई है। सारा भार हम लोगों पर डाल दिया गया है। बहुत जीविका दीदी ऐसी है जो कमाने खाने में ही परेशान है, वह सब कैसे अपनी कर्ज चुकाएगी।' वर्तमान में जीविका दीदियों की सैलरी पद के अनुसार 1500 से 5000 तक है। बिहार सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महाजनी कर्ज से मुक्ति के लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप शुरू किया। राज्य सरकार इसकी नोडल एजेंसी है। यह 13 राष्ट्रीय बैंकों के साथ एसोशिएट है।

जमीनी विवाद को लेकर तलवारबाजी जमुई में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष

जमुई के चंद्रदीप इलाके में जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। घटना में दो पक्षों के कुल 9 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, निमोर्ली गांव में सोमवार की रात जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर तलवारबाजी हुई। घटना में एक पक्ष से 5 तो दूसरे पक्ष से 4 यानी कुल 9 लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सोमवार की रात सदर अस्पताल लाया गया। जहां तीन की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया।एक पक्ष के घायलों में शामिल विकास यादव, चंदन यादव, बबीता कुमारी, विशुनदेव यादव, धनेश्वरी देवी जबकि दूसरे पक्ष के घायलों में वीरेंद्र यादव, बिंदेश्वरी यादव, विनोद यादव और सन्नी कुमार शामिल है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान विशुनदेव यादव, घनेश्वरी देवी और वीरेंद्र यादव की हालत गंभीर होने पर प्रारंभिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। दोनों पक्षों के बीच चार साल से चल रहा जमीन विवाद दोनों पक्षों के बीच पिछले चार सालों से जमीन विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर सोमवार की रात दोनों पक्षों के बीच के बीच झड़प हुई थी। गांव के लोगों के मुताबिक, झड़प के दौरान दोनों पक्षों ने तलवार और लोहे के रॉड निकालकर एक एक-दूसरे पर हमला करने लगे। दोनों पक्ष के लोगों ने एक-दूसरे पर पहले मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। चंद्रदीप थाना अध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। फिलहाल घायल को अस्पताल भेजा गया है। आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

वोट डालने जा रहे दंपती को ट्रक ने कुचला

पटना। में बालू लदे ट्रक ने बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। पति को हल्की चोट आई है। दोनों दानापुर से भोजपुर पैक्स चुनाव को लेकर मतदान करने अपने गांव जा रहे थे। मृतक की पहचान भोजपुर जिला निवासी जितेंद्र प्रसाद सिंह की पत्नी सुषमा देवी (56) के रूप में हुई है। बिहटा थाना क्षेत्र के बिशनपुरा गांव के पास तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने पति-पत्नी को कुचल दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल पति को अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल घटना के बाद से ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार है।पति जितेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि 'हम लोग दानापुर से पैक्स चुनाव को लेकर मतदान करने अपने गांव भोजपुर जा रहे थे। तभी बिहटा के बिशनपुरा गांव के पास पीछे से आ रही ट्रक ने पहले टक्कर मारी, जिसके बाद मेरी पत्नी सड़क पर गिर गई और ट्रक ने कुचल दिया।'इधर पूरे मामले पर थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया कि 'बिशनपुरा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मारी, जिसमें पत्नी की मौत हो गई। पति घायल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इधर, घायल पति को बिहटा के ESIC अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल ट्रक का ड्राइवर फरार हो गया। ट्रक को जब्त कर लिया गया है और ट्रैफिक को चालू कर दिया गया है।

साइकिल सवार को बचाने में पलटी स्कॉर्पियो, दो लोग जख्मी

रोहतास। के परसपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक स्कार्पियो सड़क किनारे खेत में पलट गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया कि मंगलवार दोपहर राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर परसथुआ थाना के पास सड़क क्रॉस कर रहे एक साइकिल सवार को बचाने के दौरान यह हादसा हो गया। जिसमें साइकिल सवार को भी गंभीर चोटें आई है। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो में करीब दस लोग सवार थे, जिसमें कुछ को हल्की चोट लगी, जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए कोचस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल साइकिल सवार की पहचान बबुरा गांव निवासी सुदामा पासी शेख के रूप में हुई है। जबकि युवती की पहचान कंजर गांव निवासी साक्षी कुमारी के रूप में हुई है। बनारस से लौटने के दौरान हुआ हादसा घायल चालक ने बताया कि वह कंजर गांव से बनारस गया था ।वहां से लौटने के दौरान हादसा हो गया। घटना के वक्त स्कॉर्पियो में 10 लोग सवार थे । सभी घायलों को पुलिस वैन से पहुंचाया अस्पताल परसपुर थानाध्यक्ष रामचंद्र चौपाल ने बताया कि सभी को अपने वाहन से इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। जहां सभी का इलाज चल रहा है।

दो घरों में लगी आग, 3 मवेशियों की मौत

बेगूसराय। में मंगलवार को अग्निकांड में दो घर जलकर राख हो गए, तीन मवेशियों की मौत हो गई। घटना में लाखों रुपए की क्षति हुई है। हादसा बखरी थाना क्षेत्र के राटन गांव स्थित वार्ड नंबर-11 की है। स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आज सुबह अचानक गंडौरी साह और रामविलास रजक के घर में आग लग गई। घरवालों के शोर करने और आग की लपटें काफी तेज होने के बाद आसपास के लोग दौड़े और आग पर काबू पाने का प्रयास किया।आग की लपटें इतनी तेज थी कि किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को भी सूचना दी गई। हालांकि फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले लोगों काफी कोशिश करके आग बुझा दिया। लेकिन तब तक दोनों के घर जलकर पूरी तरह से राख हो गए। अगलगी में गंडौरी साह के तीन गाय की मौत हो गई। दोनों के घर में रखे अन्य सामान भी जलकर राख हो गए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजा देने की मांग की है।

मादक पदार्थ के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज। के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक महिला को गिरफ्तार किया है। साथ ही महिला के घर से ब्राउन और व्हाइट स्मैक, गांजा के साथ नगद रुपए बरामद किया गया है। गिरफ्तार महिला की पहचान मांझागढ़ थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी स्वामीनाथ साह की पत्नी सोनमती देवी के रूप में की गई। सदर एसडीपीओ 2 अभय कुमार रंजन ने एक प्रेस वार्ता आयोजित करते हुए पत्रकारों को संबोधित कर बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला अपने घर में मादक पदार्थ के कारोबार में संलिप्त है। प्राप्त सूचना के आधार पर शाहपुर गांव में छापेमारी कर सोनामती देवी के घर से कुछ मादक पदार्थों को भारी मात्रा में रखा गया है।जिसमें भूरे रंग का स्मैक जैसा दिखने वाला 53 ग्राम और उजले रंग का स्मैक जैसा दिखने वाला पदार्थ जो की 66 ग्राम है। गांजा करीब 875 ग्राम और साढ़े चार हजार रुपया नगद के साथ इनको इनके घर से गिरफ्तार किया गया है। इनके ऊपर पहले से भी 211/ 22 कांड संख्या दर्ज है।

पैक्स चुनाव की रैली रोकने पहुंची पुलिस पर हमला

मोतिहारी में जान बचाकर भागी टीम, फर्स्ट फेज में अब तक 40.52% हुआ मतदान

पटना। में पैक्स चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। फर्स्ट फेज में 1608 पैक्सों के लिए मतदान हो रहा है। सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों पर वोटर्स की भीड़ दिख रही है। शाम 4:40 बजे तक वोटिंग होगी। दोपहर 1 बजे तक प्रदेश में 40.52% मतदान हुआ है। वहीं, मोतिहारी में पैक्स चुनाव की रैली रोकने पहुंची पुलिस पर हमला किया गया। पुलिस टीम अपनी जान बचा कर भागी। घटना कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र के बलुआ गुआबारी की है। बलुआ गुआबारी में सेकेंड फेज में बुधवार को पैक्स चुनाव होने वाला है। भोजपुर जिले के आरा, कोईलवर और संदेश प्रखंड की 42 पैक्स समितियों में मतदान शुरू है। तीनों प्रखंडों में 112 अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों के भाग्य का फैसला मतदाता करेंगे। 5 फेज में प्रदेश के 6289 पैक्सों के लिए वोटिंग होगी। इस चुनाव में कुल 61 हजार प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला 1 करोड़ 20 लाख वोटर्स करेंगे। इसके लेकर राज्य में 19 हजार 825 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। वहीं, मतदाता सूची में गड़बड़ी के कारण 93 पैक्स के चुनाव स्थगित कर दी गई है।बक्सर में पैक्स चुनाव के दौरान मारपीट बक्सर के सगरा में पैक्स चुनाव के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है।

जानकारी के मुताबिक, वर्तमान पैक्स अध्यक्ष आशीष राय ने अपने घर में ही पोलिंग बूथ बना लिया। रामपुर कला से प्रत्याशी नवीन राय ने इसका विरोध किया। नवीन राय के समर्थकों का कहना है कि विरोध पर आशीष राय के समर्थकों ने हम लोगों के साथ मारपीट की है। इस घटना के बाद नवीन राय के समर्थकों ने मंगलवार को मोहनिया-बक्सर मुख्य सड़क जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर सड़क जाम हटा दिया। फिलहाल, सागर बूथ पर कड़ी सुरक्षा में शांतिपूर्ण मतदान जारी है। पैक्स चुनाव की ड्यूटी में तैनात पुलिस को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने रौंदा जमुई-लखीसराय मुख्य सड़क के मंझवे गांव के पास पैक्स चुनाव की ड्यूटी में तैनात एक पुलिस जवान को अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने रौंद दिया। इस घटना में पुलिस जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घायल जवान की पहचान मलयपुर निवासी सूरज कुमार चौधरी के रूप में की गई है। जानिए पैक्स होता क्या है? प्रथम साख समितियां यानी पैक्स एक सहकारी समिति है। इससे किसानों को काफी सुविधा मिलती है। इसके जरिए कम ब्याज में किसानों को खेती के लिए लोन, बीज, खाद, दवाई और उससे जुड़े सामान मुहैया कराई जाती है।पैक्स चुनाव में वही लोग मतदान करते हैं, जो पैक्स के सदस्य होते हैं। बाहरी लोग या आम जनता वोटिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं होते हैं। इसका चुनाव बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार करवाता है।

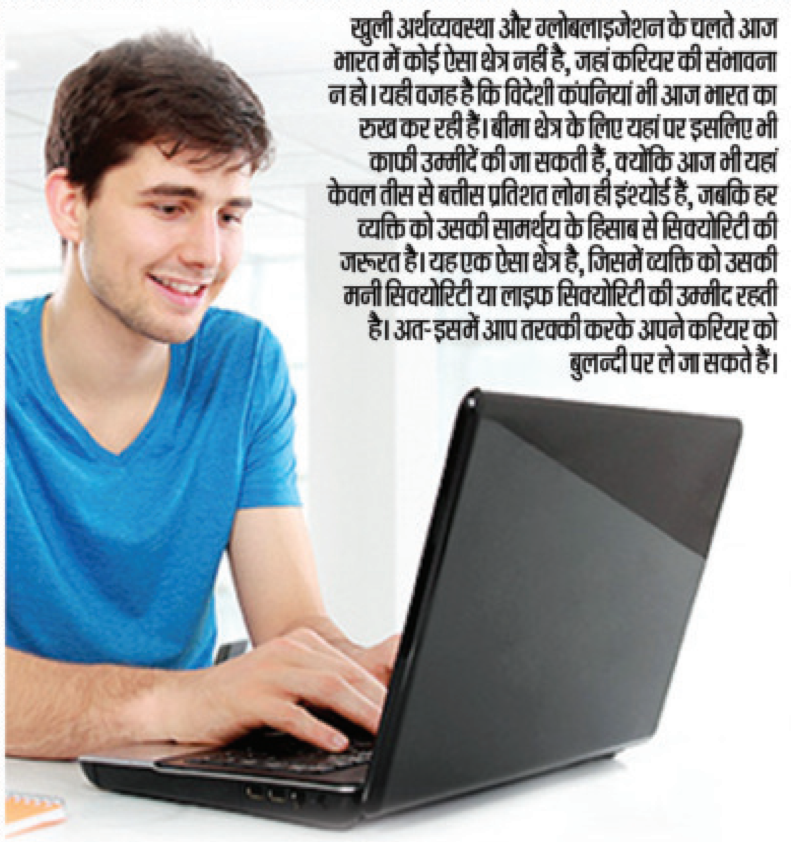

खुली अर्थव्यवस्था और ग्लोबलाइजेशन के चलते आज भारत में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां करियर की संभावना न हो। यही वजह है कि विदेशी कंपनियां भी आज भारत का रुख कर रही है। बीमा क्षेत्र के लिए यहां पर इसलिए भी काफी उम्मीदें की जा सकती है, क्योंकि आज भी यहां केवल तीस से बत्तीस प्रतिशत लोग ही इंश्योर्ड है, जबकि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य के हिसाब से सिक्योरिटी की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति को उसकी मनी सिक्योरिटी या लाइफ सिक्योरिटी की उम्मीद रहती है। अत- इसमें आप तरक्की करके अपने करियर को बुलन्दी पर ले जा सकते हैं।

इंश्योरेन्स
करियर की सिक्योरिटी

मार्केटिंग के इस दौर में हर काम को व्यवसाय की दृष्टि से देखा जा रहा है। यही कारण है कि पहले की अपेक्षा लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और तकरीबन हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान से निकल कर आगे की सोचने लगा है। अब हर किसी की चाहत रहती है कि वह एक स्टैण्डर्ड लाइफ जिए तथा हर तरह की सुविधाओं के अतिरिक्त उसके पास बैंक बैलेन्स और लाइफ सिक्योरिटी हो। ऐसे में इंश्योरेन्स सेक्टर एक ऐसा सेक्टर है, जो व्यक्ति की दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति का दावा करता है। भारत में आज भी बहुत कम लोग बीमित हैं। यही कारण है कि आज विभिन्न कंपनियों के साथ बैंक भी इस क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे हैं।

एक सर्वे के अनुसार, पिछले दस-बारह सालों में इंश्योर्ड यानी बीमित लोगों की संख्या दोगुनी के करीब हुई है अर्थात् भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर का पदार्पण काफी पहले होने के बाद भी इस क्षेत्र में उतनी तरक्की नहीं हुई, जितनी कि वर्ष 2000 के बाद हुई और इस संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सर्वे के मुताबिक कुल बीमित व्यक्तियों की संख्या में हर साल करीब दस प्रतिशत लोग नए जुड़ जाते हैं और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पन्द्रह वर्षों में भारत में करीब साठ प्रतिशत लोग बीमित हो सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव माइंड के हैं और पॉजीटिव सोच रखते हैं तो इंश्योरेंन्स के दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का भरोसा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज भी देहातों में इंश्योरेन्स के प्रति लोगों में जागरुकता का खासा अभाव है। हालांकि जब से इंश्योरेन्स कम्पनियों ने छोटे शहरों और कस्बों की ओर रुख किया है, तब से काफी हद तक लोग इंश्योरेन्स को सही मायनों में समझने लगे हैं। लेकिन कम सर्विस और पहुंच के अभाव में अभी भी अधिकतर लोगों को इंश्योरेन्स की उतनी जानकारी नही है, जितनी होनी चाहिए। ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में इंश्योरेन्स बेचने और वहां के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने, उन्हें जागरुक करने के लिए सभी इंश्योरेन्स कम्पनियों को कर्मठ और योग्य लोगों की जरूरत रहती है। एक कम्पनी के ट्रेनिंग मैनेजर अजय कुमार बताते हैं कि 'एशियाई देशों में बहुत कम लोग इंश्योर्ड हैं, जबकि आज हर किसी को हाई रिस्क सेफ्टी की जरूरत है। एक सर्वे के अनुसार, हमारे देश में कुल बीस प्रतिशत लोग इंश्योर्ड थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब तीस से बत्तीस प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। वर्ष 2000 तक भारत में काफी कम कम्पनियां इस सेक्टर से जुड़ी थी, जबकि आज करीब 47 कम्पनियां लाइफ इंश्योरेन्स और जनरल इंश्योरेन्स से जुड़ी हैं, जिनमें लाइफ इंश्योरेन्स करने वाली कम्पनियों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा कुछ बैंक भी इस सेक्टर से जुड़ चुके हैं। इधर विदेशी कम्पनियों ने भी अपने व्यवसाय जमाने शुरू कर दिए हैं।

यदि आप भी मार्केटिंग से जुड़े हैं या जुड़ना चाहते हैं तो इंश्योरेन्स में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इंश्योरेन्स सेक्टर में आपने कोई कोर्स किया हो अथवा नही, आप इस क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं। यही एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप बिना किसी स्पेशल कोर्स के भी कम से कम बतौर एजेन्ट आगे बढ़ सकते हैं। किसी कम्पनी में बतौर एजेन्ट काम शुरू करना पहली सीढ़ी है, लेकिन जैसे-जैसे बिजनेस यानी आपका टारगेट पूरा होता जाता है, वैसे-वैसे प्रमोशन भी होता जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी पद पर प्रमोशन के लिए कम से कम एक साल मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति हर वर्ष प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकता है।

दूसरे सेक्टरों की अपेक्षा इंश्योरेन्स सेक्टर एकदम भिन्न है। दूसरे सेक्टरों में जहां काम करने के घंटे निर्धारित होते हैं, इसमें टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती, बस आपको ग्राहक से अपनी डीलिंग के हिसाब से चलना पड़ता है। इस सेक्टर में मेहनती और ईमानदार वर्कर्स की बेहद कद्र होती है। इसके लिए जो लोग इस क्षेत्र में अपनी कम्पनी के अधिकतम टारगेट या उससे अधिक का बिजनेस देते हैं, कम्पनी उनको तरह-तरह के आकर्षक और कीमती पुरस्कारों के अतिरिक्त देश-विदेश यात्रा का मौका देती है। इस क्षेत्र में लड़के-लड़कियां दोनों ही अपना भविष्य संवार सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कुछ संस्थानों में एससी/एसटी तथा विकलांग और कुछ में पिछड़ा वर्ग को स्कॉलरशिप का प्रावधान है। संबंधित संस्थानों के अपने नियम हैं।

नौकरी के अवसर - इंश्योरेन्स एंड मैनेजमेंट के लोग इंश्योरेन्स, बैकिंग, शेयर बाजार तथा इंश्योरेन्स सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में नौकरी तलाश कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोई कोर्स नहीं किया है, वे भी बतौर एजेन्ट या आईएसओ या बीडीओ या एक्जीक्यूटिव इस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन - उम्मीदवार संस्थान की प्रवेश स्वीकृति के उपरान्त एजुकेशन लोन ले सकते हैं। लगभग सभी बैंक इसके लिए लोन प्रदान करते हैं। अधिकतम दस लाख तक का लोन मिल सकता है।

वेतन - इंश्यारेंस से संबंधित कोर्स करने वाले व्यक्ति को पन्द्रह हजार से पचास हजार (फ्रेशर की स्थिति में) तथा चालीस से दो लाख तक अनुभव और कोर्स के हिसाब से प्रतिमाह मिल जाते हैं।

करियर की अपार संभावनाएं
होटल मैनेजमेंट

उदारीकरण के विस्तार में यह निश्चित है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती इस क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयां देगी। पर्यटन और होटल इंडस्ट्री की जुगलबंदी से न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी रोजगार के बेशुमार अवसर सामने आ रहे हैं। भारत की होटल इंडस्ट्री के लिए इसे स्वर्ण युग ही कहा जाएगा और इसमें करियर बनाने वालों के लिए यह अपार संभावनाओं का समय है।

यह ग्लैमर से भरपूर ऐसा पेशा है, जिसमें अच्छे व प्रशिक्षित लोगों की फिलहाल कमी है। कहने को तो अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी रोजगार तलाशने वालों की कमी नही है, किन्तु ऐसे लोगों की कमी है, जो इस पेशे के लिए जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हों। भारत में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों का आलम यह है कि यहां के होटलों में कमरे खाली नहीं मिलते। एशिया प्रशांत क्षेत्र में होटल इंडस्ट्री के विकास के मामले में भारत का नम्बर चीन के बाद दूसरा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में होटलों में 1,10,000 से भी अधिक कमरे हैं। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 41 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए और इस साल के रुझान को देखते हुए लगता है कि यह संख्या एक करोड़ को भी पार कर जाएगी। देशी भ्रमणकारियों की भी बड़ी संख्या है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल, भारत के आंकड़े कहते हैं कि बिजनेस ट्रैवल के मामले में भारत का स्थान 18वां है और इस दशक में इसके पांचवें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। इन बातों के आईने में यह साफ नजर आता है कि होटल मैनेजमेंट कोर्स करके इस क्षेत्र में करियर बनाना एक समझदारी भरा निर्णय हो सकता है।

होटल इंडस्ट्री में कैसा काम

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु कार्य करने से लेकर प्रबंधक बनने तक अनुभव व कार्य कौशल के कई चरणों से होकर गुजरना होता है। यह उम्मीदवार को तय करना पड़ता है कि किस विभाग के कार्य में उसकी विशेष रुचि है और आने वाले समय में उसका लक्ष्य क्या है। यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा कि उसे कैसा अवसर मिल पाता है। वैसे किसी भी होटल में प्रबंधक व तमाम विभागों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। कुछ पर नजर डालते हैं-

प्रबंधक

होटल के प्रबंधक इस बात के लिए जिम्मेदार होते हैं कि उनका होटल सुचारू रूप से चले और लाभ कमाए। महाप्रबंधक तो इस बारे में अपनी योग्यता का इस्तेमाल करते हैं कि वित्त की स्थिति ठीक रहे, कर्मचारी अतिथियों को स्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान के नियमों का भी पालन करें, हाउसकीपिंग ठीक हो, खाने का स्वाद व क्वालिटी ठीक हो, होटल की आंतरिक साज-सज्जा उच्च कोटि की हो इत्यादि। अलग-अलग विभागों के सहायक प्रबंधक अपने विभागों के कार्य पर निगरानी रखते हैं। बड़े होटलों में तो रेजिडेंट मैनेजर भी होते हैं।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारी होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हैं। यहां रिसेप्शन होता है, सूचना डेस्क होता है, अतिथियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था देखने वाले होते हैं और बेलकैप्टन, बेल बॉय और डोरमैन होते हैं। ये लोग अतिथियों का सामान उनके कमरे में पहुंचवाने से लेकर उनको सूचनाएं भिजवाने का कार्य करते हैं।

फूड एंड बेवरेज (एफ एंड बी)

इस विभाग में तीन ईकाइयां होती हैं- पाकशाला यानी किचन, स्टीवर्ड विभाग और फूड सर्विस विभाग। इस विभाग के मैनेजर और कर्मचारी मिल कर इस विभाग की जिम्मेदारियों को निपटाते हैं। खाना बनाने से लेकर परोसने तक का काम यहां होता है। इससे जुड़ी हर चीज का रख-रखाव करना होता है।

हाउसकीपिंग

किसी भी होटल को उम्दा किस्म की देखभाल की जरूरत होती है। हाउसकीपिंग विभाग सभी कमरों, मीटिंग हॉल, बैंक्वेट हॉल, लाउंज, लॉबी, रेस्तरां इत्यादि की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उठाता है। हर चीज करीने से दिखनी चाहिए, यह इस विभाग के काम करने का मूलमंत्र है। यह होटल का बेहद महत्तवपूर्ण विभाग है और 24 घंटे काम करता है। इसमें पालियों में काम होता है।

मार्केटिंग विभाग

आज होटल में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं की मार्केटिंग होटल मैनेजमेंट का अहम पहलू है। यह विभाग संभावित ग्राहकों की जरूरतों के लिहाज से पैकेज तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इनकी काबिलियत का ही प्रत्यक्ष लाभ होटल को मिलता है। बेहतर पैकेजिंग से आकर्षित होकर जितने ग्राहक आते हैं, वे होटल को न सिर्फ बिजनेस देते हैं, बल्कि दूसरों को भी बताते हैं। इन सबके अलावा होटल में भी अन्य वे विभाग होते हैं, जो दूसरे संगठनों या कंपनियों में होते हैं, जैसे अकाउंट्स, सिक्योरिटी, मेंटेनेंस इत्यादि। अब आपको तय करना है कि एक कामयाब करियर होटल मैनेजमेंट की चुनौतियों को स्वीकार करना है कि नहीं। इंडस्ट्री तो अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित लोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

पढ़ाई व प्रशिक्षण

अब सवाल यही उठता है कि होटल इंडस्ट्री में काम करने के लिए कहां से क्या पढ़ा जाए तथा कैसा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए? इस विषय में पढ़ाई करने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीजी कोर्स तक उपलब्ध हैं, जिन्हें अलग-अलग संस्थान कराते हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स कराने वाले सरकारी संस्थान हैं और निजी संस्थान भी। सरकारी संस्थानों में अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेते हैं और निजी संस्थानों में साक्षात्कार व अंक प्रतिशत के आधार पर चयन किया जाता है। निजी संस्थानों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को अपनी सुविधा और सामर्थ्य के मुताबिक संस्थान का चयन करना चाहिए। सरकारी संस्थान बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो बेहतर हो सकते हैं, किन्तु उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका नहीं है। फिर भी सरकारी तंत्र के अपने लाभ हैं। बहरहाल, निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं -

- बेकरी एंड कन्फेक्शनरी/होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग/रेस्तरां एंड काउंटर सर्विस में एक वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में चार वर्षीय स्नातक डिग्री
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीएससी
- हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीए
- इंटरनेशनल होटल्स में दो साल का पीजी डिप्लोमा
- हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में दो साल की एमएससी
- होटल एंड कैटरिंग मैनेजमेंट में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

होटल इंडस्ट्री सीधे तौर पर पर्यटन से जुड़ी है, परन्तु पर्यटकों का आना ही काफी नहीं होता, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं भी काफी महत्त्वपूर्ण होती हैं। उनकी गुणवत्ता के आधार पर ही पर्यटकों को इस ओर आकर्षित किया जा सकता है। इसके अलावा बढ़ते औद्योगीकरण ने भी होटल व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने में मदद की है।

योग्यता

इन पाठ्यक्रमों को करने के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं/12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

नौकरी के अवसर

होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वालों के लिए कई विकल्प हैं-

- होटल एवं हॉस्पिटेलिटी उद्योग में मैनेजमेंट प्रशिक्षु।
- होटलों में किचन मैनेजमेंट या हाउसकीपिंग मैनेजमेंट।
- एयरलाइन केटरिंग एंड केबिन सर्विसेज।
- होटल एवं अन्य सर्विस सेक्टर में गेस्ट या कस्टमर रिलेशन एक्जिक्यूटिव।
- फास्ट फूड चेन। ल्ररिसोर्ट मैनेजमेंट।
- क्रूज शिप होटल मैनेजमेंट, ल्गेस्ट हाउसेज।
- हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड केटरिंग।
- रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन।
- स्वरोजगार

वेतन

कोर्स पूरा करने के बाद नौकरी के तमाम अवसर हैं, जिनमें अपनी रुचि और दक्षता के आधार पर करियर बनाया जा सकता है। इनमें शुरुआती स्तर पर 12,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियमित नौकरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा और कुशलता आएगी, वेतन उसी अनुपात में बढ़ता जाएगा, जो लाखों में भी हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

इस पेशे में रुचि रखने वालों के लिए सबसे जरूरी तो यह है कि उनका व्यक्तित्व आकर्षक हो। उनमें ऐसी बात हो कि उससे उनका दोस्ताना रवैया झलके। उनके करीब आते ही सामने वाला इस बात के लिए न हिचके कि वह उनसे मदद मांगे कि नहीं। व्यक्ति ऐसे होने चाहिए कि उनसे शालीन खुलेपन की सुगंध आए। वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें, न कि टालमटोल और दूसरों पर डालने की प्रवृत्ति के मारे हों। काम को मिलजुल कर करने का हौसला रखते हों तो क्या कहने। किसी भी मसले पर तरतीब से सोचने की क्षमता हो और प्रशासनिक दक्षता भरपूर हो। इनके अलावा स्वस्थ हों और किसी भी समय कार्य करने के लिए तत्पर हों। आत्म-विश्वास और हर काम की बारीकियों को समझने और उसे अपेक्षानुसार करने का गांभीर्य भी होना चाहिए उन सबमें, जो इस स्वागत सत्कार के संसार में अपनी पहचान बनाने की हिम्मत रखते हों। बताने की जरूरत नहीं कि होटल में आने वाला हर गेस्ट खास होता है। लिहाजा उसकी हर बात को गंभीरता से लेना होता है और उसे समझदारी से संभालना होता है। काम के दबाव में भी आपके चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, ऐसा इंडस्ट्री के पंडित कहते हैं। यदि ऐसा कुछ आप में है तो कोई वजह नहीं कि कोई आपको नकार दे।

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होने के बाद दिल्ली कैपिटल्स और फैंस का किया धन्यवाद

पर्थ (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ पंत ने फ्रैंचाइजी को अलविदा कहते हुए इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। पंत ने फ्रैंचाइजी में अपने शानदार 9 साल के सफर को याद किया और लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होने से पहले प्रशंसकों का धन्यवाद किया। पंत 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ लखनऊ स्थित टीम में शामिल हुए।

सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लकनऊ और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मेगा-नीलामी में खिलाड़ी के लिए होड़ लगी हुई थी। दिल्ली ने आखिरी समय में राइट टू मैच का इस्तेमाल किया, लेकिन लखनऊ की 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली भारी पड़ गई।

ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर कमाल का रहा है। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ा हूं जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले 9 सालों में हम साथ-साथ बड़े हुए।'

पंत आगे लिखते हैं, 'इस सफर को सार्थक बनाने वाली चीज आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा हौसला बढ़ाया और मेरे जीवन के सबसे मुश्किल दौर में मेरे साथ खड़े रहे। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। मैं जब भी मैदान पर उतरूंगा, आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया।'

ऋषभ पंत लखनऊ की टीम की कप्तानी कर सकते हैं जिसने मेगा-नीलामी से पहले केएल राहुल को रिलीज कर दिया। पंत से लखनऊ की प्लेइंग इलेवन में जान फूंकने की उम्मीद है, जो पिछले सीजन में शीर्ष क्रम से प्रेरणा पाने में विफल रही थी।

आईसीसी 29 नवंबर को करेगा अहम बैठक, चैंपियन्स ट्रॉफी पर लिया जाएगा फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का बोर्ड अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 29 नवंबर को वर्चुअल (ऑनलाइन) बैठक करेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित करने में काफी विलंब हो चुका है। देरी का कारण भारत द्वारा दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना है।

भारत ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चाहता है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाए जिसमें भारत के मुकाबले किसी तीसरे देश में आयोजित किए जाएं। इस पर अब तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सहमति नहीं जताई है। आईसीसी के प्रवक्ता ने मंगलवार को पीटीआई को बताया, 'आईसीसी बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए 29 नवंबर को बैठक करेगा।'

यह महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक बीसीसीआई सचिव जय शाह के एक दिसंबर को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने से दो दिन पहले हो रही है। वह और बोर्ड के अन्य सदस्य नए पदाधिकारियों के कार्यभार संभालने से पहले मामले को सुलझाने के इच्छुक होंगे।

वेंकटेश को टीम में रखना हमारी प्राथमिकता में शामिल था इसलिए पूरा जोर लगा दिया: ब्रावो

मुम्बई (एजेंसी)। जेद्दा - कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर (मार्गदर्शक) और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम के 'मुख्य खिलाड़ियों' को बरकरार रखने के इरादे से वेंकटेश अय्यर को अपने साथ जोड़ने के लिए 'पूरी ताकत लगाने' की टीम की रणनीति का बचाव किया है।

केकेआर के लिए कप्तानी के संभावित दावेदार के रूप में देखे जाने वाले वेंकटेश को टीम के साथ जोड़ने ने आलोचनाओं को जन्म दिया है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हें रिटेन (टीम के साथ बरकरार रखना) क्यों नहीं किया गया। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ चार आईपीएल खिताब जीतने वाले ब्रावो ने कहा, 'वैंकी (वेंकटेश अय्यर) को

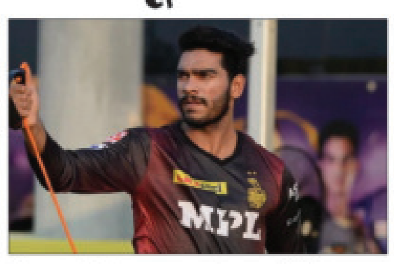

जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था, जैसा कि आप देख सकते हैं हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया।' उन्होंने कहा, 'यह अच्छा है हमारे पास चैंपियनशिप जीतने वाली टीम के 90 प्रतिशत खिलाड़ी हैं। यह अपने आप में सकारात्मक संकेत है। जब आप शुरू से टीम तैयार करते हैं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखें, संयोजन तैयार करना काफी जटिल होता है।'

भारत के लिए 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 2 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले मध्य प्रदेश के 29 वर्षीय ऑलराउंडर वेंकटेश को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा। वह सोमवार को यहां संपन्न दो दिवसीय आईपीएल नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सिर्फ ऋषभ पंत (लखनऊ, 27 करोड़) और श्रेयस अय्यर (पंजाब, 26.75 करोड़ रुपये) के लिए उनसे अधिक बोली लगी।

ब्रावो तूफानी तेज गेंदबाज उमरान मलिक के केकेआर से जुड़ने को लेकर भी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, 'वह जिस गति से गेंदबाजी करता है, मैं हमेशा उसकी सराहना करता हूं। उसकी कड़ी मेहनत, ऊर्जा और सभी चीजें। खुशी है कि हम उसे अपने साथ जोड़ पाए।'

गंभीर अचानक स्वदेश लौटे

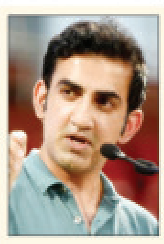

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर आचानक ही ऑस्ट्रेलिया दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं। गंभीर के इस प्रकार स्वदेश लौटने का कारण परिवार में किसी आपात स्थिति को बताया गया है। गंभीर अब कैनबरा में 30 नवंबर से होने वाले दो दिवसीय दिन रात के अभ्यास मैच के अलावा छह दिसंबर से एडीलेड में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच तक भी टीम से नहीं जुड़ पायेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'वह मंगलवार की सुबह भारत के लिए रवाना हो गए। यह एक निजी आपात स्थिति थी। वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। वहीं भारतीय टीम 27 नवंबर को कैनबरा रवाना होगा जहां पूरी टीम ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस द्वारा उनके सम्मान में दिये जाने वाले समारोह में भाग लेगी। दो दिवसीय मैच दिन रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए काफी अहम माना जा रहा है। इसमें गुलाबी कूकाबूरा गेंद का प्रयोग होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री एकादश की कप्तानी हरफनमौला जैक एडवर्ड्स करेंगे जबकि टीम में कई युवा खिलाड़ियों के साथ ही स्कॉट बोलैंड और मैथ्यू रेनशॉ जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

सूर्यवंशी को निखरने के लिए राजस्थान रॉयल्स में अच्छा माहौल मिलेगा : राहुल द्रविड़

जेद्दा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र में उनकी टीम 13 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को निखरने के लिए अच्छा माहौल दे सकती है। बिहार के समस्तीपुर जिले के आठवीं कक्षा के छात्र सूर्यवंशी को रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा और वह आईपीएल करार पाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। द्रविड़ ने आईपीएल द्वारा जारी वीडियो में कहा, 'मुझे लगता है कि उसमें अच्छा कौशल है और हमें लगा कि उसके विकास के लिए हम अच्छा माहौल दे सकते हैं। वह हमारे ट्रायल के लिए आया था और उसे देखकर हमें बहुत खुशी हुई।' नीलामी में सूर्यवंशी का बेसप्राइज 30 लाख रुपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने पहली बोली लगाई। राजस्थान ने दिल्ली को पछाड़कर इस खिलाड़ी को खरीदा। सूर्यवंशी ने हाल ही में चेन्नई में आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ भारत अंडर 19 टीम के लिये युवा टेस्ट में शतक जमाया था और वह यह श्रेय हासिल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। सूर्यवंशी ने उस मैच में 62 गेंद में 104 रन बनाए थे। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शनिवार को बिहार के लिए टी20 क्रिकेट में पदार्पण करके छह गेंद में 13 रन बनाए। जूनियर सर्किट पर चर्चा में रहे सूर्यवंशी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। उन्होंने पांच मैचों में 10 की औसत से रन बनाए हैं। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले सूर्यवंशी ने मुंबई के खिलाफ 2023-24 रणजी ट्रॉफी सत्र में पदार्पण किया जब आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी उम्र 12 वर्ष 284 दिन थी जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में बिहार के लिये वीनू मांकड़ ट्रॉफी खेलकर पांच मैचों में 400 के करीब रन बनाये थे।

एडीलेड टेस्ट के लिए टीम में बदलाव नहीं करेगा ऑस्ट्रेलिया, मार्श की फिटनेस पर नजरें : मैकडोनाल्ड

पर्थ (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि पहले टेस्ट में भारत के हाथों 295 रन से हारने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा हालांकि हरमनमौला मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताएं हैं। मैकडोनाल्ड ने बताया कि उनकी टीम छह दिसंबर से शुरू हो रहे दिन रात के टेस्ट के लिये पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से पहले ही एडीलेड पहुंचेंगी ताकि अतिरिक्त अभ्यास कर सके।

उन्होंने कहा, 'पर्थ टेस्ट के लिए जो लोग चेंज रूम में थे, वही एडीलेड में भी होंगे। बदलाव करने पर हमेशा विचार होता है लेकिन हालात के अनुसार टीम चुनी जाती है।' सितंबर में इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के बाद से फिटनेस समस्या से जूझ रहे मार्श ने पहले टेस्ट में सिर्फ 17 ओवर डाले और तीन विकेट लिए। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पहले टेस्ट में उसका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। हमें उसकी फिटनेस पर नजर रखनी होगी।' पिछली दस टेस्ट पारियों में 13.66 की औसत से ही रन बना सके मार्नस लाबुशेन का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के करियर के उतार-चढ़ाव पर लगातार बात होती रहती है। खराब दौर आते हैं लेकिन वह जल्दी ही फॉर्म में लौटेगा। हमें उसकी क्षमता पर यकीन है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी हमें जरूरत है।' मैकडोनाल्ड ने करारी हार के बावजूद टीम के मजबूत मनोबल की बात की। उन्होंने कहा, 'हमें इस हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। हम कोचों को भी। इस हार के बावजूद टीम का मनोबल ऊंचा है। हमारी रणनीति सही थी लेकिन उस पर अमल नहीं हो सका।'

पिछले एक दशक में खेलों का तेजी से विकास हुआ : बिंद्रा

गुड़गांव (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कहा है कि पिछले एक दशक में देश में खेलों का तेजी से विकास हुआ है और खेल में नई-नई प्रतिभाएं उभरी है। अब इस खेल में जो प्रतिभाएं आ रही हैं उनमें गहराई भी है। जिस प्रकार की सफलता मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में हासिल की उससे ये साबित हुआ है। मनु ने ओलंपिक निशाने बाजी में दो कांस्य पदक जीत थे। बिंद्रा ने में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में भारत में आज जैसी प्रतिभा है, वह इस किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी अधिक प्रगति की है। पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन कर इससे साबित किया था। पेरिस में मनु के अलावा सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य पदक जीते थे। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए थे हालांकि असफलता भी खेल का ही हिस्सता है। इससे एथलीटों और महासंघ ने सबक सीखा है जिसके कारण ही हमें पेरस में अच्छे परिणाम मिले। बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लय जारी रहेगी और रणनीतिक योजना जारी रहेगी। छोटी-छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं, उनका ध्यान रखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश निशानेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहेगा। गौरतलब है कि साल 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने निशानेबाजी, हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती को अपने कार्यक्रम से हटा दिया है जिससे ग्लासगो में भारत की पदक संभावनाओं को झटका लगा है पर बिंद्रा का मानना है कि इन खेलों में एक बार फिर निशानेबाजी को शामिल किये जाने की उम्मीद उन्हें है।

अतीत के संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया: यशस्वी जायसवाल

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ - क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने के लिये उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदानकर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिए तैयार कर दिया। कारपेट बनाने के लिये मशहूर भदोही से आस्ट्रेलिया के पर्थ तक जायसवाल का सफर उनकी लगन, प्रतिबद्धता और जिजीविषा की कहानी कहता है। इन संघर्षों से मिले अनुभव का इस्तेमाल वह मैदान के भीतर और बाहर की हर लड़ाई जीतने के लिए कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में शानदार शतक जमाने वाले जायसवाल को विराट कोहली के बाद भारतीय बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा है। जायसवाल ने कहा, 'यह ऐसी चीज है (अपनी कहानी) जो मुझे आत्मविश्वास देती है कि मैं किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकता है। मैं हमेशा संघर्ष का सामना करने को तैयार रहता हूं। मुझे चुनौतियों का सामना करने में मजा आता है और मैं हर लड़ाई जीतना चाहता हूं।'

22 वर्ष के इस बल्लेबाज ने कहा, 'इससे मैं यही सीखता हूं और मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसी जिंदगी मिली जिससे मुझे खुद के बारे में सीखने का मौका और आत्मविश्वास मिला। जीवन में अलग अलग तरह की चुनौतियों का सामना करने का हौसला मिला। यह अद्भुत है और मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, उसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वही कर रहा हूं जिससे मुझे प्यार है। मैं हर गेंद का मजा लेना चाहता हूं।'

पर्थ में पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाने के बाद दूसरी पारी में शतक पूरा होने के बाद अलग अंदाज में जश्न के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा, 'मैंने अलग अंदाज में शतक पूरा किया। मैं दिमाग में कुछ और सोच रहा था और अचानक कुछ और हो गया, जिसके बाद मैं सोच रहा था कि अब क्या करूं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने फिर सोचा, चलो ठीक है। मैं इस पल का मजा लेता हूं। मैं भाग्यशाली हूं और यह अनुभव मेरे साथ हमेशा रहेगा। मैंने अपने सभी प्रियजनों और प्रशंसकों को चुंबन दिया। मैं इसके जरिए अपना प्यार उन तक पहुंचाना चाहता था।' उन्होंने कहा, 'मैंने वाट्सअप पर अपने परिवार को कॉल किया और उनके साथ भी जश्न का हिस्सा बना। मेरा भाई मुझसे हमेशा क्रिकेट के बारे में बात करता है।' भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीता जिसमें जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे।

आईपीएल मेगा नीलामी : किस टीम ने किस प्लेयर को खरीदा, देखें पूरी लिस्ट

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। सऊदी अरब के जेद्दा में हुई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में सभी 10 आईपीएल फ्रैंचाइजियों ने खूब खरीदारी की। सीजन के लिए कुल 577 खिलाड़ियों (367 भारतीय, 210 विदेशी) के लिए बोली लगी थी। पिछले साल 24.75 करोड़ में बिकने वाले मिशेल स्टार्क को इस बार आधे से भी कम कीमत पर खरीदा गया है। केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपए में खरीदा है और अब ऋषभ पंत भी उनके पास नहीं है तो ऐसे में उन्हें कप्तानी मिलने की भी संभावना है। इससे पहले पिछले सीजन में वह लखनऊ सुपर जाइंट्स की कप्तानी कर चुके हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स

रुतुराज गायकवाड़, मथीश पथिराना, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, आर. अश्विन, खलील अहमद, नूर अहमद, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख रशीद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजापनीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

मुंबई इंडियन्स

जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेल्टन, दीपक चाहर, अल्लाह गजांफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत , राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, रजत पाटीदार, यश दयाल, लियाम लिविंगस्टोन, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जोश हेजलवुड, रसिख डार, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल , देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक चिकारा।

कोलकाता नाइट राइडर्स

रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, रमनदीप सिंह, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, एनरिक नॉर्टजे, अंगकृष रघुवंशी, वैभव अरोड़ा, मयंक मार्कंडेय, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, स्पेंसर जॉनसन, लवनिथ सिसौदिया, अजिंक्य रहाणे, अनुकूल रॉय, मोईन अली, उमरान मलिक।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा, नितीश रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, इशान किशन, राहुल चाहर, एडम जम्पा, अथर्व ताइडे, अभिनव मनोहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्से, कामिंडु मेंडिस , अनिकेत वर्मा, ईशान मलिंगा, सचिन बेबी।

राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन, यशस्वी जयसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, संदीप शर्मा, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, नितीश राणा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, युद्धवीर सिंह, फजलहक फारूकी, वैभव सूर्यवंशी, क्वेना मफाका।

पंजाब किंग्स

शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नेहल वढेरा, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, मार्को यानसन, जोश इंगलिस, लॉकी फर्ग्यूसन, अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर पन्नू ,कुलदीप सेन, प्रियांश आर्य, एरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, जेवियर बार्टलेट, पाइला अविनाश, प्रवीण दुबे।

दिल्ली कैपिटल्स

अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, टी. नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा, फाफ डु प्लेसिस, मुकेश कुमार, दर्शन नालकांडे, वी. निगम, दुष्मंथा चमीरा, डोनोवन फरेरा, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी।

गुजरात टाइटंस

राशिद खान, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, जोस बटलर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, मानव सुथार, वाशिंगटन सुंदर, गेराल्ड कोएत्जी, अरशद खान , गुरनूर बरार, शेरफेन रदरफोर्ड, साई किशोर, ईशांत शर्मा, जयंत यादव, ग्लेन फिलिप्स, करीम जनत।

लखनऊ सुपर जायंट्स

ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, मोहसिन खान, आयुष बडोनी, ऋषभ पंत, डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, मिशेल मार्श, अवेश खान, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

वैभव के पिता ने उम्र संबंधी धोखाधड़ी के आरोपों को गलत बताया

पटना। बिहार के 13 साल के किशोर वैभव सूर्यवंशी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा है। वैभव अब आईपीएल के लिए शामिल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। वैभव ने इससे पहले कहा था कि वह सितंबर 2023 में 14 साल के हो जाएंगे। इस पर उन्होंने कहा था कि 27 सितंबर 2023 को मैं 14 साल को हो जाउंगा। वहीं आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी जन्मतिथि 27 मार्च 2011 है। इसके बाद से ही उन पर उम्र संबंधी धोखाड़ी के आरोप लगने लगे हैं। इस पर अब वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी का बयान सामने आया है। संजीव ने कहा, जब वह साढ़े आठ साल का था, तब उसने पहली बार बीसीसीआई के बोन टेस्ट के लिए आवेदन किया था। वह पहले ही भारत अंडर-19 खेल चुका है। हमें किसी से डर नहीं है। वह फिर से आयु परीक्षण से गुजर सकता है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने इस साल की शुरुआत में मुंबई के खिलाफ अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के बाद से अब तक पांच रणजी ट्रॉफी खेलों में भाग लिया है। उन्होंने हाल ही में 23 नवंबर को राजस्थान के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू भी किया था। इससे पहले वैभव सूर्यवंशी ने भी ट्रायल में भाग लिया था और युवा खिलाड़ी के पिता ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने उन्हें एक ओवर में 17 रन बनाने को कहा था। संजीव ने कहा, राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें नागपुर में ट्रायल के लिए बुलाया था। विक्रम राठौर सर ने मैच की स्थिति बताई, जिसमें उन्हें एक ओवर में 17 रन बनाने थे। इस पर वैभव ने 3 छक्के मारे। ट्रायल में उन्होंने आठ छक्के और चार चौके मारे। वह सिर्फ क्रिकेट खेलना चाहता है और कुछ नहीं। संजीव ने कहा, वो अब सिर्फ हमारा नहीं, पूरे बिहार का बेटा है। मेरे बेटे ने कड़ी मेहनत की है। 8 साल की उम्र में उसने अंडर-16 डिस्ट्रिक्ट ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं उसे क्रिकेट कोचिंग के लिए समस्तीपुर ले जाता था और फिर वापस भी ले आता था।

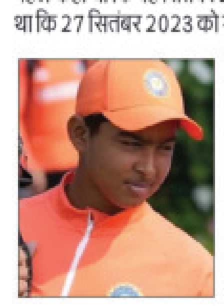

पहलवान साक्षी मलिक के घर आई नन्हीं मेहमान, 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पर रखा बेटी का नाम

नई दिल्ली । पहलवान साक्षी मलिक ने बेटी को जन्म दिया है, इसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम के माध्यम से दी। पोस्ट में साक्षी मलिक ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया। साक्षी ने अपने बेटी का नाम 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और 13 बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप विजेता साओरी योशिदा पर रखा है। बता दें कि, साक्षी ने बेटी को जन्म 11 नवंबर को दिया था। साक्षी ने अपने पोस्ट में लिखा कि, Proud Parents साक्षी और सत्यव्रत को ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में पुत्री धन की प्राप्ति हुई है। योशिदा कादियान ये पोस्ट साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की गई। बेटी के जन्म पर साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान को कई लोगों ने बधाई दी।

वंदे भारत को नहीं मिल रहे यात्री– 20 कोच से अब 8 कोच में बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। देश की कई वंदे भारत ट्रेनों को यात्री नही मिल रहे हैं। अधिकांश लोगों में इसके टिकट खरीदने की क्षमता नही है। यही वजह है कि नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को पर्याप्त यात्री नही मिल रहे हैं। सितंबर 2024 में शुरू हुई इस ट्रेन को औसतन 25 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ चलाना रेलवे के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। रेलवे अब इस ट्रेन को 8 कोच वाली रेक से बदलने और इसकी समय सारणी में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत 20 कोच के साथ चलती है और इसमें 1,440 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। हालांकि, यह ट्रेन अक्सर खाली रहती है। दिवाली की छुट्टियों को छोड़कर, इसे कभी भी फुल ऑक्यूपेंसी नहीं मिली। ट्रेन नागपुर से सुबह 5 बजे रवाना होती है और 7 घंटे 15 मिनट में सिकंदराबाद पहुंचती है। वापसी में यह दोपहर 1 बजे छूटकर रात 8-20 बजे नागपुर पहुंचती है। सेंट्रल रेलवे के नागपुर डिवीजन ने ट्रेन की ऑक्यूपेंसी बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए हैं। इनमें ट्रेन का प्रस्थान समय सुबह 7 बजे करने और मौजूदा 20 कोच वाली ट्रेन को 8 कोच वाली ट्रेन से बदलने का प्रस्ताव शामिल है। नागपुर डिवीजन ने इसे मुंबई हेडक्वार्टर और रेलवे बोर्ड को भेजा है। सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला ने कहा, मौजूदा रेक को 8 कोच वाले रेक से बदलने का प्रस्ताव है। इसे आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जा सकता है। यह ट्रेन की लागत और उपयोगिता दोनों में सुधार करेगा।

उग्रवादी संगठन उल्फा पर पांच साल बढ़ा प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठन उल्फा पर पांच साल का प्रतिबंध बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध केंद्र ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर बैन बढ़ाया है। यह संगठन 2019-24 के दौरान विस्फोटक लगाने के 16 मामलों में शामिल रहा है। उल्फा ने असम राज्य में स्वतंत्रता दिवस 2024 से पहले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का उपयोग किया है। केंद्र ने अब तक असम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही संगठनों के बीच 12 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह संगठन पूर्वोत्तर का एक मात्र प्रमुख संगठन है जो सरकार के साथ शांति वार्ता से बाहर है। उल्फा स्वतंत्र का नेतृत्व परेश बरुआ कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में पिछले पांच वर्षों में 50 की गिरफ्तारी और 63 कैडरों के आत्मसमर्पण, पुलिस और सुरक्षा बल की कार्रवाई में तीन कट्टर कैडरों की हत्या का हवाला दिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, यह समूह 27 अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं जिनकी जांच प्रवर्तन एजेंसियां कर रही हैं। आदेश में कहा गया है कि उल्फा की गतिविधियां भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरनाक हैं। यदि इन पर तुरंत अंकुश और नियंत्रण नहीं किया गया, तो उल्फा खुद को फिर से संगठित कर नागरिकों और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचा सकता है।

चेतावनी : 50 प्रतिशत हो जाएंगे तो उठा ले जाएंगे बेटियां : बाबा बागेश्वर

भोपाल। हिंदू एकता यात्रा पर निकले पं धीरेंद्र शास्त्री ने मुसलमानों के खिलाफ विवादित बयान दिया है। उन्होंने हिंदुओं को चेताते हुए कहा कि अभी मात्र 20 प्रतिशत मुसलमान है तो आए दिन पत्थरबाजी हो रही है जब ये 50 प्रतिशत हो जाएंगे तो सरेआम बेटियों को उठा ले जाएंगे। यात्रा के दौरान बाबा बागेश्वर से जब संभल की घटना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अभी तो हमारी एकता पर फोकस है। यदि तो हम हिंदुओं को बताना चाहते हैं कि 20 पर्सेंट में वो पत्थरबाजी कर रहे हैं 50 हो जाएंगे तो तुम्हारे घरों की बेटियों को उठा ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि संभल के उपद्रवियों को

जेलर के हाथ सौंपने की आवश्यकता है। बाबा ने यह भी कहा कि देश में 100 करोड़ हिंदू हैं, एक करोड़ को सड़क पर आना चाहिए नहीं तो आने वाले समय में वे घरों में कब्जा कर लेंगे। जाति का भेदभाव मिटाने के उद्देश्य से निकाली जा रही यात्रा के दौरान सोमवार को उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश नहीं बनाना चाहते तो तो जात-पात से ऊपर उठ जाओ। बॉलिवुड अभिनेता संजय दत्त भी उनकी यात्रा में शामिल हुए। बाबा बागेश्वर की यह यात्रा 29 नवंबर को पूरी होगी। छतरपुर के अपने आश्रम से वह ओरछा के राम राजा दरबार तक यह यात्रा निकाल रहे हैं। बागेश्वर बाबा की यात्रा में भारी भीड़ उमड़ रही है। एक स्थानीय अदालत के आदेश पर पिछले मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त था। रविवार को दोबारा टीम सर्वेक्षण के लिए पहुंची तो हिंसा भड़क उठी। पत्थराव और गोलीबारी में 4 लोगों की मौत हो गई तो कई लोग जख्मी हो गए। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद पूर्व में हरिहर मंदिर था।

अमेरिका में गुजराती युवक ने गुजराती मकान मालिक की हत्या कर लूटपाट की

अहमदाबाद। विदेशी धरती पर गुजरातियों की हत्या की अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं और उसके आरोपी भी वहीं के लोग थे। लेकिन अब जो घटना सामने आई है, वह चौंकाने वाली है। गुजराती वृद्धा की एक गुजराती युवक ने हत्या कर दी और 4500 डॉलर समेत कार लेकर फरार हो गया। हांलाकि अमेरिका की पुलिस ने आरोपी गुजराती युवक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा की मूल निवासी रीटाबेन आचार्य नामक वृद्धा अमेरिका के न्यूजर्सी में रहती थीं। वृद्धा ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर के मूल निवासी किशन सेठ नामक युवक को एक कमरा किराये पर दे रखा था। इस बीच अमेरिका की स्थानीय पुलिस किसी जांच के सिलसिले में रीटाबेन आचार्य के घर पहुंची और डोर बेल बजाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। कई बार डोर बेल बजाने के बावजूद जब दरवाजा नही खुला तो पुलिस किसी प्रकार घर में घुस गई। घर का दृश्य देख पुलिस चौंक उठी। रीटाबेन आचार्य अपने बिस्तर पर खून से लथपथ मृत पड़ी थीं।

अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी।

संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के लिए पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि रणनीति के तहत व्यवधान पैदा करना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

धनखड़ ने कहा, ''यह समय रचनात्मक संवाद, बहस और सार्थक चर्चा के माध्यम से हमारे लोकतांत्रिक मंदिरों की पवित्रता को बहाल करने का समय है ताकि हमारे लोगों की प्रभावी ढंग से सेवा की जा सके।'' इस बात का उल्लेख करते हुए कि संविधान ने निपुणता से लोकतंत्र के तीन स्तंभों – विधायिका,

कार्यपालिका और न्यायपालिका- को स्थापित किया और प्रत्येक की एक परिभाषित भूमिका है, धनखड़ ने कहा, ''लोकतंत्र का सबसे अच्छा पोषण तब होता है जब उसके संवैधानिक संस्थान अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों का पालन करते हुए समन्वय, तालमेल और एकजुटता से काम करें।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य के इन अंगों के कामकाज में, क्षेत्र विशिष्टता भारत को समृद्धि और समानता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों की ओर ले जाने में इष्टतम योगदान देने का सबसे अच्छा साधन है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे (राज्यसभा) और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू मंच पर मौजूद थे।

इस अवसर पर भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया गया। साथ ही 'भारत के संविधान का निर्माण-एक झलक' और 'भारत के संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा' शीर्षक वाली पुस्तकों का विमोचन किया गया। राष्ट्रपति ने संविधान के संस्कृत और मैथिली अनुवादों का अनावरण किया। यह समारोह 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराते हुए संविधान के निर्माताओं के योगदान का सम्मान करना है।

चेन्नई में बारिश नहीं ले रही थमने का नाम, हर तरफ जल प्रलय... आगे पांच दिन भारी

चेन्नई। चेन्नई में इन दिनों बारिश लगातार बारिश हो रही है। तमिलनाडु के चेन्नई में कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। चेन्नई मौसम विभाग (आरएमसी) द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया कि गहरे दबाव के कारण तटीय और डेल्टा जिलों में अगले पांच दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने मयिलादुथुराई, कराईकल, तिरुवरुर और नागपट्टिनम के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। कई अन्य जिले ऑरेंज अलर्ट पर हैं। दबाव के कारण रामनाथपुरम, तिरुचिरापल्ली, पेरम्बलुर, कल्लाकुरिची और चेंगलपट्टू जिलों के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है। इसके अलावा, अरियालुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई, विल्लुपुरम, पुडुचेरी, शिवगंगा, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, रानीपेट और तिरुवन्नामलाई जिलों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। बात दें कि तमिलनाडु में 21 नवंबर से ही भारी बारिश हो रही है, इसकारण रिहायशी इलाकों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। थूथुकुडी में राजगोपाल नगर, पुष्पा नगर, राजू नगर, पोस्टल टेलीग्राम कॉलोनी और शहर के अन्य इलाकों में भी भारी जलभराव की स्थिति है। इस महीने की शुरुआत में उदयनिधि स्टालिन ने लोगों को बारिश के लिए सरकार की तैयारियों का आश्वासन देकर कहा था, अक्टूबर में बारिश के प्रभाव के अध्ययन के आधार पर, हमने मोटर पंप और स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ा दी है। हमारे पास 1194 मोटर पंप, 152 सुपर सकर मशीनें हैं। अक्टूबर की तुलना में मोटर और मशीनों की नियुक्ति में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तमिलनाडु सरकार बारिश के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुरैना में मकान में हुआ विस्फोट, दो की मौत, दो महिलाएं मलबे में दबी

–आसपास के मकान भी धराशाही, जेसीबी से हटाया जा रहा मलबा

शिमला (एजेंसी)। मुरैना, (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के मुरैना में मकान में विस्फोट के कई घंटों बाद भी अभी तक मलबे से दो महिलाओं को नहीं निकाला जा सका है। पुलिस-प्रशासन, नगर निगम और एसडीईआरएफ की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। बिजली के खंभों से तार भी हटाए जा रहे हैं।

मुरैना में सोमवार देर रात एक मकान में विस्फोट हो गया था। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। दो अन्य मलबे में दब गई। पांच घायलों को मुरैना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनको प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। विस्फोट शहर के टंच रोड स्थित राठौर कॉलोनी निवासी मुंशी राठौर के मकान में हुआ। इसके आसपास बने चार और मकान भी गिर गए।

मुंशी राठौर के मकान में रहने वाले किरायेदार विस्फोट की जद में आ गए। इनमें से वैजयंती कुशवाहा और उनकी बेटी विमला कुशवाहा मलबे में दबी हैं। पड़ोसी राकेश राठौर का मकान भी विस्फोट से धराशाही हो गया। उनकी पत्नी विद्या राठौर (50) की हादसे में मौत हो गई। पड़ोस में रहने वाले वासुदेव राठौर की बहू पूजा राठौर की भी मौत हो गई है। दोनों के शव मलबे से निकालकर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिए गए।

मलबे में से एलपीजी के दो सिलेंडर मिले हैं जो पूरी तरह से सही थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि मकान में रखे पटाखों में विस्फोट हुआ है। हालांकि, पुलिस अभी इस बारे में स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो पाई है। मौके पर पहुंचे एसपी ने बताया कि अभी जांच कर रहे हैं जो तथ्य सामने आएंगे, तभी कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू टीम मौजूद हैं मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है।

दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का रास्ता एक दीवार से अवरुद्ध किया जा रहा, इस दीवार को पीएम मोदी और संघ मजबूत कर रहा: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के संविधान रक्षक अभियान में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि देश की पूरी व्यवस्था दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों के खिलाफ खड़ी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का रास्ता एक दीवार से अवरुद्ध किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, आरएसएस उस दीवार को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने पिछड़े वर्गों के रास्ते में आने वाली दीवार को कमजोर किया लेकिन हम दीवार को उतनी कमजोर नहीं कर सके, जितना हमें करना चाहिए था।

राहुल गांधी ने फिर कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अगर उन्होंने पढ़ा होता, तब वे वह काम नहीं करते जो वे रोजाना करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं बल्कि हजारों सालों के लिए भारत की सोच है, यह सत्य और अहिंसा के बारे में है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जाति जनगणना की जा रही है, यह एक ऐतिहासिक कदम है, हम

जहां भी सरकार बनाएंगे, वहां ऐसा ही करने वाले है।

संविधान की कॉपी दिखाकर उन्होंने कहा कि क्या इसमें (संविधान में) सावरकर जी की आवाज है? क्या उसमें कहीं लिखा है कि हिंसा करनी चाहिए, लोगों को मारना चाहिए या झूठ का सहारा लेकर सरकार चलानी चाहिए? यह सत्य और अहिंसा का ग्रंथ है। कुछ दिन पहले कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में जाति जनगणना का काम शुरू किया है और यह कोई नौकरशाही प्रक्रिया नहीं है। तेलंगाना में पहली बार जाति जनगणना को सार्वजनिक अभ्यास बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जो सवाल पूछे जा रहे हैं, वहां कोई बंद कमरे में 10-15 लोग नहीं पूछ रहे हैं, ये लाखों लोग हैं जिसमें दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग के लोग, गरीब, सामान्य जाति, अल्पसंख्यक लोग, हर कोई और तेलंगाना के लोग शामिल हैं।

संविधान दिवस कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के भाषण के दौरान बिजली कट गई जिससे उनका माइक बंद हो गया। इस पर राहुल ने कहा कि देश में पिछले 3000 साल से जो भी दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, गरीब की बात करता है, उसका माइक बंद हो जाता है। जब माइक बंद हुआ, तब बहुत सारे लोग आए और मुझसे कहा कि जाओ और बैठ जाओ। मैंने कहा मैं बैठूंगा नहीं, खड़ा रहूंगा, जितना चाहो माइक बंद कर लो, जो बोलना है बोलूंगा। यहां पीछे रोहित वेमुला की फोटो है, वह बोलना चाहता था लेकिन उसकी आवाज छीन ली गई।

मायावती ने संविधान दिवस पर कांग्रेस व भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। संविधान दिवस पर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस व भाजपा पर संविधान को जनकल्याणकारी मंशा के साथ लागू न करने का आरोप लगाया है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मंगलवार को लिखा कि देश का संविधान कोई दिखावटी चीज नहीं है, बल्कि इसको दिल से अंगीकार करके उसके अनुरूप व्यवहार करना भी जरूरी है। खासकर भारतीय संविधान सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के मानवतावादी व कल्याणकारी उद्देश्यों को लेकर है ताकि यहां जात-पात मुक्त समतामूलक समाज की स्थापना हो व देश महान बने। देश में संविधान लागू होने के इतने दशकों के बाद भी जमीनी स्तर पर सही व सच्चे सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक लोकतंत्र का अभाव यह साबित करता है कि यहां सत्ता में रहने वाली खासकर कांग्रेस व भाजपा ने संविधान को इसकी असली जनकल्याणकारी मंशा के हिसाब से लागू नहीं किया जो बेहद दुखद है। बसपा सुप्रीमो ने लिखा कि दरिद्रता झेल रहे लगभग 140 करोड़ लोगों के भारत देश की पूंजी में विकास के जरिए जनता की गरीबी, बेरोजगारी एवं पिछड़ापन दूर करने के लिए जनकल्याण का कार्य नहीं होकर, कुछ मुट्ठी भर लोगों का विकास होना यहां हर संतुलन को बिगाड़ने वाला है, जिससे बहु-अपेक्षित जनविकास कैसे संभव है? संविधान दिवस पर बीएसपी संविधान की भूरि-भूरि प्रशंसा करती है किन्तु इसके मुख्य शिल्पी परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि तभी संभव है जब उनके करोड़ों शोषित-उपेक्षित अनुयायियों के जीवन में आरक्षण आदि के जरिए बेहतरी आएगी, जिसके लिए बहुजन समाज पार्टी शुरू से समर्पित है।

बिहार एक पिछड़ा राज्य, विकास के लिए बड़े और ठोस प्रयास की जरुरत

–जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहारी प्रवासियों से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के विकास और राजनीति को लेकर कहा कि अमेरिका में बिहारी प्रवासी समुदाय के साथ ऑनलाइन बातचीत में उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति, भविष्य की योजनाओं और जन सुराज पार्टी के एजेंडे पर चर्चा की।

प्रशांत किशोर (पीके) ने कहा कि बिहार वाकई एक पिछड़ा राज्य है, जो कई समस्याओं से घिरा है। इसके सर्वांगीण विकास के लिए बड़े और ठोस प्रयास करने की जरुरत है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बिहार में हालात सुधारने को लेकर समाज को उम्मीद नहीं है। पीके ने अपनी प्राथमिकताओं पर बात करते हुए कहा कि यदि उनकी पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करती है, तो उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता स्कूली शिक्षा में सुधार करना होगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार

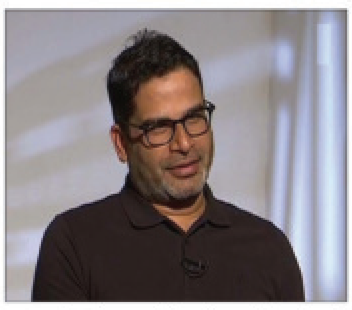

शराबबंदी को खत्म करेगी और इससे मिलने वाले राजस्व को शिक्षा सुधार में खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि शराब से बैन हटाना और इससे मिलने वाले राजस्व का उपयोग शिक्षा में सुधार के लिए करना हमारी प्राथमिकताओं में रहेगा। प्रशांत ने जोर देकर कहा कि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने जन सुराज के पिछले 2.5 सालों की कोशिशों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लोगों में एक नई उम्मीद जागी है। उन्होंने माना कि अभी ठोस राजनीतिक सफलता और सरकार बनाने में समय लगेगा।

किशोर ने कहा कि यदि बिहार एक देश होता, तो जनसंख्या के लिहाज से यह दुनिया का 11वां सबसे बड़ा देश होता। उन्होंने कहा कि बिहार ने जनसंख्या के मामले में जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में रह रहे बिहारी लोगों से उन्होंने अपील की कि वे जन सुराज अभियान का समर्थन करें और अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को पार्टी को वोट देने के लिए प्रेरित करें।

हाल ही में बिहार में हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी ने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। चार सीटों पर खड़े उम्मीदवारों में से केवल एक की जमानत बच सकी, जबकि बाकी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इस पर पीके ने कहा कि यह शुरुआत है, और पार्टी को अपनी रणनीति और जमीनी स्तर पर ज्यादा काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में अपनी पकड़ मजबूत करेगी और बिहार के विकास के लिए एक नई राजनीति का रास्ता बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि बिहार में लोगों की उम्मीदें वापस लौटें और राज्य को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की हार के लिए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ जिम्मेदार : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम पद को लेकर संशय के बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा कर दिया है। शिवसेना यूबीटी राउत ने दावा किया कि मेरे हिसाब से देवेंद्र फड़णवीस अगले सीएम बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सीएम का फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है। एकनाथ शिंदे और अजित पवार अपनी पार्टियों के लिए फैसले खुद नहीं ले सकते। ये दोनों पार्टियां शाह और पीएम मोदी की गुलाम हैं और बीजेपी की उपकंपनियां बन गई हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल बीजेपी के पास बहुमत है। वे बहुमत के लिए शिंदे और अजित पवार की पार्टी को तोड़ सकती है।

इसके पहले राउत ने कहा था कि इस चुनाव में ईवीएम एक बड़ा मुद्दा रहा है, इसलिए इस बार हम कहते हैं कि ये नतीजा आने दीजिए, लेकिन महाराष्ट्र में ये चुनाव एक बार फिर पेपर बैलेट से करा लीजिए और फिर दिखा दीजिए कि नतीजे वहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि ये सब बातें जो हैं

महाराष्ट्र में हुआ है, इसके लिए डीवाई चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं। वहीं, महायुति के अगले दावेदार के चयन पर सस्पेंस के बीच शिवसेना प्रमुख शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा। उनके साथ अजित पवार और फडणवीस भी मौजूद थे।

हालांकि, नई सरकार बनने तक शिंदे कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करते रहने वाले हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने चुनावों में भारी जीत हासिल की और 288 सदस्यीय विधानसभा में 235 सीटें हासिल कीं। हालांकि, गठबंधन अब तक इस बात पर आम सहमति बनाने में विफल रहा है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए।

एआई की तैयारी में शीर्ष 10 देशों में भारत शामिल, भारत एआई विशेषज्ञों में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर

मुंबई (एजेंसी)। रिपोर्ट में सामने आया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तैयारी में शीर्ष दस देशों में भारत भी शामिल है, और देश में एआई के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में परिवर्तन की अपार संभावनाएं है। 73 अर्थव्यवस्थाओं के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से पता चला है कि भारत एआई विशेषज्ञों में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है और एआई से संबंधित पेटेंट में मजबूत आधार के साथ शोध प्रकाशनों में तीसरे स्थान पर है।

दूसरी ओर, अध्ययन की गई 70 प्रतिशत से अधिक अर्थव्यवस्थाएं पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारी, कौशल और अनुसंधान एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में औसत से नीचे स्कोर करती हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि एआई के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने पर देश के जोर को रेखांकित करती है। एआई की तैयारी में शीर्ष 10 देशों में से एक के रूप में भारत में एआई के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र में बदलाव की अपार संभावनाएं हैं।

रिपोर्ट ने बताया कि एआई एक्सपोजर भारत में कई प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है। व्यावसायिक सेवाएं सकल घरेलू उत्पाद का 16 प्रतिशत हिस्सा हैं। खुदरा और थोक व्यापार जीडीपी का 10 प्रतिशत हिस्सा है, जहां एआई सार्वजनिक वितरण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को सुव्यवस्थित कर सकता है, नुकसान कम कर सकता है। वहीं सार्वजनिक सेवाएं जीडीपी का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो एआई सेवा वितरण और आपातकालीन प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने के अवसर देता है।

कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन सकल घरेलू उत्पाद में 17 प्रतिशत का योगदान देता है। उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए सटीक खेती और जोखिम मूल्यांकन में एआई का उपयोग हो सकता हैं। सकल घरेलू उत्पाद के 8 प्रतिशत के साथ निर्माण क्षेत्र बुनियादी ढांचे की योजना और संपत्ति के रखरखाव के लिए एआई का उपयोग हो सकता है। कला मनोरंजन और व्यक्तिगत सेवाएं भी 8 प्रतिशत के साथ सार्वजनिक सुविधाओं के प्रबंधन में एआई से लाभान्वित हो सकती हैं। इस संभावना को साकार करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, एआई शोध क्षमताओं को बढ़ाना और कार्यबल प्रशिक्षण का विस्तार करना शामिल है। रिपोर्ट में एआई के नैतिक उपयोग को संबोधित करने, पूर्वाग्रह को समझने और प्रौद्योगिकी को जिम्मेदारी से अपनाने को सुनिश्चित करने के लिए नियामक ढांचों की भी मांग की गई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902